धनबाद
शुक्रवार 13.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-289 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-12
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

झारखंड राज्य है आंदोलन की उपज यहां के लोग हैं स्वाभिमानी : सीएम

रांची (एजेंसी): विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि इससे पूर्व जितने भी अभिभाषण हुए, उनमें यह सबसे छोटा और अधिक दूरदर्शिता के साथ दिखाया गया है. उन्होंने कहा कि ये राज्य आंदोलन की उपज है. खून से सींचा गया राज्य है. यहां के लोग स्वाभिमानी हैं. जो ठान लेते हैं, वो तब तक नहीं रूकते, जब तक मंजिल न मिल जाए. अभिभाषण में हर वर्ग के साथ शहीदों के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. नींव रख दी है. बिल्डिंग खड़ा करेंगे. कामों को लोगों की आंखों के समाने दिखाना पहली प्राथमिकता है.

2019 के बाद से दिखा है परिवर्तन

सीएम ने कहा कि २०१९ के बाद से परिवर्तन दिखा है. चाहे आधारभूत संरचना हो, पर्यटन हो या रोजगार सृजन हो. झारखंड देश का पहला राज्य है जहां श्रमिकों के लिए बेहतर कानून बनाया गया है. विपक्ष के साथ सहयोग करें. सीपी सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि वे बुर्जुग हो गए हैं. शहर को नया आयाम देने का काम किया गया है. रांची का चहुंमुखी विकास हुआ है. हर दिन एक नया अध्याय इस राज्य में जुड़ेगा. ये राज्य प्रोजेक्ट भवन से नहीं बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है. गांव की अर्थव्यस्था नहीं बढ़ेगी तो राज्य के सर्वांगीण विकास की कल्पना नहीं की जा सकती. पूर्व में भी काम किया है आगे भी काम करेंगे.

सीएम ने कहा कि पूरे देश में झारखंड पिछड़ा राज्य है. देश के बड़े-बड़े उद्योग, बोकारो, एचईसी, सिंदरी खाद कारखाना लगे. यह उस समय की बात है, जब देश को टाटा-बिड़ला के नाम से जाना जाता था. इसके बावजूद लोग भूमिहीन, बेरोजगार और विस्थापित होने लगे. सामंति विचार के नेता हमारे नेताओं पर कटाक्ष करते थे, हंसी उड़ाते थे. हमें गर्व है, उन महापुरूषों पर जिन्होंने अपना लक्ष्य साधे रखा. लंबी लड़ाई लड़ी. २००० में नया राज्य बना. यह सही है कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने नए राज्य पर मुहर लगाई. लेकिन अलग राज्य की लड़ाई में दस महीने नहीं, वर्षों बरस लग गए. इस पीड़ा को हमलोगों से अधिक कोई नहीं समझ सकता. २०१९ तक इस ▶▶ 8

एक राष्ट्र, एक चुनाव के खिलाफ विपक्षी दल हुए लामबंद

नई दिल्ली (ईएमएस): बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरूवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दो बिलों को मंजूरी दिए जाने के बाद सरकार पर जोरदार हमला बोला. तृणमूल नेता ममता बनर्जी पहले से ही इस प्रस्ताव की मुखर आलोचक रही हैं. उन्होंने इसे संविधान के मूल ढांचे को नष्ट करने की साजिश कहा था. ममता ने इस संध-विरोधी कदम की निंदा की. उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र और संघीय ढांचे को कमजोर करने वाला बताया.

उन्होंने कहा, हमारे सांसद इस क्रूर कानून का पूरी ताकत से विरोध करेंगे... बंगाल कभी भी दिल्ली की तानाशाही सनक के आगे नहीं झुकेगा. यह भारत के लोकतंत्र को निरंकुशता के चंगुल से बचाने के बारे में है! ममता बनर्जी का आज का तीखा हमला उनके एक साथ चुनाव कराने के विरोध को एक बार फिर स्पष्ट करने वाला है.

मोदी कैबिनेट ने दी बिल को मंजूरी एक देश, एक चुनाव का रास्ता साफ!

बिल को अगले हफ्ते संसद में पेश कर सकती है सरकार, बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है सरकार

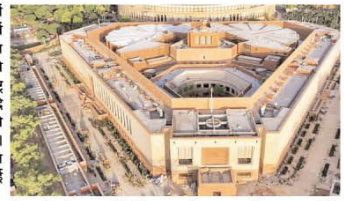

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों समेत सभी चुनावों को एक साथ करवाने का रास्ता अब साफ हो गया है। मोदी कैबिनेट ने एक राष्ट्र एक चुनाव बिल को आज मंजूरी दे दी है। सरकार इस बिल को अगले हफ्ते संसद में पेश कर सकती है। इससे पहले कैबिनेट ने राम नाथ कोविंद समिति द्वारा इस पर बनाई गई रिपोर्ट को मंजूरी दी थी।

मोदी सरकार अगले हफ्ते इस बिल को संसद में पेश कर सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, मोदी कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दे दी है और वो बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है। बिल पर व्यापक चर्चा के लिए सरकार इसे संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी के पास भेज सकती है। बिल का उद्देश्य १०० दिनों के भीतर शहरी निकाय और पंचायत चुनावों के साथ-साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव के लाभ

सरकार का कहना है कि एक साथ चुनाव कराने से धन और समय की बचत होगी। प्रशासनिक व्यवस्था ठीक रहने के साथ सुरक्षा बलों भी तनाव नहीं होगा। चुनाव प्रचार में ज्यादा समय मिलने के साथ विकास कार्यों भी ज्यादा हो सकेंगे। वहीं, चुनावी ड्यूटी के चलते सरकारी कार्यों में भी दिक्कतें आती हैं।

इससे पहले भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा था कि केंद्र सरकार को एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर आम सहमति बनानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह मुद्दा राजनीतिक हितों से परे है और पूरे देश ▶▶ 8

बेल के इंतजार में बैठे पूर्व डीसी छवि रंजन को बड़ा झटका, कोर्ट ने नहीं दी बेल

रांची (एजेंसी): बेल की इंतजार में बैठे रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को गुरूवार बड़ा झटका लगा है. सेना के कब्जे की भूमि वाली जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम केस के आरोपी छवि रंजन को बेल देने से रांची (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने इंकार कर दिया है. सोमवार को सभी पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने बेल पर फैसला सुरक्षित रख लिया था. गुरुवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है. इस मामले में ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी ने बहस की. ईडी ने इस संबंध में कांड संख्या ०१/२०२३ दर्ज किया है. दरअसल लैंड स्कैम की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है. सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत 7 नक्सली मारे गए

नारायणपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत सात नक्सली मारे गए। पुलिस के अनुसार इस घटना के साथ ही राज्य के बस्तर संभाग में इस साल अब तक मुठभेड़ में कम से कम २१५ नक्सली मारे जा चुके हैं। नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के जंगल में तड़के करीब तीन बजे मुठभेड़ शुरू हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अभियान के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की और कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक इसका पूरी तरह सफाया नहीं हो जाता। नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और कोंडागांव जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान इस अभियान में शामिल थे। यह अभियान १० दिसंबर को क्षेत्र में माड़ डिवीजन के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर शुरू किया गया था। रुक-रुक कर सात घंटे से अधिक समय तक गोलीबारी होती रही, जिसके बाद वर्दीधारी दो महिलाओं ▶▶ 8

मथुरा प्रसाद महतो बनाए गए झामुमो के मुख्य सचेतक

रांची (एजेंसी): झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो को झामुमो का मुख्य सचेतक बनाया गया है. सदन में इसकी घोषणा की गई. वहीं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से जिला खनिज फाउंडेश के वित्तीय वर्ष २०२०-२१ और २०२१-२२ का वार्षिक प्रतिवेदन सदन में रखा. भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि क्राइम काफी तेजी से फैल रहा है. झारखंड की बेटी, बहु और व्यापारी कैसे सुरक्षित रहे इस पर कोई बोल नहीं रहा. भाजपा विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पलामू में ४५ से ५० रुपए बोरा बालू मिल रहा है. बालू की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए. आजसू विधायक निर्मल महतो ने मांडू को अनुमंडल बनाने और ढ़ाढ़ी प्रखंड को रामगढ़ में शामिल करने की मांग की.

सदन में 11697.45 करोड़ का अनुपूरक बजट पास

रांची (एजेंसी): विधानसभा के विशेष सत्र अंतिम दिन सदन में ११६९७.४५ करोड़ का अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पास हो गया. बताते चलें कि गुरुवार को पहली पाली में के तीसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हुई. दूसरी पाली में अनुपूरक बजट पर चर्चा हुई.

चर्चा के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चिकाल के लिए स्थगित कर दी गई. इससे पहले अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए विधायक जयराम महतो ने कहा कि समानता से सम्मान आता है. हर माननीय टीए भत्ता का त्याग करें.

झारखंड में सर्दी का अटैक, अगले तीन दिनों तक चलेगी शीतलहरी

रांची (एजेंसी): झारखंड में सर्दी का अटैक होने वाला है. अगले तीन दिनों तक राज्य में शीतलहरी चलेगी. मौसम विभाग ने इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. केंद्र के अनुसार, १३, १४ और १५ दिसंबर को शीतलहरी का प्रकोप रहने की संभावना है.

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के १० जिलों में शीतलहरी का प्रकोप रहेगा. इसका असर राज्य के धनबाद, बोकारो, रामगढ़, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, चतरा, पलामू और गढ़वा में देखने को मिलेगा. वहीं उत्तरी पछुआ हवा चलने से और अधिक कनकनी बढ़ेगी.

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले २४ घंटे के दौरान ४.५ डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट आई है.

रांची, जमशेदपुर, डालटनगंज, बोकारो और चाईबासा में न्यूमनतम तापमान में गिरानट आई है. सबसे न्यूनतम तापमान गढ़वा में ५.४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है.

मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व को मिली एक ओर बाघिन

कोटा (ईएमएस): मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व को गुरुवार को एक ओर बाघिन मिली है। अभेडा बॉयोलोजिकल पार्क में बंद मादा शावक को मुकंदरा हिल्स रिलीज किया गया। डीएफओ मुकंदरा मधु एस, ने बताया कि मादा शावक को दोपहर १ बजकर १५ मिनट पर छोड़ा गया है। मादा शावक के लिए मुकंदरा में ५ हैक्टेयर का सॉफ्ट पिजड़ा बनाया गया है। इसके पास ही प्रे बेस के लिए दो पिजड़े बने हुए है।

हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार के कैबिनेट के फैसले पर लगाई रोक

निजी नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण वाला कानून नहीं लागू

रांची (ईएमएस): झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को ७५ फीसदी आरक्षण देने वाले कानून को लागू करने पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने २०२१ में कैबिनेट में फैसला लिया था कि निजी कंपनियां अपने यहां ४० हजार प्रतिमाह तक की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को ७५ फीसदी आरक्षण देंगी। जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ ने लघु उद्योग संघ की ओर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में लघु उद्योग संघ ने निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के झारखंड राज्य रोजगार अधिनियम २०२१ के प्रावधानों को चुनौती दी थी।

झारखंड लघु उद्योग संघ की ओर से पेश हुए वकील एके दास ने कहा कि इस अधिनियम ने राज्य और झारखंड के बाहर के उम्मीदवारों को बांट दिया है। यह अधिनियम संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। क्योंकि संविधान रोजगार में समानता की गारंटी देता है। वकील ने कहा कि राज्य सरकार निजी कंपनियों को एक निश्चित श्रेणी के लोगों को रोजगार देने के संबंध में निर्देश नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पहले भी निर्णय लिया है। इसमें पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा लाए गए ऐसे ही अधिनियम को रद्द कर दिया गया था।

झारखंड हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के आदेश दिया। साथ ही याचिका पर अगली सुनवाई २० मार्च को करने के लिए कहा। झारखंड विधानसभा में सितंबर २०२१ में निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए झारखंड राज्य रोजगार अधिनियम २०२१ पारित किया था। इसके मुताबिक प्रत्येक नियोक्ता कुल मौजूदा रिक्तियों में से ७५ प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों से भरेगा, जहां सकल मासिक वेतन या मजदूरी ▶▶ 8

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट की संवैधानिकता पर सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

फिलहाल मंदिर-मस्जिद से जुड़ा नया मुकदमा नहीं हो सकेगा दायर

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, १९९१ के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई शुरू हुई। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले की अगली सुनवाई तक मंदिर-मस्जिद से जुड़े किसी भी नए मुकदमे को दर्ज नहीं किया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि हम एक बात स्पष्ट करना चाहते हैं कि अगली सुनवाई तक कोई नई याचिका दायर नहीं हो सकती। अदालत ने सभी पक्षकारों से कहा कि वे अपने तर्क पूरी तरह तैयार रखें ताकि मामले को तेजी से निपटाया जा सके।

पूजा स्थल अधिनियम, १९९१, धार्मिक स्थलों की स्थिति को १५ अगस्त १९४७ के आधार पर संरक्षित करता है और इसमें बदलाव करने पर रोक लगाता है। हालांकि, इस कानून में अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को बाहर रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए तारीख तय की है और तब तक स्थिति को यथावत रखने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में पूजास्थल कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने याचिका सीपीआई-एम, इंडियन मुस्लिम लीग, एनसीपी शरद पवार, राजद एमपी मनोज कुमार झा समेत ६ पार्टियों ने लगाई है। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस ▶▶ 8

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार 14 को

अजित ने की पुष्टि; पीएम मोदी से मिले सीएम फडणवीस

नई दिल्ली (ईएमएस): महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का विस्तार १४ दिसंबर को होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने इसकी पुष्टि की। शरद पवार से मुलाकात पर उन्होंने कहा कि मैं एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार को उनके जन्मदिन पर बधाई देने गया था। जहां तक बात कैबिनेट विस्तार की है तो महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार १४ दिसंबर को होगा।

महाराष्ट्र के परभणी शहर में हुई हिंसा पर उन्होंने कहा कि कल रात से स्थिति नियंत्रण में है। वहां कानून-व्यवस्था ठीक है। अमित शाह से मुलाकात पर विस्तार से बताते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने कहा कि उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में चार गुना वृद्धि की गई, लेकिन एमएसपी में वृद्धि नहीं की गई। इसलिए मैंने उनसे गन्ने का एमएसपी बढ़ाने का अनुरोध किया है। इस बीच महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने मेरे और अजित पवार के दिल्ली आने के बारे में बहुत सी खबरें चलाई हैं कि यह मंत्रिमंडल विस्तार से संबंधित है। मैंने उन्हें देखा है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैं पार्टी से संबंधित बैठकों में आया हूं और अजित पवार भी कुछ जरूरी मुद्दों पर बैठक के लिए आए हैं। यह उनका काम है। इसलिए इन बातों पर ज्यादा अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है। हमारी पार्टी में संसदीय बोर्ड और हमारा वरिष्ठ नेतृत्व फैसले लेता है। जहां तक भाजपा कोटे से मंत्री बनाने की बात है, तो हम इस पर फैसला लेंगे। इसी तरह एनसीपी और शिवसेना अपने स्तर पर अपने मंत्रियों के नाम तय करेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार का फॉर्मूला पहले से तय है। आपको जल्द ही इसके बारे में पता चल जाएगा।

राज्यपाल का अभिभाषण कई मायनों में महत्वपूर्ण : स्टीफन मरांडी

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलते हुए झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण कई मायनों में महत्वपूर्ण है, जो यहां की योजनाओं को प्रतिबिंबित करता है. हेमंत सरकार को प्रचंड बहुमत मिला है. जिम्मेवारी बढ़ी है. झारखंड की अस्मिता की रक्षा का दायित्व भी है. राज्य के सर्वांगिण विकास की बात अभिभाषण में है. स्थानीय भाषा को स्वीकृत और शिक्षकों की नियुक्ति की बात कही गई है. महिला सशक्तिकरण पर फोकस किया गया है. मंईयां सम्मान योजना से आर्थिक मदद मिल रही है. अंबेडकर लाइब्रेरी की बात कही गई है. स्थानीय नीति बनाकर रोजगार देने की बात कही गई है. झारखंड ने खेल में पहचान बनाई है. स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की बात कही गई है. क्षेत्रीय भाषा को सुदृढ़ करने के साथ मदरसा बोर्ड बनाने की बनाने की बात कही गई है.

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि अभिभाषण में सरकार की सोच और संकल्पों को प्रदर्शित करता है. सरकार के कमिटमेंट को दर्शाता है. सरकार ने यह कहने का प्रयास किया है कि हम गरीबों के लिए हैं. सरकार ने समझा है कि नर की सेवा ही नारायण की सेवा है. सबको साथ लेकर चलने का संकल्प है. सरकार सबका साथ सबका विकास करना चाहती है.

प्रदीप यादव ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि वे घटकर २४ पर चले गए. हमारे संकल्पों पर जनता ने मुहर लगायी है. जुमलों पर जनता ने विश्वास नहीं दिखाया. उन्होंने सदन में एक फोटो दिखाते हुए कहा कि मोदी की लाउंड्री योजोना से धुलकर आए हिमंता बिस्व सरमा, एकनाथ सिंदे, अजीत पवार, चंद्रबाबू नायडु, प्रफुल्ल पटेल ने धोखेबाजी की. बाबूलाल भी उनके सहयोगी बन गए, उन्होंने कहा कि गोगो दीदी योजना का फॉर्म भरकर दिखाएंगे. ये धोखा नहीं तो क्या है. दंगा-फसाद कराने का प्रयास किया. घुसपैठ को देखने की जिम्मेवारी गृह मंत्री को है. ये घुसपैठ के नाम पर दंगा कराना चाहते हैं. ये लोग मणिपुर नहीं गए, जहां आदिवासियी बेटियों को नंगा घुमाया जा रहा है, यहां रोटी-बेटी और रोटी की बात करते हैं. देश की अखंडता को कमजोर करना है. फोटो के जरीए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रपति खड़ी है और प्रधानमंत्री बैठे हैं, ये संविधान का उल्लंघन है. इन्हें मनुस्मृति पर विश्वास है. ये लोग फिर से तंग करेंगे पर हम डरने वाले नहीं. प्रदीप यादव ने जाति जणगणना की वकालत की.

फ्लाईओवर के वैकल्पिक मार्ग का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर गुरुवार को एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम ने नया बाजार से धनसार चौक तक सड़क का निरीक्षण किया। इस संदर्भ में एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर ने बताया कि बैंक मोड़ फ्लाईओवर की मरम्मति के लिए फ्लाईओवर से गुजरने वाले वाहनों का आवागमन बंद किया जाएगा। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग के तौर पर अधिकारियों की टीम के साथ सड़क का निरीक्षण किया गया।

टीम ने नया बाजार से बैंक मोड, बैंक मोड़ से धनबाद रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर वाले मार्ग, बरमसिया मोड़, डेमियन सोशल वेलफेयर मोड़ तक मार्ग का निरीक्षण किया। वहां से पुनः टीम ने मनईटांड़ होते हुए हावड़ा मोटर तथा हावड़ा मोटर चौराहे से शक्ति पथ होते हुए धनसार चौक तक वैकल्पिक मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में वैकल्पिक मार्ग पर वाहनों के सुगम आवागमन के लिए विचारविमर्श किया।

निरीक्षण के दौरान एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, अंचल अधिकारी धनबाद शशिकांत सिंकर, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, सहायक अभियंता ओम प्रकाश, कनीय अभियंता नसीम अख्तर, नगर निगम के सिटी मैनेजर विशाल कुमार सिन्हा, फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार तथा ठेकेदार संजय गोटीवाले सहित अन्य लोग मौजूद थे।

भाजपा तथा गुड्डू समर्थकों के बीच भिड़ंत

धनसार (ससे) : विश्वकर्मा परियोजना के कांटाघर के समीप वर्चस्व को लेकर भाजपा तथा गुड्डू समर्थक के बीच गुरुवार को भिड़ंत हो गई। देखते ही देखते विश्वकर्मा परियोजना पुलिस छावनी में तब्दील हो गई। दोनों गुट के बीच उस वक्त भिड़ंत हुई। गुड्डू समर्थक पानी और प्रदूषण के मुद्दे पर विश्वकर्मा कांटाघर में ट्रक वजन का कार्य प्रभावित कर दिया। जिससे विश्वकर्मा लोडिंग प्वाइंट में ट्रक लोडिंग का कार्य ठप हो गया। जिससे नाराज झरिया विधायक रागिनी सिंह कहा समर्थक सह असंगठित मजदूरों ने जप्रसं के बैनर तले इसका विरोध कर दिया।

देखते ही देखते दोनों गुटों में भिड़ंत हो गई। इस दौरान दो राउंड मारपीट हो गई। जप्रसं गुट के मजदूरों का आरोप था कि इस कांटाघर से एक नेता लोडिंग ट्रक से डेढ़ सौ रूपए प्रति टन की वसूली करता है। जिसका विरोध किया। जिससे झल्लाकर दूसरे गुट ने पानी प्रदूषण का बहाना बनाकर विश्वकर्मा में ट्रक लोडिंग का कार्य हमेशा के लिए बंद करवाना चाहते हैं। सूचना पाकर धनसार पुलिस और सीआईएसएफ ने मोर्चा संभालते हुए मामला शांत कराया। हालांकि दोनों गुट अलगअलग बैठकर एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। हालांकि शाम को पानीप्रदूषण के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे राज सिन्हा गुट उठकर चले गए। इसके बाद पुलिस व सीआईएसएफ ने कांटाघर का कार्य शुरू कराया। हालांकि पुलिस तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए सीआईएसएफ व पुलिस मुस्तैद हैं।

बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह दर्जनों असंगठित मजदूर खाली ट्रक को वजन करवा रहे थे। तभी गुड्डू गुट के लोग भाजपा के बैनर तले पहुंचे। कांटाघर में झंडा गाड़कर कार्य ठप कर दिया।

इस गुट का नेतृत्व कर रहे पूर्व पार्षद मेनका सिंह का कहना था कि नई दिल्ली कॉलोनी व धनसार के लोग पानी के किल्लत व प्रदूषण से परेशान है। कुसुंडा महाप्रबंधक प्रणव दास से वार्ता के बाद भी लोगों को पानी की समस्या दूर नहीं कराया गया। वहीं इस क्षेत्र के लोग प्रदूषण से परेशान है। इसी को लेकर कांटाघर का कार्य प्रभावित किया जा रहा था। वहीं दूसरे गुट के जप्रसं नेता अमर सिंह का कहना है कि इस विश्वकर्मा परियोजना में लगभग छह सौ असंगठित ट्रक लोडिंग करते आ रहे है। इसी से इन मजदूरों का भरणपोषण होता है। वहीं एक नेता यहां ट्रक लोडिंग के नाम पर प्रति ट्रक से प्रतिटन डेढ़ सौ की रंगदारी के रूप में वसूली की जाती है। जिसका विरोध इन असंगठित मजदूरों ने किया है। इस अवैध वसूली को किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। इसका पूरजोर विरोध किया जाएगा। इसके लिए जप्रसं किसी भी हद तक जाने को तैयार है। इस बवाल के बीच कांटाघर का कार्य आठ घंटा प्रभावित रहा। जप्रसं की ओर से देशराज चौहान, पप्पू पासवान, राजेश मरांडी, सूरज मुर्मू, प्रेम गोप सहित अन्य थे।

वहीं दूसरे गुट में शिवशंकर सिंह नाथु चौधरी, किशु सिंह, सुनील पासवान, अजय कुमार सहित अन्य थे।

आठ घंटा तक दोनों गुटों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। इस दौरान दोनों के बीच दो बार मारपीट हो गई। लेकिन यहां बीसीसीएल प्रबंधन सुधि लेने नहीं पहुंचा। जिसको लेकर दोनों पक्षों ने बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रबंधन के इस रवैये से इन दोनों गुटों के अलावा धनसार पुलिस व सीआईएसएफ में नाराजगी दिखी। यहां का विवाद बीसीसीएल प्रबंधन को सुलझाना चाहिए था। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जिस कारण दोनों गुटों में तनाव व मारपीट हुई। हालांकि समय रहते पुलिस ने स्थिति को संभाला। जो कोई विधिश्वयवस्था को भंग करेगा उसके विरोध में कार्रवाई होगी।

किसान अपने धान का विक्रय पैक्स के माध्यम से ही करें : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले, झारखंड सरकार के निर्देशानुसार खरीफ विपणन मौसम २०२४२५ में १५ दिसम्बर, २०२४ से धान अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ होना है। धान अधिप्राप्ति की सभी प्रारंभिक तैयारियाँ यथा अधिप्राप्ति केन्द्रों का चयन, राईस मिलरों का चयन, अधिप्राप्ति केन्द्रों पर आवश्यक उपकरणों का अधिष्ठापन, अधिप्राप्ति केन्द्रों पर मानव बलों की प्रतिनियुक्ति आदि किया जा चुका है।

इस वर्ष किसानों से क्रय किये जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य रूपये २,३००/-प्रति क्विंटल की दर एवं बोनस रूपये १००/-प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाना है। समाचार पत्र एवं अन्य माध्यमों से कतिपय किसानों द्वारा बिचौलियों के माध्यम से खुले बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर औनेपौने दाम पर धान बिक्री की सूचना प्राप्त हो रही है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने किसानों के बीच १५ दिसम्बर से प्रारंभ होने वाले धान अधिप्राप्ति योजना तथा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित बोनस की जानकारी एवं जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी, कृषक मित्र एवं जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी के माध्यम से किसानों के बीच जागरूकता लाने हेतु निर्देशित किया है।

उपायुक्त ने बताया कि धनबाद जिला में विभिन्न पैक्स के माध्यम से धान क्रय किया जा रहा है, जिसको लेकर अलगअलग प्रखंडों में कुल १६ धान अधिप्राप्ति केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने सभी किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वह अपने धान की बिक्री संबंधित धान अधिप्राप्ति केंद्र में ही करें।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसानों के बीच प्रचार प्रसार करके यह सुनिश्चित करें कि जिले के किसान अपना धान बिचौलियो के माध्यम से अथवा खुले बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर या औनेपौने दाम पर धान की बिक्री नहीं करे तथा १५ दिसम्बर, २०२४ से प्रारंभ होने वाले धान अधिप्राप्ति योजना का लाभ उठा सके।

बरवाअड्डा में अज्ञात युवक का शव बरामद

धनबाद (कासं) : झारखंड के धनबाद जिला अंतर्गत बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव के कनपटी और पेट पर गोली के जख्म की सुचना है। मौके पर स्थानीय लोगों की काफी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सड़क किनारे शव को फेंक दिया गया है। खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। शव के समीप एक जिंदा कारतूस, कार की चाबी और गांजे की पुड़िया बरामद हुई है। वही घटनास्थल से दो खोखा बरामद होने की भी सूचना है।

घटना की सूचना पाकर बरवाअड्डा पुलिस मौके पर छानबीन में जुट गई है। पुलिस की माने तो युवक का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई है। मृतक के कनपटी और पेट में गोली मारी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

धनबाद में एक साइबर अपराधी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद साइबर थाना की पुलिस ने एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी धनबाद के डीजीएमएस कॉलोनी से हुई। आरोपी जामताड़ा जिला का रहनेवाला है। साइबर थाना के पुलिस इंस्पेक्टर अक्षय कुमार राम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि साइबर ठगी से जुड़ा एक नंबर जो कि प्रतिबिंब पोर्टल पर दर्ज था जिसका लोकेशन धनबाद डीजीएमएस कॉलोनी बताया जा रहा था। जिसके बाद छापामारी दल वहां पहुंची जहाँ मधुकर शर्मा नामक व्यक्ति के मकान के पास से साइबर अपराधी रुपेश कुमार महतो को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ में यह सामने आया कि लोगों के मोबाईल रिचार्ज करनेवालों के एकॉउंट से साइबर ठगी कर पैसा उड़ा लेता था साथ ही बैंक व अन्य कम्पनियों का सर्विस प्रदाता बताते हुए भी लोगों को चूना लगा रहा था। अपराधी के पास से मोबाईल फोन, सिम कार्ड और प्रतिबिंब पंटिड सिम बरामद किया गया।

गोविन्दपुर में रोड चौड़ीकरण का काम 20 तक पूरा करें

गोविंदपुर (ससे) : भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने गुरुवार को जीटी रोड चौड़ीकरण में लगी स्काईलार्क कंपनी के डीपीएम को गोविंदपुर बाजार इलाके में जीटी रोड का चौड़ीकरण काम २० दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया है। कंपनी के अधिकारियों के साथ प्राधिकरण के अधिकारियों ने जीटी रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने अंचलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे से भी मुलाकात की तथा शेष भागों से भी अतिक्रमण हटाने की अपील की। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर बाजार में अभी भी जीटी रोड की जमीन पर कुछ लोगों ने ठेला लगा रखा है और जीटी रोड की जमीन पर दुकान लगाने की एवज में वसूली कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने अंचलाधिकारी से यह भी कहा कि माडा मैदान के बाहर अब भी दुकान लग रही है, जबकि सभी दुकानों को गुरुवार शाम तक माडा मैदान में प्रवेश करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि यदि सभी दुकान माडा मैदान में प्रवेश नहीं करेगी तो चौड़ीकरण का काम नहीं हो पाएगा। अंचल अधिकारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि यह काम जल्द पूरा कर दिया जाएगा और श्री दुबे ने भी बाजार इलाके में चौड़ीकरण का काम २० दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का पूरा सहयोग प्राधिकरण एवं चौड़ीकरण कंपनी को मिल रहा है तथा जीटी रोड पर थोड़ा बहुत जो अतिक्रमण रह गया है उसे खाली करा दिया जाएगा। अंचल अधिकारी ने निरसा की ओर जाने वाली टेंपो चालकों से गोविंदपुर थाना के अपोजिट सर्विस ललेन से हटकर टेंपो लगाने का निर्देश दिया है। इसी तरह धनबाद जाने वाली टेंपो को सुभाष चौक से हटकर ठाकुरबाड़ी के पास सर्विस लेन से हटकर लगाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि अब टेंपो स्टैंड के कारण जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। जीटी रोड पर टेंपो लगाने वालों के खिलाफ भी अब कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहन लगाकर जीटी रोड का यातायत बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी

निरसा (ससे) : चिरकुंडा नगर परिषद के सफाई कर्मियों की हड़ताल गुरुवार को आठवें दिन भी जारी रही। मानदेय भुगतान की मांग को लेकर ५६ सफाई कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। नगर परिषद के कार्यपालक अधिकारी की पहल पर गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन की मौजूदगी में सफाई कर्मियों की वार्ता हुई। सफाई कर्मियों ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए नवंबर के बकाया मानदेय का भुगतान के बाद ही काम पर लौटने की बात कही। इस पर सिटी मैनेजर ने एक सप्ताह में नवंबर का मानदेय भुगतान करने का आश्वासन दिया। कहा कि आप काम पर लौट आएं, लेकिन सफाई कर्मियों ने उनकी अपील ठुकरा दी।

तिब्बती युवा कांग्रेस की बाईक रैली पहुंची धनबाद

धनबाद (कासं) : तिब्बती युवा कांग्रेस द्वारा २२ नवंबर, २००४ को अरुणाचल प्रदेश के भारत-तिब्बत सीमा बुमला दर्रे से आरंभ की गई बाईक रैली गुरुवार को पार्क मार्केट स्थित तिब्बतियों के लहासा मार्केट पहुंची। जहां लहासा मार्केट के अध्यक्ष नमगयाल वांगचुक समेत अन्य तिब्बतियों ने रैली का गर्मजोशी से स्वागत किया। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए टीवाईसी के संयुक्त शेरिंग सचिव शेरिंग कॉम्पहेल ने बताया कि यह रैली भारत के १० से अधिक राज्यों में १५ हजार किलोमीटर की दूरी तय करेगी। रैली के दौरान प्रतिभागी संसद सदस्य, विधान सभा सदस्य, तिब्बत समर्थक समूह और मीडिया से मुलाकात करेंगे। साथ ही भारतीय जनता को तिब्बत में आने वाली गंभीर समस्याओं के बारे में जागरूक करेंगे।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य चीनी कम्युनिस्ट शासन द्वारा तिब्बत में की जा रही क्रूरताओं को उजागर करना और उसके छह दशकों से चले आ रहे अवैध शासन का विरोध करना है। हमारा लक्ष्य तिब्बत में सांस्कृतिक नरसंहार की ओर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का तत्काल ध्यान आकर्षित करना है जहां चीन द्वारा तिब्बती संस्कृति और पहचान को व्यवस्थित रूप से मिटाने कि कठोर नीतियां लागू कर रहा है। इन नीतियों में तिब्बती बच्चों को औपनिवेशिक शैली के बोर्डिंग स्कूलों में जबरन दाखिल करना, तिब्बती संस्कृति से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों का सीमित करना और तिब्बती

भाषा को संरक्षित करने का प्रयास करने वाले शिक्षकों और व्यक्तियों को कैद करना इत्यादि। इसके अतिरिक्त तिब्बती स्कूलों और मठों को जबरन बंद करना जो कि तिब्बती संस्कृति, भाषा और आध्यात्मिक तिरासत के संरक्षण के लिए एक बड़ा खतरा है। अधिकारों की यह उल्लंघन तिब्बती पहचान को दबाने के लिए चीनी सरकार के निरंतर प्रयासों का एक स्पष्ट संकेत है। इसलिए हम भारत सरकार के साथसाथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय और गैरसरकारी संगठनों से आग्रह करते हैं कि वे तिब्बत में इस सांस्कृतिक नरसंहार को समाप्त करने की मांग को ले कर अपनी आवाज उठाएं।

हजारों वर्षों तक तिब्बत एक स्वतंत्र देश के रूप में अपने पड़ोसी देशों के साथ सांस्कृतिक और सभ्यतागत आदानप्रदान के माध्यम से सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा। हालांकि १९५९ में चीन पीपल्स रिपब्लिक द्वारा तिब्बत पर कैंजा करने के बाद ऐतिहासिक रूप से शांतिपूर्ण भारततिब्बत सीमा को नष्ट करदिया गया। अपनी विस्तारवादी नीतियों से प्रेरित होकर चीनी कम्युनिस्ट शासन ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ को बढ़ावा दिया है जो भारत की सीमा सुरक्षा और संप्रभुता के लिए सीधा खतरा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में चीन द्वारा किए जा रहे विकास परियोजनाएं इस खतरे को और बढ़ा रही हैं। इसलिए हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि वह चीन की रणनीतिक विकास पहल के प्रति सतर्क और सावधान रहे क्योंकि इनका क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। जैसा की हम कहते हैं, तिब्बत की स्वतंत्रता, भारत की सुरक्षा। हम भारत सरकार से तिब्बत की ऐतिहासिक स्वतंत्र स्थितिका समर्थन करना और ऐतिहासिक भारततिब्बत सीमा को मान्यता देने वाला प्रस्ताव पारित करने का आह्वान करते हैं। हाल के वर्षों में चीनी कम्युनिस्ट सरकार ने विकास परियोजनाओं की आड़ में तिब्बत के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को तेज कर दिया है जो तिब्बती पठार के पर्यावरण को खतरे में डाल रहा है और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों और मठों के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। द्रीछु नदी और तिब्बत की अन्य नदियों पर बांध परियोजनाओं का तिब्बतियों और निचले तटवर्ती देशों की आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। विशाल बांध पहल और परमाणु उत्पादन, परमाणु कचरे के निपटान और लापरवाह विकास नीतियों के साथ तिब्बत के पर्यावरण को तबाह कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप विश्वव्यापी परिस्थितिक असंतुलन पैदा हो रहा है। हम निचले तटवर्ती देशों से तिब्बती पठार पर हो रहे इन विकास कार्यों पर ध्यान देने और तिब्बत में चीन की लापरवाह गतिविधियों को रोकने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह करते है। हम अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से तिब्बत के पर्यावरण की रक्षा करना और चीन द्वारा की गई तिब्बत के प्राकृतिक संसाधनों के शोषण को रोकने के लिए दबाव डालने का आग्रह करते हैं। इन शोषण कार्यों ही वैश्विक परिस्थितिक असंतुलन का कारण बन रहा है।

कॉलेज में फिट इंडिया वीक कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद (कासं) : पदाधिकारीगण, शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों एवं छात्रों के बीच फिटनेस के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से गुरु नानक कॉलेज धनबाद में एक सप्ताह के लिए फिट इंडिया वीक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के चौथे दिन गुरुवार को कॉलेज के भूदा कैम्पस के रूसा सेमिनार हाल में में पोस्टर मेकिंग कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज के विभिन्न संकायों के १५ छात्रों ने हिस्सा लिया। अपने संबोधन में कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने भारत सरकार की इस मुहिम की स्तुति करते हुए कहा कि फिटनेस को हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना अनिवार्य है। निर्णायक के रूप में आए देबज्योति सरकार ने प्रतिभागियों को पोस्टर मेकिंग की बारीकियों के बारे में समझाया और कहा कि हम सबको अपने व्यवहार में बदलाव लाना एवं शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय जीवन शैली की ओर बढ़ना होगा तब ही फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो दलजीत सिंह ने मौके पर कहा कि देश की प्रगति और समृद्धि के लिए हम सभी को अपने आप को फिट रखना होगा। निर्णायक मंडली में देबज्योति सरकार, प्रो सोनू और नुसरत परवीन थे। प्रतियोगिता में हेमा चौहान को प्रथम, मैनक चक्रवर्ती को द्वितीय और आयुषी रानी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

मौके पर कॉलेज के शिक्षक पीयूष अग्रवाल, सुरभि कश्यप, अरनव सारखिल, मुकेश महतो और करीब ४० एनएसएस वॉलिंटियर्स मौजूद थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

रांची की स्पेशल टीम की छापेमारी से

धनबाद के अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप

बिहार ऑबजर्वर में छपी खबर पर डीजीपी गुप्ता ने लिया संज्ञान

संजय सिन्हा

धनबाद/निरसा : धनबाद में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ डीजीपी की स्पेशल टीम ने छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर रांची से धनबाद पहुंची टीम ने निरसा क्षेत्र के चर्चित कोयला माफिया रमेश के चल रहे अवैध माइनिंग के ठिकानों पर छापामारी कर बड़े पैमाने पर कोयला जब्त किया। बिहार ऑबजर्वर अखबार ने आज ही लूचीबाद में चल रहे माइनिंग की खबर प्रकाशित की थी जिसपर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने संज्ञान लेते हुए रांची से विशेष टीम भेजकर आज दिन में छापामारी करवाई। साथ ही ही छापामारी पंचैत और जामडीह में हुआ।

लूचीबाद जैसे जगह शामिल है। छापेमारी के दौरान जहां अवैध कोयला बरामद किया गया, वहीं एक व्यक्ति को गिरफ्तार किए जाने की भी सूचना है। कोयलांचल धनबाद में कोयले के अवैध कारोबार की शिकायत पर डीजीपी की स्पेशल पुलिस मुख्यालय रांची की टीम धनबाद पहुंची थी। गौरतलब है कि एक बार फिर से धनबाद में अवैध कोयला का कारोबार शुरू हो गया है।

कोक प्लांट समेत कई अन्य हाईकोक प्लांट में बड़े पैमाने पर अवैध कोयला खपाएं जा रहे हैं। जिसमें कई सिंडिकेट से जुड़े हुए लोग शामिल हैं। इन हाईकोक प्लांट को कोयला अवैध खनन के कारण सस्ते दर पर मिल जाता है और कई दफा इन कोयले को डिस्को पेपर के माध्यम से अलग-अलग राज्यों में अवस्थित कोयला मंडी में खपाया जाता है। अवैध कोयला कारोबार की सूचना पर छापेमारी चलाई गई है, हालांकि कुछ लोगों के द्वारा कोयला से संबंधित कागजात भी दिया गया है। इस दौरान सीआईएसएफ को भी बुलाया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। कोयला का स्टॉक एवं कागजात का मिलान करवाया जा रहा है। अगर कोयला वैध है तो ठीक है। अवैध कोयला कारोबार अगर संचालित है तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर कोयला का लेब टेस्ट भी करवाया जाएगा। किसी भी स्थिति में अवैध कोयला कारोबार संचालित होने नहीं दिया जायेगा। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने धनबाद के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध कोयला के धंधे को रोक लगाये। विधित हो कि जोगता थाना क्षेत्र में १० नंबर सिजुआ ने राजा नामक कोयला माफिया अवैध माइनिंग बड़े पैमाने पर चला रहा है। सीआईएसएफ जोगता पुलिस की मिलीभगत से हर दिन हजारों टन कोयला अवैध माइनिंग से निकाला जा रहा है। कहा जाता है कि सैकड़ों बंगलादेशी मजदूरों को इस अवैध खान में भेजा जाता है। घटना दुर्घटना में मरने पर इसका कोई वारिश सामने नहीं आता है। वहीं जोगता थाना क्षेत्र में अमन ने भी कोयले का काला धंधा जोरों पर शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि स्थानीय कुछ मीडिया और पोर्टल को सेटिंग कर अवैध कोयले का खनन जोरों से हो रहा है।

लूचीबाद के कोयला तस्कर रमेश पर रांची के एक वर्दी वाले अधिकारी का आशीर्वाद

धनबाद (कासं) : जब सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का जानकार कहते हैं कि राजधानी में पदस्थापित वर्दी वाले एक पदाधिकारी का अप्रत्यक्ष रूप से रमेश को आशीर्वाद प्राप्त है। दूबे जी वर्दी वाले अधिकारी के नजदीकी कहे जाते हैं। दूबे जी यहां बिचौलिए के रूप में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जब रांची का आशीर्वाद मिला हो तो लोकल का जिला मुख्यालय के हुक्मरान भला क्या कर सकते हैं।

निरसा के काले हीरे की लूटेरों की चर्चा हो और शीर्ष में रमेश का नाम नहीं आये। ऐसा हो ही नहीं सकता। पुलिस रिकार्ड की बात करें तो यहां की वाहन की शोभा बढ़ा रहे हैं। रमेश बाबू यह अलग बात है कि इसके बावजूद कानून के हाथ उसके गिरेबान तक नहीं ही पहुंचता है और न ही उसके

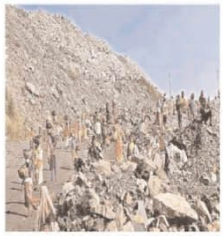

काला साम्राज्य पर कोई कार्रवाई हो पाती है। कहते हैं ऊपर को सेट करने में रमेश को महारथ हासिल है।

पंचैत थानांतर्गत लूचीबाद को खदान में कोल कंपनियों ने समानांतर व्यवस्था कर रमेश बेखौफमाती कोकिन कोल की लूट मचा रहा है।

निरसा पुलिस अनुमंडल के

क्रिकेट संघ ने विधायक रागिनी सिंह को किया सम्मानित

झरिया (ससे) : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा गुरुवार को राँची क्रिकेट स्टेडियम में झरिया की ननिर्वाचित विधायक रागिनी सिंह को सम्मानित किया गया। जेएससीए के पदाधिकारियों ने झरिया विधायक सिंह को पुष्पगुच्छ और शाल भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। वही झरिया विधायक रागिनी सिंह ने उपस्थित सभी पदाधिकारीगणों का आभार जताया। मौके पर मुख्य रूप से रंजीत सिंह, राजकुमार,पंकज सिंह, रविन्द्र नाथ सिंह,एसबी सिंह, विष्णु गुप्ता, आनंद सिंह, सौरव सिंह, संदीप कुमार सिंह, बबलू, सुनील कुमार, कमलेश कुमार सिंह, रवि प्रकाश सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिन्दरी कॉलेज में फिट इंडिया वीक का आयोजन

सिंदरी (ससे) : गुरुवार को सिंदरी महाविद्यालय सिंदरी में राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट एक एवं यूनिट दो के अंतर्गत १० से १४ दिसंबर तक फिट इंडिया वीक का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ के.के.पाठक ने किया। कार्यक्रम अधिकारी यूनिट एक से डॉ नीतू गौरव कुमार और यूनिट दो से डॉ सनत कुमार ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। शिक्षकों में डॉ मनोज कुमार तिवारी, प्रोफेसर मनमोहन सिंह, डॉ ममता कुमारी, डॉ आरती, प्रोफेसर निशांत दुबे, प्रोफेसर पूजा कुमारी, डॉ अनुराधा दास मौजूद थे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

झमाडा मजदूर कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल आज से

जोड़ापोखर (ससे) : चार महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज झमाडा में कार्यरत नगर निगम के तीनो पाली के ४० मजदूर शुक्रवार से काम पर नहीं जाने का निर्णय लिया है। कई बार आश्वासन मिलने के बाद भी आज तक उन्हें वेतन नहीं मिला है जिसके कारण नगर निगम के मजदूर भुखमरी के कगार पर आ गए है मजदूरों के घर का राशन भी समाप्त हो गया है।

सड़क दुर्घटना से हुई मौत पर परिजनों को मिलेगा मुआवजा

कतरास (ससे) : मंदरा कॉर्नल पब्लिक स्कूल के समीप डुमरा फुलारीटांड़ मेन रोड पर कोयला लोड हाईवा की चपेट में आने से बुधवार को मुराईडीह कॉलोनी निवासी राजेंद्र बाउरी की मौत हो गई थी, जिसके शव को लेकर परिजन बुधवार की शाम से ही मुआवजा को लेकर फूलवारीटांड़ डुमरा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। जैसे ही दुर्घटना की खबर मुराइडीह निवासी भाजपा नेता संजय चौहान को मिली तों वो तुरंत ही घटना स्थल पर पहुंच ट्रांसपोटर तथा बीसीसीएल प्रबंधक से बात किया लेकिन देर तक तक वार्ता विफल रही। बृहस्पतिवार की सुबह बरोरा थाना थानेदार जय प्रकाश की मौजूदगी में दुबारा वार्ता में संजय चौहान ने दूरभाष के द्वारा बाघमारा विधायक शत्रुघन महतो से बात करने के बाद कम्पनी एवं बीसीसीएल प्रबंधक को झुकना पड़ा। १० दिन के अंदर मृतक को संजय उद्योग के तरफ से ४ लाख रूपए एवं बीसीसीएल के तरफ से २ लाख रुपये देने की सहमति बनी। कुल ६ लाख देने पर वार्ता समाप्त की गई। जिसके बाद शाम ३. बजे शव को पोस्टमार्टम के लिये धनबाद भेज दिया गया। मौके पर मुराइडीह पूर्व मुखिया संजय कुमार, गुप्ता, काजल सरकार, जसवंत सिंह राजपूत, सत्यम चौहान, बाल्देव वर्मा, पिंटू यादव, विजय मंडल, राहुल शर्मा, प्रकाश चौहान, आशीष चौहान एवं लोग उपस्थित थे।

सांसद महतो ने संसद का ध्यान जनजातीय अधिकारों की तरफ आकर्षित कराया

धनबाद (कासं) : लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद ढुलू महतो ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान क्षेत्रीय विकास और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की पहुंच को बढ़ाने के उपायों पर सवाल किए, जिससे सरकार ने स्पष्ट किया कि ५४.७८ लाख से अधिक उधम पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत संचालित हो रहे हैं।

सांसद श्री महतो ने जनजातीय अधिकारों, शिक्षा, और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर भी सरकार से संवाद किया। सरकार ने बताया कि झारखंड समेत पूरे देश में जनजातीय समुदायों के लिए वन अधिकार अधिनियम २००६ के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत अबुआ वीर दशोम अभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान जैसी पहलें शुरू की गई हैं। इसके तहत, शिक्षा के लिए ७१५ आवासीय विद्यालय और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ६१६ मोबाइल चिकित्सा इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं।

श्री महतो ने कहा, धनबाद की जनता के विकास और उनके अधिकार सुनिश्चित करने के लिए मैं सदैव प्रतिबद्ध हूं। संसद में उठाए गए मेरे सवालों और प्राप्त उत्तरों से धनबाद क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

ढुलू महतो इस्पात मंत्रालय की परामर्श समिति की बैठक में शामिल हुए

धनबाद (कासं) : लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद ढुलू महतो ने आज इस्पात मंत्रालय की परामर्श समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में भारतीय इस्पात क्षेत्र में हरित इस्पात संक्रमण की रणनीति और इसके पर्यावरणीय लाभों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने की।

इस चर्चा के केंद्र में भारत के इस्पात उद्योग को पर्यावरण-अनुकूल बनाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने की योजना रही। श्री महतो ने अपने विचार रखते हुए कहा, भारतीय इस्पात क्षेत्र के हरित संक्रमण का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण

है, बल्कि यह हमारे उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती देगा। धनबाद जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को इस दिशा में लाभ मिलेगा, जिससे रोजगार और पर्यावरण संतुलन सुनिश्चित किया जा सकेगा। बैठक में ग्रीन स्टील प्रौद्योगिकी, पुनर्नवीनीकरण सामग्री के उपयोग और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उपायों पर भी चर्चा हुई। सांसद महतो ने इस्पात उद्योग में रोजगार सृजन और स्थायी विकास के पहलुओं पर जोर दिया। यह बैठक भारत सरकार की इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि कैसे देश के प्रमुख उद्योगों को पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। श्री महतो ने इसे धनबाद क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। हरित इस्पात भारतीय इस्पात उद्योग के भविष्य को आकार देने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि धनबाद और झारखंड के लिए इस पहल का लाभ दीर्घकालिक होगा।

गीता जयंती के अवसर पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन

धनबाद (कासं) : हिन्दी साहित्य भारती, पलामू द्वारा गिरिवर उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर में गीता जयंती के सुअवसर पर प्रो सुभाषचंद्र मिश्र की अध्यक्षता एवं कवि राकेश कुमार के संचालन में एक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। झारखंड के ६८ साहित्यकारों द्वारा रचित एवं कवि राकेश कुमार के सह-संपादन में प्रकाशित स्मारिका आए अवध श्रीराम की लेखकीय प्रति एवं हिन्दी साहित्य भारती की आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले साहित्यकारों को सदस्यता प्रमाण-पत्र प्रो सुभाषचंद्र मिश्र के हाथों प्रदान की गयी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो सुभाषचंद्र मिश्र ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में ही महाभारत के बीज छुपे हुए हैं। यदि पुत्रमोह में धृतराष्ट्र पांडवों के साथ भेद-भाव नहीं करता तो पांडवों को भी कुरुवंशी कहलाने में कोई आपत्ति नहीं होती। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय साहित्यिक दृष्टि से पलामू का स्वर्णकाल है। यहाँ

के कवि एवं साहित्यकार देश-विदेश में पलामू का नाम रोशन कर रहे हैं।

प्रखर वक्ता परशुराम तिवारी ने कहा कि आए अवध श्रीराम के संपादन में कवि राकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही और इनके सत्प्रयास से पलामू के रचनाकारों को राष्ट्रीय फलक प्राप्त हुआ है। मार्गदर्शक रमेश कुमार सिंह ने कहा कि आए अवध श्रीराम में पलामू प्रमण्डल के २४ रचनाकारों की सहभागिता यहाँ के आपसी समन्वय को दर्शाती है। जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पाठक ने स्मारिका के सभी रचनाकारों के प्रति आभार प्रकट किया एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोकों का वाचन किया। महामंत्री राम प्रवेश पण्डित ने गीता-ज्ञान अधारित एक गीतिका प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष आचार्य धनञ्जय पाठक ने दोहा छंद में गीता-सार प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष रीना प्रेम दुबे एवं किरण राज, संयुक्त महामंत्री वंदना श्रीवास्त, रचनाकार सत्येन्द्र कुमार मिश्र एवं सरोज कुमार आज़ाद ने स्मारिका में अपनी सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ नीरज कुमार द्विवेदी ने किया। गोष्ठी को सफल बनाने में प्रेम प्रकाश दुबे, मानस मिश्रा एवं विजय कुमार ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आर्थिक रूप से संपन्न लोग राशन कार्ड 20 तक सरेंडर करें

धनबाद (कासं) : प्रशासन अब वैसे लोगों पर कार्रवाई करने की सोच रहा है जो आर्थिक रूप से तो संपन्न हैं, लेकिन राशन कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। ऐसे लोगों से २० दिसंबर तक आपूर्ति विभाग के सामने राशन कार्ड सरेंडर करने का अल्टीमेटम जारी किया गया है।

राशन कार्ड सरेंडर नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। पलामू डीसी ने कहा है कि अगर २० दिसंबर तक राशन कार्ड सरेंडर नहीं किया जाता है तो ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई और वसूली की जाएगी।

कई ऐसे संपन्न परिवार हैं जो आर्थिक रूप से मजबूत होने के

बावजूद राशन कार्ड रखकर राशन उठा रहे हैं। इस कारण से कई योग्य व्यक्ति राशन कार्ड योजना से वंचित हैं। साथ ही विभाग को आर्थिक हानि भी हो रही है। ऐसे लोग २० दिसंबर तक आवेदन (प्रपत्र-१० जी) में अपने राशन डीलर के जरिये संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के पास जमा करा दे. ऐसे नहीं करने वाले पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लिये गये राशन की वसूली राशन लिये जाने की तिथि से भू-राजस्व के बकाये के बराबर बाजार दर पर १२ प्रतिशत प्रतिवर्ष के ब्याज पर वसूली, यदि लाभुक भारत सरकार/राज्य सरकार/ केंद्र शासित प्रदेश या इनके परिषद/उद्यम/प्रकम उपक्रम/अन्य स्वायत निकास जैसे विश्वविद्यालय आदि/नगर निगम/नगर पर्षद/ नगरपालिका/न्यास आदि में नियोजित हो, तो उपरोक्त के अलावा उस पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

मंईयां सम्मान योजना का लाभ सभी को नहीं मिल रहा है : रागिनी सिंह

रांची (ससे) : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने विधानसभा के पहले सत्र में गुरुवार को झरिया समेत पूरे राज्य में बढ़ रहे अपराध का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में अपराध का ग्राफ बढ़ गया है। अपराधी खुले आम अपराध को अंजाम दे रहे है जिससे महिलाओं, व्यवसाइयों और आम जनों पर अत्याचार बढ़ गया है। इसको को लेकर सरकार गंभीरता से कदम उठाए। विधायक श्रीमती सिंह ने कहा कि झारखंड की सबसे प्रमुख समस्या अपराध है। व्यापारियों से रंगदारी मांगी जा रही है। महिलाओं और युवतियों का शोषण हो रहा है। हत्याएं हो रही है। धमकी दी जा रही है। अपराध के कारण आम लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर

रहे हैं। विधायक श्रीमती सिंह ने कहा कि महिलाओं को मईया सम्मान योजना के लिए लंबी कतार में खड़ा होना पड़ रहा है जिससे महिलाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही इस योजना का लाभ सभी महिलाओं को नहीं मिल पा रही है जो जांच का विषय है इसकी साथ ही बुजुर्गों की पेंशन योजना विगत कई माह से बंद है इसे जल्द से जल्द पुनः शुरू कराई जाए और सरकार इन सभी विषयों को गंभीरता से ले।

बीसीसीएल अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट का खेल जारी

जोड़ापोखर (ससे) : गुरुवार को जेलगोरा स्टेडियम में बीसीसीएल अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत दो मैच खेला गया। पहला मैच गोविंदपुर एरिया बनाम पी. बी. एरिया के बीच खेल आरम्भ की गई। टॉस गोविंदपुर ने जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित २० ओवर के मैच में १८.२ ओवर में ९० रन बनाकर ऑल आउट हो गई। गोविंदपुर की ओर से राजकुमार ने १५ रन बनाए। पी. बी एरिया के तरफ से बोलिंग करते हुए गौतम कुमार ने तीन विकेट और विक्रम राजकुमार सिंह ने दो-दो विकेट प्राप्त करने में सफलता मिली। जवाबी पारी खेलते हुए पी बी एरिया की टीम १६.४ ओवर में ८ विकेट पर ९४ रन बनाकर यह मैच दो विकेट से जीत हासिल की गई। पी.वी के तरफ से बैटिंग करते हुए रोहित कुमार ने ३९ रन बनाए गोविंदपुर के तरफ से बोलिंग करते हुए विश्वनाथ बौरी ने तीन विकेट वीरू कुमार ने दो और राजकुमार दास ने दो विकेट प्राप्त किया। इस मैच में रोहित कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार, लोदना क्षेत्र के एरिया सिविल इंजीनियर मुकेश कुमार द्वारा दी गई। आज का दूसरा मैच सिजुआ क्षेत्र बनाम सी.वी क्षेत्र के बीच खेला गया। टॉस सी.वी क्षेत्र ने जीत कर पहले बैटिंग करते हुए १४ ओवर में ७० रन बनाकर ऑल आउट हो गई। संतोष लाल ने १८ रन, सायन पांडे ने १७ रन बनाए। सिजुआ के तरफ से बोलिंग करते हुए मुकेश कुमार ने तीन विकेट सनी कुमार और एम डी फिरोज ने दो-दो विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलते हुए सिजुआ की टीम ने ११.३ ओवर में एक विकेट खोकर ७२ रन बनाकर यह मैच ९ विकेट से जीत लिया। सिजुआ के तरफ से बैटिंग करते हुए राजेश कुमार ने ४५ रन और एमडी फिरोज ने १८ नाबाद रन बनाए। सी. वी. एरिया के तरफ से बोलिंग करते हुए चंद्रशेखर यादव को एक विकेट प्राप्त हुआ इस मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एमडी फिरोज सीजुआ एरिया को सी. वी. ओ. के तकनीकी सचिव नवीन कुमार ठाकुर ने प्रदान किया। इस मौके पर लोदना क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक दीपक कुमार सिंह, सहायक कार्मिक प्रबंधक सौरव कुमार सिंह, सिजुआ के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक चंदन श्रीवास्तव के अलावा दर्जनों क्रिकेट प्रेमी मौजूद थे।

पत्रकार गोप के निधन पर शोक

सिंदरी (ससे) : गुरुवार को बलियापुर के युवा पत्रकार सम्पद गोप का रांची रिम्स में लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। सम्पद गोप निडर एवं निर्भीक पत्रकारिता के लिये जाने जाते थे। सम्पद गोप के घर में बुजुर्ग पिता जो मरणासन्न अवस्था में हैं। पत्नी, तीन बेटियां हैं जिसमें एक बेटी का विवाह हो गया है। दो बेटियां अभी हैं जिनका

शिक्षा दीक्षा भरण पोषण, विवाह बाकी रह गया है। परिवार पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा है। स्व. सम्पद गोप के निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में नेपाल चंद्र महतो, राजेश कुमार सिंह, राहुल पांडेय, कुलबीर सिंह, सरदार हरेंद्र सिंह, दीपक मिस्त्री, नरेंद्र जोशी, विजय ठाकुर, रतन अग्रवाल, प्रेम शर्मा, राजकुमार शर्मा इत्यादि।

एडीएम लॉ एंड आर्डर ने की पीएम विश्वकर्मा, पीएम-एफएमई व डीएलई पीसी की बैठक

धनबाद (कासं) : गुरुवार को एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के तहत शिल्पकारों एवं कारीगरों को सहायता उपलब्ध कराने हेतु आर्टिजनों का वेरिफिकेशन एवं योजना की समीक्षा संबंधी बैठक, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के कार्यान्वयन हेतु समीक्षा बैठक एवं जिला स्तरीय निर्यात्त संवर्धन समिति के सदस्यों के साथ बैठक समाहरणालय सभागार में कई गई।

इस दौरान बैठक में योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक योग्य लाभुकों का आवेदन प्राप्त कर योजना के तहत लाभ प्रदान करने के निर्देश

दिए। बैठक के दौरान एडीएम लॉ एण्ड आर्डर ने निर्धारित गाइडलाइंस के तहत कार्य करते हुए योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आपसी समन्वय स्थापित कर लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर उन्होंने पीएम विश्वकर्मा की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस योजना से अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले जिले के हजारों कारीगरों और शिल्पकारों को सीधे लाभ होगा। साथ ही पारंपरिक और विरासत शिल्प के संरक्षण में योगदान देने वाले कारीगरों और शिल्पकारों के जीवन में बदलाव आएगा। यह योजना कारीगरों और शिल्पकारों को विश्वकर्मा (पारंपरिक कारीगर) के रूप में मान्यता देने में सक्षम बनाएगी। जिससे वे योजना के तहत लाभ उठाने के पात्र बन जाएंगे।

इसके अलावा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की समीक्षा करते हुए एडीएम लॉ एंड आर्डर ने निर्देश दिया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करना सुनिश्चित करें।

बैठक में सभी डीआरपी को सक्रिय रूप से कार्य करने का निर्देश दिया गया। वर्तमान समय में लोगों को इस योजना के संबंध में जागरूक करते हुए उन्हें योजना की सम्पूर्ण जानकारी देने का निर्देश डीसी ने दिया। उन्होंने जिले के बैंकवार लक्ष्य एवं योजना की प्रगति की बिंदूवार समीक्षा की।

साथ हीं जिला स्तरीय निर्यात्त संवर्धन समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर जिले में मौजूदा निर्यातकों पर व्यापक डाटा वेस तैयार करने, उद्योग/व्यापारियों की पहचान करने जो अन्य व्यापारियों के माध्यम से निर्यात कर रहें हैं, निर्यात के लिए संभावित उत्पादों वाले उद्योगों/व्यापारियों की पहचान करने एवं निर्यात संगठनों एवं एजेंसियों की स्थानीय समस्याओं पर विचार-विमर्श करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र राजेन्द्र प्रसाद, सहायक श्रम आयुक्त प्रवीण कुमार, एलडीएम अमित कुमार, ईओडीबी प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र आदित्य चौधरी, महासचिव (जिटा) राजीव शर्मा, सचिव चेंबर ऑफ कॉमर्स राजेश गुप्ता, जीआरएमए सदस्य पन्ना रक्षित समेत बैंक के प्रतिनिधि समेत अन्य मौजूद रहें।

संपादकीय

हालात की गंभीरता को नजरअंदाज कर रही है बांग्लादेश सरकार

करीब चार महीने पहले बांग्लादेश में तख्तापलट और नई सरकार बनने के बाद भारत के विदेश सचिव पहली बार वहां की यात्रा पर गए। मगर अफसोस कि उनकी यह यात्रा पड़ोसी देश के साथ कूटनीतिक संबंधों से जुड़े मसलों पर बातचीत से ज्यादा बांग्लादेश की अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ वहां के लोगों और सरकार के रवैये पर चिंता की वजह से हुई, ताकि स्थिति में कुछ सुधार आ सके। यह छिपा नहीं है कि शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में किसी न किसी बहाने अल्पसंख्यकों के जीवन को मुश्किल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, कई जगहों पर खुली हिंसा की खबरें भी आईं।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस मसले पर अमेरिका तक ने चिंता जताई कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, वह अनुचित है और उस पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। मगर चौतरफा आलोचना के बावजूद फिलहाल बांग्लादेश की सत्ता संभाल रही सरकार ने उपद्रवी तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और स्थिति को संभालना जरूरी नहीं समझा है, ताकि वहां हिंदू पहचान वाले लोग और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं के लगातार जारी रहने पर भारत ने चिंता जताई और इसके बाद भी जब वहां की सरकार की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं देखी गई, तब भारत के विदेश सचिव को वहां जाना पड़ा। सोमवार को उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार तौहिद हुसैन और विदेश सचिव

मोहम्मद सशीम उद्दीन से मुलाकात की।

बैठक में भारत ने जहां दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों पर बातचीत की, वहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। विडंबना है कि जो काम बांग्लादेश सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसके लिए उसके एक पड़ोसी देश को औपचारिक रूप से ध्यान दिलाने की जरूरत पड़ रही है।आखिर वहां के अल्पसंख्यक भी बांग्लादेश के नागरिक हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। विडंबना है कि मानवीयता के लिहाज से भारत की पहलकदमी को गंभीरता से लेने के बजाय बांग्लादेश सरकार अब भी अपने दायित्व को लेकर लापरवाह नजर आ रही है। वहां के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में जिस तरह अल्पसंख्यकों पर हमले और उससे उपजी स्थिति को 'बांग्लादेश का आंतरिक मामला' बताया गया है, उससे साफ है कि पीड़ित समुदायों की सुरक्षा का भरोसा देने के बावजूद सरकार हालात की गंभीरता को नजरअंदाज कर रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगस्त की शुरूआत में एक अराजक बगावत के बाद बांग्लादेश में मौजूद सरकार अस्तित्व में आई है और उसके सामने एक ओर आंतरिक उथल-पुथल से निपटने की जटिल चुनौती खड़ी है, तो दूसरी ओर उसे नई परिस्थितियों में अपने अंतरराष्ट्रीय कूटनयिक संबंधों को भी सहज बनाना है। अगर वह देश के भीतर अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकार सुनिश्चित नहीं कर पाती है, तो वहां एक गंभीर अराजकता पैदा हो सकती है। ऐसे में भारत की चिंता बांग्लादेश के लिए एक जरूरी सलाह की तरह है, जिस पर उसे बिना देर किए गौर करना चाहिए। भारत ने जिस तरह एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए समर्थन देने की बात कही है, वह परस्पर भरोसे पर आधारित है और यही दोनों देशों के हित में है।

तेजी से बढ़ रहा कर्ज लेकर देश छोड़ने का चलन

इस वक्त जब अर्थव्यवस्था का रुख नीचे की तरफ है, लोगों की क्रयशक्ति न बढ़ने से बाजार में नरमी बनी हुई है, बैंकों के कारोबार में मंदी देखी जा रही है, तब बट्टे खाते का आकार बढ़ते जाना चिंता पैदा करता है। चालू वित्तवर्ष की पहली छमाही में सार्वजनिक बैंकों ने बयालीस हजार करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते में डाल दिया। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी। कर्ज को बट्टे खाते में डालने का अर्थ है कि बैंकों ने मान लिया कि इस रकम की वसूली संभव नहीं है। हालांकि सरकार का कहना है कि बैंक बट्टे खाते में डाली गई रकम की वसूली के प्रयास करते रहते हैं। पिछले वित्तवर्ष में एक लाख सत्तर हजार एक सौ सात करोड़ रुपए बट्टे खाते में डाले गए थे। पिछले कुछ वर्षों में बैंकों का एनपीए यानी गैरनिष्पादित आस्तियों का आकार बढ़ता गया है। इसे लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है। मगर इस दिशा में अभी तक कोई व्यावहारिक उपाय नहीं तलाशा जा सका है। यह चलन लगातार बढ़ता गया है कि बड़े व्यवसायी सार्वजनिक बैंकों से किसी उद्यम के लिए कर्ज लेते हैं और फिर कंपनी बंद कर दिवालिया हो जाते हैं। इस तरह बैंकों का कर्ज डूब जाता है। अनेक व्यवसायी बड़ी रकम लेकर देश छोड़ गए। इस तरह बैंकों के कारोबार पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यह सवाल उठता रहा है कि कर्ज डूबने की समस्या से सार्वजनिक बैंकों को ही क्यों जूझना पड़ता है, जबकि निजी बैंकों के सामने यह समस्या इतनी बड़ी नजर नहीं आती। फिर, जब सामान्य लोगों के घर, वाहन, निजी उपयोग आदि के लिए लिए गए कर्ज की उगाही में बैंक विफल साबित नहीं होते, वे उनसे कर्ज वसूली कर ही लेते हैं, तो फिर बड़े कर्जों की वसूली में उनसे कहां और कैसे चूक हो जाती है। जाहिर है, कर्ज देते समय जरूरी एहतियात नहीं बरती जाती। सार्वजनिक बैंकों का पैसा डूबने का अर्थ है, आम लोगों का पैसा डूबना। ऐसा नहीं माना जा सकता कि अगर सरकार सचमुच बट्टे खाते का आकार बढ़ने से रोकने को लेकर गंभीर हो, तो ऐसे कर्जों की वसूली कठिन होगी।

आज का कार्टून

वीवीपैट में स्लिप से मिलान में सब सही झूठा निकला एमवीए का आरोप

बांग्लादेश के हालात सुधरने की जगह और खराब हो गए...

बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 की दोपहर को हुए शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद से ही वहां की कट्टरपंथी जहरीली जमात के द्वारा हिंदुओं के जान-माल व मंदिर को चुन-चुन कर के निशान बनाया जा रहा है, इन कट्टरपंथियों के द्वारा हिंदुओं के जान-माल को तब से ही जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। हालाकि तख्तापलट के बाद बहुत सारे लोगों को यह उम्मीद थी कि अब देश में नोबेल पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन होने के बाद वहां के हाल धीरे-धीरे पूरी तरह से सुधर जायेंगे। लेकिन अफसोस मोहम्मद यूनुस तो भारत व हिंदुओं के विरोध में अंधे होकर के खुद इन कट्टरपंथियों की गोद में जाकर बैठ गये हैं और कई माह बीतने के बाद भी बांग्लादेश के हालात सुधरने की जगह और खराब हो गये हैं।

दीपक कुमार त्यागी

देश व दुनिया के मीडिया के सूत्रों से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलें की हजारों की संख्या में जघन्य अपराध वाली घटनाएं घटित हो चुकी हैं, हिंदू इन घटनाओं में अपनी अनमोल जान-माल को गंवा रहे हैं, जो बांग्लादेश के अंदरनी भयावह हालात के बारे में बताने के लिए काफी हैं। मीडिया स्रोतों से जो खबरें लोगों को निरंतर मिल रही हैं, वह देश व दुनिया के सभी हिंदुओं के साथ-साथ इंसान व इंसानियत को बेहद बुरी तरह से झकझोर देने वाली है। क्योंकि तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के द्वारा भारत विरोध व हिंदुओं के जान-माल को जानबूझकर जमकर के निशान बनाया जा रहा है। हिंदुओं को मोहम्मद यूनुस सरकार के संरक्षण प्राप्त इस्लामिक कट्टरपंथियों के द्वारा सरेआम मौत के घाट तक उतारा जा रहा है। वहां हिंदुओं के मंदिर, मकान, दुकान व फैक्ट्रियों आदि को तोड़फोड़ कर के बड़े पैमाने पर आग के हवाले खुलेआम किया जा रहा है और अफसोस की बात यह है कि बांग्लादेश की पुलिस-फोर्स नियम-कायदे व कानून के अनुसार मानवता की रक्षा ना करके खुल्लम-खुल्ला इन भारत व हिंदुओं की विरोधी कट्टरपंथियों की जमात का साथ दे रही है। लेकिन इस हाल में हम भारतवासियों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पूरे विश्व के किसी भी कौने में अगर इस्लाम धर्म के किसी व्यक्ति के साथ किसी अन्य धर्म के व्यक्ति के द्वारा कोई अप्रिय घटना घटित कर दी जाती है, तो हमारे प्यारे देश भारत तक में भी इस्लामिक कट्टरपंथियों के इशारे पर उनके बहुत सारे लोगों को जमकर सड़कों पर बवाल काटते देखा जाता है। लेकिन अब जब बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुन कर के निशाना बनाया जा रहा उस वक्त इन लोगों की पूरी जमात की जुबान से एक शब्द भी हिंदुओं की रक्षा की अपील तक के लिए नहीं निकल रहा है, जो स्थिति हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों व देश के सभी नीति-निर्माताओं के लिए चिंताजनक व विचारणीय है।

यहां आपको याद दिला दें कि पूरी दुनिया ने देखा है कि किस तरह से वर्ष 1971 में तत्कालीन भारत सरकार ने पाकिस्तानियों के अत्याचार से बांग्लादेश की जनता को एक अलग राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण करके अत्याचार से मुक्ति दिलाने का कार्य भारतीय सेना के जांबाजों के नेतृत्व में ही किया था, जिसके चलते ही भारत के लंबे समय से बांग्लादेश से मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में वहां की अंतरिम सरकार के बनने के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में बहुत तेजी के साथ कड़वाहट शुरू हुई है। संबंध खराब करने के लिए रही-सही कसर पाकिस्तान के इशारे पर बांग्लादेश के इस्लामिक कट्टरपंथियों के द्वारा हिंदुओं को निशाना बनाकर पूरी की जा रही है। जिस बेहद तनावपूर्ण स्थिति के चलते ही संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद अब दोनों देशों के बीच काफी तल्ख कूटनीतिक भाषा का इस्तेमाल हो रहा है, जो स्थिति आने वाले समय में भारत-बांग्लादेश के संबंधों व वैश्विक स्तर पर ठीक नहीं है।

यहां आपको एकबार फिर से याद दिला दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही भारत विरोधी गतिविधियां और हिंदुओं पर हमले के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। जिसके बाद से ही बांग्लादेश का हिंदू समुदाय अपनी सुरक्षा करने की मांग को लेकर व

हमले के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर के पूरे बांग्लादेश में जगह जगह छोटे-बड़े विरोध प्रदर्शन निरंतर कर रहा है। जिन प्रदर्शनों में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास बढ़-चढ़कर के भाग ले रहे थे और वह पूरे बांग्लादेश में घूम-घूमकर अत्याचार के खिलाफ हिंदुओं को संगठित कर रहे थे और भारत व दुनिया से बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा करने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते ही हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार की आंखों का कांटा बने हुए थे, जिस वजह से ही हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार के इशारे पर गिरफ्तार कर लिया गया था और वहां के न्यायालय में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की आवाज़ उठाने वाले अधिववक्ता पर भी जानलेवा हमला करके व उसके चैंबर में तोड़फोड़ करके उसको भी निशाना बनाया गया था।

वहीं बांग्लादेश के मुद्दे पर हाल ही में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में सवाल पूछे जाने पर अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा था कि - हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। सरकारों को कानून के शासन का सम्मान करने की आवश्यकता है, उन्हें आधारभूत मानवाधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता है। हम इस बात पर हमेशा जोर देते रहेंगे। किसी भी तरह का विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। हम इस बात पर बल देते हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए और उनसे अधारभूत मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। हालांकि उनका यह बयान औपचारिकता मात्र है, हालांकि उनके इस बयान में भी बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कोई ठोस आश्वासन या समाधान नजर नहीं आता है, उनका बयान केवल एक औपचारिकता मात्र है।

वहीं हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने में नाकामयाबी दिखाई है, शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस पर आरोप लगाया कि उन्होंने हिंदुओं के नरसंहार में सक्रिय रूप से भाग लिया है। शेख हसीना के इस बयान को दुनिया भर के ठेकेदार बनने वाले ताकतवर देशों व मानवाधिकार संगठनों को संज्ञान लेकर के हिंदुओं के नरसंहार को रोकने के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ वैश्विक स्तर पर कार्रवाई करनी चाहिए, जो पर अभी तक तो कोई पहल होती हुई नजर नहीं आ रही है।

हालांकि भारत सरकार भी बार-बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को विभिन्न फोरम पर उठाने का कार्य निरंतर कर रही है, लेकिन उसके बाद भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर कट्टरपंथियों की जमात के द्वारा जबरदस्त अत्याचार जारी हैं और हमारे देश के धर्मनिरपेक्षता के ठेकेदार बन चुके लोगों की जमात इस बेहद ज्वलंत मुद्दे पर चुपचाप बैठकर के अब भी तमाशा देख रही है, वह जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं की तरह ही बांग्लादेश हिंदुओं को भी तिल-तिल कर मरते हुए देख रही है, जो बांग्लादेश चंद माह पहले छात्रों के हिंसक आंदोलन में जल रहा था, वहां तख्तापलट के तुरंत बाद से ही भारत व हिंदुओं के ऋणों को भूलकर के छात्रों का यह हिंसक आंदोलन हिंदू विरोधी आंदोलन में अचानक कैसे तब्दील हो गया है, देश व दुनिया के विशेषज्ञों को इस स्थिति का निष्पक्ष रूप से आंकलन करने चाहिए कि आखिरकार किस के उकसावे पर बांग्लादेश में अचानक से स्थिति भारत व हिंदुओं के विरोधी कैसे हो गयी। विचारणीय यह है कि आरक्षण के विरोध की आग में झुलसता हुए बांग्लादेश अचानक से भारत व हिंदू विरोध की आग में कैसे झुलसा। तख्तापलट के बाद भी हिंसा आज भी अनवरत रूप से जारी है, लेकिन अब दंगा-फसाद में चिन्हित करके हिंदुओं को मौत के घाट उतारना जारी है। हिंदुओं की सुरक्षा की दृष्टि से पूरे बांग्लादेश में जबरदस्त अस्थिरता का माहौल व्याप्त है, मीडिया सूत्रों के अनुसार दंगाईयों को मोहम्मद यूनुस सरकार के द्वारा सरकारी संरक्षण मिलने के चलते हिंदुओं के जान-माल की भारी क्षति होना अब भी निरंतर जारी है। जिसके चलते बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ-साथ पूरी दुनिया के हिंदू अब भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रसाद के साथ-साथ एनएसए अजीत डोभाल की तरफ बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा करने की उम्मीद से देख रहे हैं, उन्हें उम्मीद है कि भारत सरकार अब बयानबाजी से इतर होकर के धरातल पर ठोस कदम उठाकर के तत्काल बांग्लादेश में भारत विरोधी सभी गतिविधियों व हिंदुओं के नरसंहार पर नकेल कसेगी।

ग्राउंड जीरो पर बाल कल्याण क्षेत्र में 'यूनिसेफ' की भूमिका बेहतरीन

यूनिसेफ को सार्वजनिक क्षेत्र के तीन सबसे बड़े भागीदार संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी और विश्व बैंक अधिकांश पैसा देते हैं। बीते दो दशकों में, विश्व भर में बच्चों के जीवित रहने के दर में बहुत अधिक वृद्धि देखी गई। 2016 में दुनियाभर में, अपने 5वें जन्मदिन से पहले मर जाने वाले बच्चों की संख्या आधी होकर 56 लाख तक रह गई। इसके बावजूद, नवजात शिशुओं के लिए प्रगति धीमी रही है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु में, जन्म के पहले महीने में ही मर जाने वाले शिशुओं की संख्या 46 प्रतिशत है। जागरूकता के चलते इन आंकड़ों में अब सुधार हुआ है।

डॉ. रमेश ठाकुर

बाल कल्याण की बात हो या उनके अधिकारों की रक्षा, दोनों में प्रहरी की भूमिका निभाती है 'यूनिसेफ'। इसलिए यूनिसेफ का नाम सुनते ही मन-मस्तिष्क में बच्चे इंद गिर्द घूमने लगते हैं। साथ ही उनकी समस्याओं और सुधारी प्रयासों का जिक्र भी होने लगता है। आज 'विश्व यूनिसेफ दिवस' है। एक ऐसी संस्था जो संसार के 190 देशों के बेहद दुर्गम स्थानों पर पहुंचकर कर बच्चों के अधिकारों की हिमायत के लिए मजबूती से लड़ती है। बाल कल्याण की सुविधाएं विश्व के प्रत्येक जरूरतमंद, कमजोर और वंचित बच्चों तक पहुंचे, इसलिए लिए यूनिसेफ की टीमें चौबीसों घंटों ग्राउंड जीरो पर तैनात रहती हैं। यूनिसेफ़ का मतलब होता है 'संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष' जिसका आरंभ 11 दिसंबर, 1946 को 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' द्वारा किया गया था। शुरूआती वक्त में संस्थान में मात्र 43 देश शामिल हुए थे, लेकिन कुछ वर्षों बाद ये संख्या 100 पार कर गई। पर, आज इस संस्था में 190 मुल्क जुड़े हैं। संख्या में धीरे-धीरे इजाफा हो रहा है। यूनिसेफ के 5 लाख प्रतिनिधि इस समय पूरे संसार में कार्यरत हैं। वहीं, भारत में 18 हजार के करीब वर्कर दुर्गम स्थानों पर बाल कल्याण के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बाल तस्करी की

रोकथाम में इनकी अगल से टीमें कार्य करती हैं।

हिंदुस्तान में रोजाना करीब 69,000 बच्चे पैदा होते हैं। उन सभी नौनिहालों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और बाल संरक्षण में यूनिसेफ इंडिया बेहतरीन कदम उठाने को संकल्पित होता है। मौजूदा समय में यूनिसेफ की टीमें युद्धग्रस्त यूक्रेन-रूस, ईरान-इराक, अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में अधिकांश जुटी हैं। वहां अभावग्रस्त बच्चों की परवरिश करने के अलावा उनकी शिक्षा-स्वास्थ्य में लगे हैं। वैसे देखा जाए तो, विश्व को यूनिसेफ़ की कार्यशैली द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तब ज्यादा दिखी, जब इनके योद्धाओं ने बिना अपनी जान की परवाह किए युद्ध से आहत, असहाय, बेघर बच्चों को जरूरती सामानों की आपूर्ति, विभिन्न किस्म की सहायताएं और स्वास्थ्य में सुधार के अभियानों को चलाया। जैसे-जैसे समय बदला, यूनिसेफ़ ने अपनी कार्यशैली में और बदलाव किए। पहले इनका काम सिर्फ बाल अधिकारों की रक्षा के लिए जाना जाता था। लेकिन उसके बाद बच्चों के बेहतर जीवन को बनाने का भी जिम्मा इन्होंने अपने कंधों पर उठा लिया। फिलहाल वक्त में, यूनिसेफ़ की टीमें माताओं और नवजात शिशुओं के लिए एचआईवी की रोकथाम और उपचार, पर्याप्त पानी, स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, बाल स्वास्थ्य व पोषण जैसे क्षेत्रों में भी कार्यरत हैं।

भारत के नजरिए से यूनिसेफ़ को देखें, तो वर्ष-1949 में मात्र तीन सदस्यीय स्टाफ़ ने हमारे यहां काम आरंभ किया। लेकिन सन् 1952 में दिल्ली में अपना एक कार्यालय स्थापित किया। वर्तमान में, समूचे भारत में इनके 16 राज्यों में कार्यालय हैं। जहाँ ये बच्चों के अधिकारों की हिमायत करते हैं। भारत में इनका प्रतिनिधित्व सिंथिया मैककैफ्रे करती हैं जिनकी नियुक्ति अक्टूबर 2022 में हुई थी। भारत सरकार अपने बजट से बड़ी रकम इनको सालाना आंवटित करती है। ताकि हमारे यहां दुगर्म क्षेत्रों में रहने वाले वो बच्चे भी इनके जरिए शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकें, जो सरकार की नजरों से छूट जाते हैं। यूनिसेफ का मुख्यालय, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित है। संस्था का उदेश्य संसार भर के बच्चों को सुगम जीवन जीने, उन्हें आगे बढ़ाने और अपनी क्षमता का विकास कराने का अधिकार मुहैया कराना होता है। वर्ष 2021 में भारत में यूनिसेफ की सेवाओं के 75 वर्ष पूरे हुए। तब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यूनिसेफ और भारत के सहयोग के साक्ष प्रयासों की सराहना की।

भारतीय हुकूमत भी चाहती है कि प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य चंगा हो, सुरक्षा और खुशहाली मिले, इसके लिए वह कोई कोर-कसर नहीं छोड़ती। यूनिसेफ के लोग इस बात को विभिन्न वैश्विक मंचों पर कई मर्तबा कह भी चुके हैं कि उन्हें भारत सरकार से सदैव भरपूर सहयोग मिला। 2018 में यूनिसेफ ने 'एवेरी चाइल्ड अलाइव' नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान शुरू किया था जिसके अनुसार प्रत्येक मां और नवजात शिशु के लिए सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग और उनकी आपूर्ति करने के लिए प्रयासों का श्रीगणेश करना था। उस अभियान ने जबरदस्त सफलता हासिल की। यूनिसेफ के इस समय 150 देशों में कार्यालय, 34 राष्ट्रीय समितियां हैं जो मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से अपने मिशन को आगे बढ़ाते हैं।

यूनिसेफ को सार्वजनिक क्षेत्र के तीन सबसे बड़े भागीदार संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी और विश्व बैंक अधिकांश पैसा देते हैं। बीते दो दशकों में, विश्व भर में बच्चों के जीवित रहने के दर में बहुत अधिक वृद्धि देखी गई। 2016 में दुनियाभर में, अपने 5वें जन्मदिन से पहले मर जाने वाले बच्चों की संख्या आधी होकर 56 लाख तक रह गई। इसके बावजूद, नवजात शिशुओं के लिए प्रगति धीमी रही है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु में, जन्म के पहले महीने में ही मर जाने वाले शिशुओं की संख्या 46 प्रतिशत है। जागरूकता के चलते इन आंकड़ों में अब सुधार हुआ है। यूनिसेफ के ऐसे प्रयास निरंतर जारी हैं, इसमें आम जनों को भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। सरकारी-सामाजिक के संयुक्त प्रयासों से अभियान को न सिर्फ संबल मिलेगा, बल्कि और तेज गति भी प्रदान होगी।

तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाये रखना छात्रों की भी जवाबदेही है : स्कूल प्राचार्य

बोकारो (ससे): केन्द्रीय विद्यालय-३ बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य कृष्ण कुमार के द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला परामर्शी मो. असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व के बारे में बताया गया। जिला परामर्शी ने बच्चों को अपने चर्चा के दौरान बताया कि तम्बाकू में पाया जाने वाला नशीला पदार्थ निकोटीन से बच्चों में चिन्ता, नींद न आना, चिड़चिड़ापन एवं अवसाद जैसे गम्भी समस्यायें हो सकती हैं। जिला परामर्शी ने बच्चों को बताया कि यदि आप तम्बाकू का सेवन करते है या आपके आसपास कोई सेवन करता है और वह तम्बाकू के लत को छोडना चाहता है और कई बार प्रयास करने पर भी नही छोड पाता है तो उसे तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र सदर अस्पताल के १३ नं० ओ०पी०डी० में भेजें ताकि उन्हें तम्बाकू छुडाने में मदद की जा सके। स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू को एक लाईन में परिभाषित करें तो तम्बाकू का मतलब बीमारियों बीमारियों का भण्डारा। चाहे आप इसे धुएं के शकल में लें या चबाकर खाये। यह मानव शरीर में जाकर विभिन्न प्रकार के बीमारियों को उत्पन्न करता है और फिर उस बीमारी से लोगों की मौत हो जाती है।

इस लिये तम्बाकू मानव शरीर को धीरे धीरे खोखला करता है। हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि इस लत से बचें और एक जिम्मेदार नागरिक के नाते अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराये।

पीएन कॉलेज में कैरियर काउंसलिंग

डुमरी (ससे): पीएन कॉलेज में गुरूवार को स्वनिर्भर संस्थान के सहयोग से महाविद्यालय कैरियर कॉउंसलिंग सेल के द्वारा एक काउंसलिंग सेशन आयोजित किया गया। सेशन का उद्देश्य स्नातक में अध्ययरत विद्यार्थियों को सामान्य पाठ्यक्रम से इतर स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम एवं गतिविधियों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में स्वनिर्भर के जनरल मैनेजर सुमित कुमार सिंह व सीनियर मैनेजर नीतीश कुमार सिंह ने उपस्थित बच्चों से परिचय तथा उनके लक्ष्य और अभिरूचि की जानकारी प्राप्त की तत्पश्चात उन्हें स्वनिर्भर के द्वारा चलाये जाने वाले सभी प्रकार के पाठ्यक्रम व गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। श्री सिंह ने बताया कि आज प्रतियोगिता के रेस में बने रहने के लिए हमारे अंदर स्किल का होना अनिवार्य है। कार्यक्रम का दूसरा एवं तकनीकी सेशन शनिवार १४ दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में स्व निर्भर संस्थान के कानूनी सलाहकार सुशील कुमार सिंह कम्युनिटी लीडर निरंजन अग्रवाल, हेमनारायण महतो समेत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज मिश्रा उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा काउंसलिंग सेल के नोडल पदाधिकारी योगेश प्रसाद सहायक प्राध्यापक रजनी कुमारी, प्रियंका कुमारी, संगीता कुमारी, मधु जयसवाल सहित स्नातक के दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित थे।

एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट से दिसम्बर' २०२४ में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से दिनाँक १२ दिसम्बर को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन - अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया. डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ श्री कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया.

उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) दीपशिखा ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी. नगर प्रशासन विभाग से श्री दिवाकर शरण, कनीय प्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में बताया. कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड के ब्रांच हेड मो. ज़ुल्फ़िक़ार आलम तथा उनके टीम के लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित सुधिजनो को सीनियर सिटीजन के लिए धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी.सुश्री फ़िज़ा परवीन, ओ.सी.टी. (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया.

कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ.

डीपीएस की आद्या समेत छह विद्यार्थियों ने मारी बाजी

बोकारो (ससे): देश के विधि विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (एनएलयू कंसोर्टियम) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) २०२५ में डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने अच्छी सफलता पाई है। १२वीं की होनहार छात्रा आद्या मिश्रा समेत छह छात्र-छात्राओं ने क्लैट के अंडरग्रैजुएट (यूजी) प्रोग्राम में नामांकन को लेकर हुई परीक्षा में बाजी मारी।

आद्या ने आल इंडिया रैंक (एआईआर) ३९० पाकर पूरे विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। उसे कुल ९०.५० अंक प्राप्त हुए हैं। दूसरे स्थान पर छात्र प्रांजल रहा, जिसे अखिल भारतीय स्तर पर ९७८वीं रैंक मिली है। इसके अलावा, विद्यालय की छात्रा अतुल्य त्रिश्री ने एआईआर २५५१, अरफा ने ओबीसी रैंक १५०९ (एआईआर ७७००), त्रिशा ने ओबीसी रैंक १९८७ (एआईआर १२७०९) तथा आयुष कुमार ने भी एआईआर ४३५० के साथ सफलता अर्जित की है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

क्लैट-यूजी २०२५ में एआईआर ३९० पाने वाली डीपीएस बोकारो की मेधावी छात्रा आद्या मिश्रा की दिली ख्वाहिश आगे चलकर न्यायाधीश (जज) बनने की है। उसने १०वीं के बाद अपने परिजनों की प्रेरणा से विधि-क्षेत्र में आने की ठानी और अब क्लैट में सफलता के साथ इस दिशा में अपने कदम आगे बढ़ा दिए हैं।

गुरुवार को एक बातचीत में आद्या ने कहा कि देश में आज अनगिनत लोग सही समय पर सही न्याय मिलने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों को सच्चा न्याय दिलाना उसका सपना रहा है। उसने कहा कि ईमानदारी के साथ अगर न्याय मिले, तो देश में वास्तव में एक बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। व्यवसायी अभिषेक मिश्रा एवं लेखिका श्वेता की सुपुत्री आद्या पढ़ाई के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी काफी बढ़-चढ़कर भाग लेती रही है।

परिधान सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सुनीता सिंह द्वारा कोनहाराघाट, हाजीपुर स्थित रेलवे कॉलोनी में दिनांक १२.१२.२०२४ को ''परिधान सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र'' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्ष रंजना कुमार, सचिव मीनाक्षी कुमार, कोषाध्यक्ष अर्चना चौधरी, संयुक्त सचिव प्रियंका सिंह एवं संगठन की अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं। सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र खुलने से रेलवे कर्मचारियों, परिवार के सदस्यों एवं आस-पास के रहने वाले लोगों को उचित दर पर सिलाई प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की जा सकेगी।

डैम के विकास की मांग पर जताया आभार

डुमरी (ससे): डुमरी विधायक जयराम महतो ने विधानसभा सत्र में पारसनाथ के पुतरीगढ डैम और डेलिया डैम का विकास करने की मांग करने पर पुतरीगढ डैम निर्माण संघर्ष समिति ने साधुवाद दिया है। समिति के अध्यक्ष चन्द्रदेव बरनवाल चंदु ने कहा कि विधायक श्री महतो ने विधानसभा के पटल पर पुतरीगढ डैम और डेलिया डैम की सौन्दर्वीकरण की मांग उठाना एक सराहनीय कदम है।मुख्यमंत्री से भी आग्रह है कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर गंभीरता से विचार करें।

अस्पताल ने नहीं दी एंबुलेंस, ठेले पर शव लेकर गया परिवार

कटिहार (ईएमएस): बिहार में अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही ने फिर से सुर्खियों में हंगामा मचा दिया है। जिले के एकमात्र बड़े अस्पताल, कटिहार सदर अस्पताल में रोगी की मौत के बाद भी उसके परिजनों को एंबुलेंस नहीं दी गई है।

ताजा मामला नया टोला फुलवाड़ी से जुड़ा है, जहां शहदीप रॉय नाम के व्यक्ति की जॉनडिस से मौत हो गई। उनके परिजनों ने इलाज के दौरान एंबुलेंस की मांग की, परन्तु उनकी मदद नहीं मिली। इसके बावजूद कई एंबुलेंस उपलब्ध थीं, परन्तु सदर अस्पताल प्रबंधन ने नकारा।

मृतक शहदीप की पत्नी लीला देवी ने खुलासा किया है कि अस्पताल की लापरवाही ने उसके पति को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने इलाज के दौरान एंबुलेंस की मांग की परन्तु वह भी नष्ट हो गई। सदर अस्पताल के रवैये के सम्बंध में पड़ोसी उत्तम कुमार ने भी आलोचना की है, कहते हुए कि अस्पताल के व्यवस्था में नीचता की भरमार है।

यह घटना कटिहार के सदर अस्पताल के लाचार व्यवस्था के सवाल उठाती है। सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद जनता को सुविधाएं पहुंचाने में असफल हो जाना, सामाजिक न्याय की धारा को हिला देता है। इसी कांड के जिम्मेदार कौन है, यह सवाल सामने खड़ा करता है।

सदर अस्पताल में रोगी की सेवा परिजनों के लिए अनुपम महत्व रखती है, लेकिन यहां की लापरवाही की बजह से नागरिकों को अत्याधुनिक सुविधाओं से वंचित कर दिया गया है। सरकार की संभावित जल्दी से इस मामले पर जांच करनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि इस तरह की घटनाएं फिर से न हों।

सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल-४ में दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. यह कार्यक्रम १२-१३ दिसम्बर २०२४ तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के १७ अधिकारी प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे हैं.

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएसएल के प्रशिक्षित अधिकारी संकाय के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) एस. सरतपे तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) डी.आर. टोप्पो उपस्थित रहीं। ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के एस.के.डी. भौमिक, कनीय प्रबंधक ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की.

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) एस. सरतपे ने कार्यक्रम की औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और संयंत्र में सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे इस प्रशिक्षण में अर्जित ज्ञान को अपने सहकर्मियों के साथ साझा करें और इसे अपने कार्यस्थल पर लागू करें. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) डी.आर. टोप्पो ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को संयंत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और सयंत्र में सुरक्षा को निरंतर सशक्त बनाने का आह्वान किया. कार्यक्रम में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटिव राकेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, और इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा. यह कार्यक्रम बोकारो स्टील प्लांट में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने और सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, DRINKING WATER &SANITATION DIVISION No-1, Giridih

Very Short Term e-procurement Notice

Tender reference No.- DWSD/Giridih-1/03/2024-25 (1st Call) DATED: 12-12-2024

The under signed, on behalf of the Government of Jharkhand, invites Percentage rate bids for the work mentioned in table below through e-Procurement from eligible and approved Contractors, registered with Drinking Water &Sanitation Department, Government of Jharkhand. The work of Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells as detailed is BOQ. The rate to be paid for the work as said above will be decided as per the lowest rate quoted in e-procurement. The relevant articles of PWD Code will be applicable. The rates will be applicable for years 2023-24. The bid shall be submitted online in the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

Sl no	Name of the work	Block	Name of Group	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost or Tender Paper (Rs.)	Period of Supply
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells under D.W.&S Division, No-1, Giridihfor the year 2024-25.	Bengabad & Gandey	RM/ DT-01	5,53,869.00	12,000.00	1250.00	03 Month
		Jamua, Deori & Tisri	RM/ DT-02	9,12,010.00	19,000.00	1250.00	03 Month
2	Date & Time of Publication of Tender on Website.	16-12-2024 at 2:00 PM					
3	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	23-12-2024 up to 4:00 PM					
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No- 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e - Governance Government of Jharkhand.(Online)	23-12-2024 up to 4:00 PM					
5	Date & Time of Opening of Tender	24-12-2024 up to 4:00 PM					
6	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division No-1, Giridih.					
7	Contact No. of Procurement Office	7992394524					
8	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045					

Note:-
- **No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.**
- **Further details can be seen on website** Http://jharkhandtenders.gov.in
- **Estimated Cost may be increase or decrease.**

Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation Div No-1, Giridih

PR 341851 (Drinking Water and Sanitation)24-25*D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER & SANITATION DIVISION, CHAS

Very Short Term e-procurement Notice

Tender reference No.- DWSD/CHAS/01/2024-25 (2nd Call) DATED: 12.12.2024

The under signed, on behalf of the Government of Jharkhand, invites Percentage rate bids for the work mentioned in table below through e-Procurement from eligible and approved Contractors, registered with Drinking Water &Sanitation Department, Government of Jharkhand. The work of Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells as detailed is BOQ. The rate to be paid for the work as said above will be decided as per the lowest rate quoted in e-procurement. The relevant articles of PWD Code will be applicable. The rates will be applicable for years 2024-25. The bid shall be submitted online in the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

Sl no	Name of the work	Name of Block	Name of Group	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Completion Time
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells under D.W.&S Division, Chas for the year 2024-25.	Chas	RM/DT/CHAS-1	322744.00	7000.00	750.00	4 months
2			RM/DT/CHAS-2	322744.00	7000.00	750.00	4 months
3		Chandankiyari	RM/DT/CKY-3	564281.00	12000.00	1250.00	4 months
4		Jaridih	RM/DT/JRD-4	229044.00	5000.00	500.00	4 months
5		Bermo & Chandrapura	RM/DT/B& C-5	249866.00	5000.00	500.00	4 months
6	Date & Time of Publication of Tender on Website.	12.12.2024 at 04:00 PM					
7	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	19.12.2024 up to 04:0 PM					
8	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No- 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e - Governance Government of Jharkhand.	19.12.2024 up to 04:00PM					
9	Date & Time of Opening of Tender	20.12.2024 up to 04:00 PM					
10	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Chas					
11	Contact No. of Procurement Office	06542-265810					
12	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045					

Note:-
- **No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.**
- **Further details can be seen on website** Http://jharkhandtenders.gov.in
- **Estimated Cost may be increase or decrease.**

Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation, Chas

PR 341821 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गिरिडीह।
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस
अतिअल्पकालिन निविदा

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0– 30/2024-25/EE/BCD/GIRIDIH दिनांक– 11.12.2024

1.कार्य का विस्तृत विवरणी

क्रम	कार्य का नाम	परिमाण पत्र की राशि	कार्य पूर्ण की अवधि
1	Construction of 30 Bedded hostel in Jamia Imam ibje baaz sitla Gandey, Madani chowk sitla, Gandey, Giridih in Giridih district	रू0 2,25,08,600/–	09 माह।
2	Construction of 30 Bedded hostel in Jamia Rajviya,ward no-27,kazi mohalla,station road, Giridih, in Giridih district	रू0 2,23,97,900/–	09 माह।
3	Construction of 50 Bedded hostel in Darul Uloom Hazrat -e-Ayesha,Isri basti Block-Dumri Giridih in Giridih district	रू0 3,09,15,500/–	11 माह।
4	Construction of 50 Bedded hostel in Madarsa jamia Qadaria,village - khaki kala Post-Pordag Dumri, Giridih in Giridih district	रू0 3,07,86,900/–	11 माह।
5	Construction of 50 Bedded hostel in Madarsa Islamia Yusufia manakdiha Gandey,Village-manakdiha,Post-Parvatpur, Giridih in Giridih district	रू0 3,11,69,100/–	11 माह।
6	Construction of 50 Bedded hostel in Madarsa Tartilul Quran bishunpur, Post- Khorimahua, Ps-Dhanwar, Giridih in Giridih district	रू0 3,08,23,500/–	11 माह।

2. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 18.12.2024 11:00 बजे
3. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय :– 24.12.2024 11:00 बजे
4. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गिरिडीह।
5. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान :– 26.12.2024 11:30 बजे
नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, राँची।
6. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 8789037009
7. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 7562841745
8. परिमाण पिपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note:- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, गिरिडीह।

PR 341801 Building(24-25)D

जिला परिषद कार्यालय, बोकारो

–:: आम इस्तेहार ::–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए बोकारो जिलान्तर्गत सरकारी मेला सैरातो की बंदोबस्ती जिला परिषद कार्यालय, बोकारो में होने जा रही है। जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

क्र0	मेला सैरात का नाम	सुरक्षित जमा राषि (रू0 में)	बंदोबस्ती तिथि/समय
1.	गोमिया प्रखण्ड/अंचलान्तर्गत देवीपुर खेलायचण्डी मेला	5,54,000.00	20.12.24 को 11:30 बजे पूर्वा0 में
2.	पेटरवार प्रखण्ड/अंचलान्तर्गत बुण्डू मेला	2,50500.00	20.12.24 को 01:30 बजे अप0 में

डाकवक्ता के लिए निम्नांकित शर्त्तों को पूरा करना वांछनीय है :–

1. डाक में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को **आचरण प्रमाण पत्र, अद्यतन आयकर सफाया प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड** की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
2. डाक में भाग लेने के पूर्व सुरक्षित जमा राशि का 10 प्रतिशत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट जमानत के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। जो DDC-CUM-CEO, ZILA PARISHAD, BOKARO के नाम से देय होगा।
3. अधिकतम डाकवक्ता को उक्त मेला के एकरारनामा का निबंधन **सहायक अवर निबंधन कार्यालय, बेरमो (तेनुघाट)** में एक सप्ताह के अंदर कराना अनिवार्य होगा। निबंधन शुल्क सहित अन्य समस्त राशि का भुगतान अधिकतम डाकवक्ता को अलग से करना होगा।
4. अधिकतम डाक वक्ता को सम्पूर्ण डाक राशि व निबंधन शुल्क राशि एकरारनामा निबंधन के पूर्व डिमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में DDC-CUM-CEO, ZILA PARISHAD, BOKARO के नाम से देय, जमा करना अनिवार्य होगा।

5 उपरोक्त शर्त्तो को पूरा करने वाले व्यक्ति ही डाक में भाग लेने हेतु वैध माने जाएँगें।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, बोकारो

PR341810 (Panchayati Raj)24-25*D

योगी ने नीतीश कुमार को भेजा महाकुंभ का न्यौता

पटना (एजेंसी): प्रयागराज में दिव्य और भव्य महाकुंभ २०२५ का आयोजन किया जाएगा. इसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में है. निमंत्रण पत्र भी भेजे जाने लगे हैं. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने न्योता भेजा है.

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा सहित बिहार सरकार के अन्य मंत्रियों को भी महाकुंभ में शामिल होने के लिए न्योता भेजा गया है.

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान और दयाशंकर सिंह गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पहुंचे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुलाकात की.

इस दौरान योगी सरकार के मंत्रियों ने महाकुंभ में आने के लिए उन्हें निमंत्रण पत्र भेंट किया. योगी सरकार में मंत्री राकेश सचान ने कहा, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रयागराज में भव्य रूप से महाकुंभ का आयोजन हो रहा है. इसी कड़ी में योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निमंत्रण देने के लिए आए हैं.

मुख्यमंत्री के अलावा हम लोगों ने बिहार के राज्यपाल को भी आमंत्रित किया है. इसके अलावा बिहार सरकार में मंत्रियों को भी आमंत्रण देते हुए आग्रह किया है कि बिहार सरकार से ज्यादा से ज्यादा लोग महाकुंभ कि दिव्यता को देखें. उन्होंने कहा है कि महाकुंभ के लिए हम लोग विपक्षी दलों को भी आमंत्रित कर रहे हैं.

योगी सरकार में मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा है कि महाकुंभ के निमंत्रण को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वीकार किया है. उन्होंने कहा है कि वह महाकुंभ में जरूर आएंगे. इसके अलावा बिहार के करोड़ों लोग महाकुंभ में जाएंगे और अपने जीवन को धन्य करेंगे. प्रयागराज में महाकुंभ १३ जनवरी से शुरू होगा और २६ फरवरी तक चलेगा.

इस दौरान चार राजसी स्नान होंगे. महाकुंभ को भव्यता प्रदान करने के लिए योगी सरकार द्वारा विशेष तौर पर तैयारी की जा रही है.

उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दुर्भाग्यपूर्ण : चिराग

पटना (ईएमएस) : केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि देश के उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। चिराग पासवान ने अपने एक्स पर पोस्ट पर लिखा कि देश के महामहिम उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष द्वारा पुनः एकबार सदन की गरिमा को गिराने का प्रयास किया गया। एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का अनादर करना विपक्षी दलों की पहचान रही है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक किसान परिवार से आने वाले व्यक्ति भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर आसीन है, ये हमसब देशवासियों के लिए गर्व की बात है। ऐसे में उनका अपमान कतई उचित नहीं है। जिन्हें देश की जनता कई बार नकार चुकी है, उनके द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाना बेहद हास्यास्पद है। विपक्ष पहले भी इन सब मुद्दों से देश का ध्यान भटकाने का प्रयास कर चुका है।

संदिग्ध से एनआईए की पूछताछ जारी

सीतामढ़ी (ईएमएस): सीतामढ़ी जिले में एनआईए टीम ने छापा मारा है। पुलिस से मिल जानकारी में बताया गया है कि बाजपट्टी गोट के एक संदिग्ध व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो सका है कि किस मामले में एनआईए ने ये कार्रवाई की। माना जा रहा है कि देशद्रोही गतिविधियों में संलिप्त होने के संदेह में उस व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार तड़के ४ बजे एनआईए की टीम ने लियाकत अंसारी के घर पर रेड मारी। फिर उनके पुत्र अब्दुल अलीम को हिरासत में लिया।

सूत्रों की मानें तो टीम ने संदिग्ध का मोबाइल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। लियाकत अंसारी गांव में ही चिकन की दुकान चलाते हैं। चिकन काटने वाले के घर पुलिस के भारी बल को देखकर आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। एनआईए टीम ने घर में दो घंटे तक छानबीन की। एनआईए टीम के साथ सीतामढ़ी पुलिस भी मौजूद है। एसडीपीओ सदर रामकृष्ण जिला पुलिस को लीड कर रहे हैं। मीडिया ने एनआईए की टीम से कई सवाल पूछे, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

एनआईए ने मदरसा शिक्षक के घर पर मारा छापा

झांसी (ईएमएस) : एनआईए ने आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और लोकल पुलिस के साथ मिलकर झांसी में एक मदरसा शिक्षक के घर पर छापा मारा है। यह कार्रवाई ऑनलाइन मदरसा कक्षाओं के माध्यम से विदेशी बच्चों को पढ़ाने से जुड़ी विदेशी फंडिंग की जांच का हिस्सा है। झांसी में अलीगोल खिड़की निवासी काजी के भतीजे के घर एनआईए टीम ने देर रात छापेमारी से हड़कंप मच गया। इस दौरान समर्थकों ने एनआईए टीम पर हमला कर दिया। टीम यूपी एटीएस के साथ रात मुफ्ती खालिद के घर पहुंची। घंटों चली पूछताछ के बाद एनआईए की टीम जब मुफ्ती को हिरासत में लेकर घर से बाहर निकलने लगी। तभी समर्थकों ने झुंड में टीम को घेरकर समर्थक मुफ्ती को हिरासत में ले जाने का विरोध कर रहे थे।

प्रपत्रVII

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू–अर्जन निदेशालय),या, समाहर्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा

(अधिनियम –30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या–1695 — दिनांक : 10.12.2024

असाधारण अंक सं0–26 — दिनांक : 11.12.2024

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा टासरा ओपन कास्ट परियोजना (SAIL) हेतु ग्राम–आसनबनी, थाना संख्या –192 अंचल – बलियापुर में कुल–41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश –41.11 एकड़ यानि –16.64 हेक्टेयर है और जो मौजा–आसनबनी, थाना संख्या–192, अंचल–बलियापुर जिला, धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है

क्र0	RS	खाता नं0	प्लाट नं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	प्लाट का रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	उ0	द0	पु0	प0
283	RS	111	725	निजी	कनाली	0.83	0.83	0.25938	फुचू मझीयाईन पिता स्व. धनन्जय मांझी, विपती मझीयाईन पति स्व.धनन्जय मांझी अंश समान	731	785	726, 727, 729	720,
284	RS	111	725	निजी	कनाली			0.06484	शिवलाल मरांडी पिता स्व. बुधन मरांडी वो सुकरमनी देवी पति स्व.बुधन मरांडी अंश समान	731	785	726, 727, 729	720,
285	RS	111	725	निजी	कनाली			0.06484	मुकेश मरांडी वो आकाश मरांडी पिता स्व. शुकू मांझी, बहामुनी मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	731	785	726, 727, 729	720, 721, 722
286	RS	111	725	निजी	कनाली			0.12969	रवि मांझी वो कमल मांझी पिता स्व. लेड़ा मांझी अंश समान	731	785	726, 727	720, 721
287	RS	111	725	निजी	कनाली			0.25938	नारान मांझी पिता स्व.सागर मांझी 1 अंश, सुरेन्द्र मांझी वो आकाश मांझी पिता स्व. मंगल मांझी वो बहामुनी मझीयाईन पति स्व. मंगल मांझी 1 अंश समान	731	785	726, 727, 729	720, 721, 722
288	RS	111	725	निजी	कनाली			0.05188	रूपू मझीयाईन पिता स्व. खारू मांझी	731	785	726, 727	720, 721
289	RS	111	785	निजी	टांड़ 2	1.80	1.80	0.5625	फुचू मझीयाईन पिता स्व. धनन्जय मांझी, विपती मझीयाईन पति स्व. धनन्जय मांझी अंश समान	725	789, 787, 786	784 रास्ता	718, 719, 716
290	RS	111	785	निजी	टांड़ 2			0.14063	शिवलाल मरांडी पिता स्व. बुधन मरांडी वो सुकरमनी देवी पति स्व. बुधन मरांडी अंश समान	725	789, 787, 786	784 रास्ता	718, 719, 716
291	RS	111	785	निजी	टांड़ 2			0.14063	मुकेश मरांडी वो आकाश मरांडी पिता स्व. शुकू मांझी, बहामुनी मझीयाईन पति स्व.शुकू मांझी 1 अंश	725	789, 787, 786	784 रास्ता	718, 719, 716
292	RS	111	785	निजी	टांड़ 2			0.28125	रवि मांझी वो कमल मांझी पिता स्व. लेड़ा मांझी अंश समान	725	789, 787, 786	784 रास्ता	718, 719, 716
293	RS	111	785	निजी	टांड़ 2			0.5625	नारान मांझी पिता स्व. सागर मांझी 1 अंश, सुरेन्द्र मांझी वो आकाश मांझी पिता स्व. मंगल मांझी वो बहामुनी मझीयाईन पति स्व. मंगल मांझी 1 अंश समान	725	789, 787, 786	784 रास्ता	718, 719, 716, 789
294	RS	111	785	निजी	टांड़ 2			0.1125	रूपू मझीयाईन पिता स्व. खारू मांझी	725	789, 787	784 रास्ता	718, 719
295	RS	112	556	निजी	कनाली	0.10	0.10	0.10	सत्यनारायण सोरेन पिता स्व.बाबूलाल मांझी	557	555, 563	558, 561	550, 552
296	RS	112	572	निजी	कनाली	0.43	0.43	0.43	सत्यनारायण सोरेन पिता स्व.बाबूलाल मांझी	565, 580	571, 694	694, 573	569, 571
297	RS	112	698	निजी	कनाली	0.20	0.20	0.20	सत्यनारायण सोरेन पिता स्व.बाबूलाल मांझी	571, 696	699, 700	696, 697	रास्ता
298	RS	118	708	निजी	नई परती	0.26	0.26	0.26	दिपांकर चक्रवर्ती पिता स्व. अमिताभ चक्रवर्ती, अमिता चक्रवर्ती पति स्व.अमिताभ चक्रवर्ती अंश समान	711	794	709	798, 707
299	RS	123	716	निजी	टांड़ 1	0.48	0.48	0.48	अनिल सोरेन पिता स्व. सुखलाल मांझी, फूलमनी मझीयाईन पति स्व.सुखलाल मांझी अंश समान	717, 718	785, 789	785	714, 715
300	RS	129	659	निजी	बाईद	0.02	0.02	0.00363	लखीराम हेम्ब्रम वो बानेश्वर हेम्ब्रम वो रविनाथ हेम्ब्रम वो हेमलाल हेम्ब्रम पिता स्व. सोना हेम्ब्रम, प्रथमी हेम्ब्रम पति स्व. सोना हेम्ब्रम अंश समान	664	673	658	660
301	RS	129	659	निजी	बाईद			0.00396	छोटा बड़का मांझी पिता स्व. शामू मांझी 1 अंश, डाबु मांझी पिता स्व. भतड़ मांझी 1 अंश	664	673	658	660
302	RS	129	659	निजी	बाईद			0.002	बुधेश्वर मांझी पिता स्व. गुण्डा मांझी 18 अंश, लखीराम मांझी पिता स्व. सोनाराम मांझी, सुकनी मझीयाईन पति स्व.सोनाराम मांझी 18 अंश, मुकू मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	664	673	658	660
303	RS	129	659	निजी	बाईद			0.00220	मोलहा मांझी पिता स्व.शम्भू मांझी, 36 अंश, धोबी मंझीयाईन पिता स्व.मदन मांझी 4 अंश	664	673	658	660
304	RS	129	659	निजी	बाईद			0.00198	बड़का मांझी पिता स्व. मुगिया मांझी	664	673	658	660
305	RS	129	659	निजी	बाईद			0.00198	बलदेव मांझी पिता स्व. विनोद मांझी	664	673	658	660
306	RS	129	659	निजी	बाईद			0.00148	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो शिशु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंष समान	664	673	658	660
307	RS	129	659	निजी	बाईद			0.00275	शिवलाल मांझी 32 अंश वो भीरू मंझीयाईन पिता स्व. बाबूराम मांझी 18 अंश	664	673	658	660
308	RS	129	660	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.00363	लखीराम हेम्ब्रम वो बानेश्वर हेम्ब्रम वो रविनाथ हेम्ब्रम वो हेमलाल हेम्ब्रम पिता स्व. सोना हेम्ब्रम, प्रथमी हेम्ब्रम पति स्व. सोना हेम्ब्रम अंश समान	664	673	659	661
309	RS	129	660	निजी	कनाली			0.00396	छोटा बड़का मांझी पिता स्व. शामू मांझी 1 अंश, डाबु मांझी पिता स्व. भतड़ मांझी 1 अंश	664	673	659	661
310	RS	129	660	निजी	कनाली			0.0020	बुधेश्वर मांझी पिता स्व. गुण्डा मांझी 18 अंश, लखीराम मांझी पिता स्व. सोनाराम मांझी, सुकनी मझीयाईन पति स्व.सोनाराम मांझी 18 अंश, मुकू मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	664	673	659	661
311	RS	129	660	निजी	कनाली			0.00220	मोलहा मांझी पिता स्व. शम्भू मांझी, 36 अंश, धोबी मंझीयाईन पिता स्व. मदन मांझी 4 अंश	664	673	659	661
312	RS	129	660	निजी	कनाली			0.00198	बड़का मांझी पिता स्व. मुगिया मांझी	664	673	659	661
313	RS	129	660	निजी	कनाली			0.00198	बलदेव मांझी पिता स्व. विनोद मांझी	664	673	659	661
314	RS	129	660	निजी	कनाली			0.00148	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो शिशु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंश समान	664	673	659	661
315	RS	129	660	निजी	कनाली			0.00275	शिवलाल मांझी 32 अंश वो भीरू मंझीयाईन पिता स्व. बाबूराम मांझी 18 अंश	664	673	659	661
316	RS	129	661	निजी	कनाली	0.03	0.03	0.00544	लखीराम हेम्ब्रम वो बानेश्वर हेम्ब्रम वो रविनाथ हेम्ब्रम वो हेमलाल हेम्ब्रम पिता स्व. सोना हेम्ब्रम, प्रथमी हेम्ब्रम पति स्व. सोना हेम्ब्रम अंश समान	663, 664	673	660	662, 663
317	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00593	छोटा बड़का मांझी पिता स्व. शामू मांझी 1 अंश, डाबु मांझी पिता स्व. भतड़ मांझी 1 अंश	663, 664	673	660	662, 663
318	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00300	बुधेश्वर मांझी पिता स्व. गुण्डा मांझी 18 अंश, लखीराम मांझी पिता स्व. सोनाराम मांझी, सुकनी मझीयाईन पति स्व.सोनाराम मांझी 18 अंश, मुकू मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	663, 664	673	660	662, 663
319	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00329	मोलहा मांझी पिता स्व. शम्भू मांझी, 36 अंष, धोबी मंझीयाईन पिता स्व. मदन मांझी 4 अंश	663, 664	673	660	662, 663
320	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00297	बड़का मांझी पिता स्व. मुगिया मांझी	663, 664	673	660	662, 663
321	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00297	बलदेव मांझी पिता स्व. विनोद मांझी	663, 664	673	660	662, 663
322	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00223	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो शिशु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंश समान	663, 664	673	660	662, 663
323	RS	129	661	निजी	कनाली			0.00412	शिवलाल मांझी 32 अंश वो भीरू मंझीयाईन पिता स्व. बाबूराम मांझी 18 अंश	663, 664	673	660	662, 663
324	RS	129	662	निजी	कनाली	0.10	0.10	0.01813	लखीराम हेम्ब्रम वो बानेश्वर हेम्ब्रम वो रविनाथ हेम्ब्रम वो हेमलाल हेम्ब्रम पिता स्व. सोना हेम्ब्रम, प्रथमी हेम्ब्रम पति स्व. सोना हेम्ब्रम अंश समान	663	672, 673	661	671, 667
325	RS	129	662	निजी	कनाली			0.01978	छोटा बड़का मांझी पिता स्व. शामू मांझी 1 अंश, डाबु मांझी पिता स्व. भतड़ मांझी 1 अंश	663	672, 673	661	671, 667
326	RS	129	662	निजी	कनाली			0.0102	बुधेश्वर मांझी पिता स्व. गुण्डा मांझी 18 अंश, लखीराम मांझी पिता स्व. सोनाराम मांझी, सुकनी मझीयाईन पति स्व.सोनाराम मांझी 18 अंश, मुकू मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	663	672, 673	661	671, 667
327	RS	129	662	निजी	कनाली			0.01099	मोलहा मांझी पिता स्व. शम्भू मांझी, 36 अंश, धोबी मंझीयाईन पिता स्व. मदन मांझी 4 अंश	663	672, 673	661	671, 667
328	RS	129	662	निजी	कनाली			0.00989	बड़का मांझी पिता स्व. मुगिया मांझी	663	672, 673	661	671, 667
329	RS	129	662	निजी	कनाली			0.00989	बलदेव मांझी पिता स्व. विनोद मांझी	663	672, 673	661	671, 667
330	RS	129	662	निजी	कनाली			0.00742	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो शिशु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंश समान	663	672, 673	661	671, 667
331	RS	129	662	निजी	कनाली			0.01374	शिवलाल मांझी 32 अंष वो भीरू मंझीयाईन पिता स्व. बाबूराम मांझी 18 अंश	663	672, 673	661	671, 667
332	RS	129	663	निजी	कनाली	0.12	0.12	0.02176	लखीराम हेम्ब्रम वो बानेश्वर हेम्ब्रम वो रविनाथ हेम्ब्रम वो हेमलाल हेम्ब्रम पिता स्व. सोना हेम्ब्रम, प्रथमी हेम्ब्रम पति स्व. सोना हेम्ब्रम अंश समान	666, 664	661, 662	661	667
333	RS	129	663	निजी	कनाली			0.02374	छोटा बड़का मांझी पिता स्व. शामू मांझी 1 अंश, डाबु मांझी पिता स्व. भतड़ मांझी 1 अंश	666, 664	661, 662	661	667
334	RS	129	663	निजी	कनाली			0.0122	बुधेश्वर मांझी पिता स्व. गुण्डा मांझी 18 अंश, लखीराम मांझी पिता स्व. सोनाराम मांझी, सुकनी मझीयाईन पति स्व. सोनाराम मांझी 18 अंश, मुकू मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	666, 664	661, 662	661	667
335	RS	129	663	निजी	कनाली			0.01319	मोलहा मांझी पिता स्व. शम्भू मांझी, 36 अंष, धोबी मंझीयाईन पिता स्व. मदन मांझी 4 अंश	666, 664	661, 662	661	667
336	RS	129	663	निजी	कनाली			0.01187	बड़का मांझी पिता स्व. मुगिया मांझी	666, 664	661, 662	661	667
337	RS	129	663	निजी	कनाली			0.01187	बलदेव मांझी पिता स्व. विनोद मांझी	666, 664	661, 662	661	667
338	RS	129	663	निजी	कनाली			0.00890	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो शिशु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंश समान	666, 664	661, 662	661	667
339	RS	129	663	निजी	कनाली			0.01648	शिवलाल मांझी 32 अंष वो भीरू मंझीयाईन पिता स्व. बाबूराम मांझी 18 अंश	666, 664	661, 662	661	667
340	RS	129	671	निजी	कनाली	0.05	0.05	0.00907	लखीराम हेम्ब्रम वो बानेश्वर हेम्ब्रम वो रविनाथ हेम्ब्रम वो हेमलाल हेम्ब्रम पिता स्व. सोना हेम्ब्रम, प्रथमी हेम्ब्रम पति स्व. सोना हेम्ब्रम अंश समान	662, 667	677, 672	662	670, 667
341	RS	129	671	निजी	कनाली			0.00989	छोटा बड़का मांझी पिता स्व. शामू मांझी 1 अंश, डाबु मांझी पिता स्व. भतड़ मांझी 1 अंश	662, 667	677, 672	662	670, 667
342	RS	129	671	निजी	कनाली			0.0051	बुधेश्वर मांझी पिता स्व. गुण्डा मांझी 18 अंश, लखीराम मांझी पिता स्व. सोनाराम मांझी, सुकनी मझीयाईन पति स्व.सोनाराम मांझी 18 अंश, मुकू मझीयाईन पति स्व. शुकू मांझी 1 अंश	662, 667	677, 672	662	670, 667
343	RS	129	671	निजी	कनाली			0.00549	मोलहा मांझी पिता स्व. शम्भू मांझी, 36 अंष, धोबी मंझीयाईन पिता स्व. मदन मांझी 4 अंश	662, 667	677, 672	662	670, 667
344	RS	129	671	निजी	कनाली			0.00495	बड़का मांझी पिता स्व. मुगिया मांझी	662, 667	677, 672	662	670, 667
345	RS	129	671	निजी	कनाली			0.00495	बलदेव मांझी पिता स्व. विनोद मांझी	662, 667	677, 672	662	670, 667
346	RS	129	671	निजी	कनाली			0.00371	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो षिषु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंश समान	662, 667	677, 672	662	670, 667
347	RS	129	671	निजी	कनाली			0.00687	शिवलाल मांझी 32 अंश वो भीरू मंझीयाईन पिता स्व. बाबूराम मांझी 18 अंश	662, 667	677, 672	662	670, 667

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जॉच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किये गए है, जिसका संक्षित विवरण निम्नवत है :– (लागू नहीं है)

कुल प्रभावित परिवारों की संख्या–484 पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र–आसनबनी, मौजा संख्या–192, अंचल–बलियापुर, धनबाद में क्षेत्रफल 41.11 एकड़ यानि 16.64 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन(R&R)योजना के सार नीचे दिए गए है

क्रं.	पुनर्व्यवस्थापन हकदारी के तत्व	हकदारी/उपबंध
1.	वार्षिकी या नियोजन का विकल्प	दो एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवज में प्रभावित कुटुम्ब के एक सदस्य का SAIL में नियोजन। **या** प्रति प्रभावित कुटुम्ब पांच लाख रूपये का एक बारगी संदाय। **या** प्रति प्रभावित कुटुंब वार्षिकी के रूप में 2,000 रूपये प्रतिमाह की दर से बीस वर्षों तक संदाय
2.	एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता	प्रत्येक प्रभावित कुटुम्ब को पचास हजार रूपये का एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जायेगा।

परियोजना हेतु स्वीकृत R&R योजना के तहत् पुनर्व्यवस्थापन हकदारियों की गणना कर पुनर्व्यवस्थापन की हकदारियों का चयन किया जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, धनबाद

PR 341884 Law(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा

शुद्धि–पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के अति–अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना स0–RDD/SD/JAMTRA/11/2024-25, PR-336113 Rural Department (24-25)#D , **ग्रुप नं0–06 (जामताड़ा जिला के प्रखण्ड नाला अन्तर्गत सिंदुरकुनिया और साकजोड़ीया के बीच छोटा नदी पर पुल निर्माण कार्य)** को अपरिहार्य कारणवश उक्त निविदा को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
जामताड़ा

PR 341816 Rural Development(24-25)#D

कार्यलय, चास नगर निगम
चास (बोकारो)

पत्रांक– 2900 — दिनांक– 11.12.2024

CORRIGENDUM

चास नगर निगम द्वारा प्रकाशित निविदा सूचना सं0 UDD/CMC/08/2024-25 UDD/CMC/09/2024-25 एवं पीआर संख्या– 341628 को अपरिहार्य कारणो से निम्न प्रकार संसोधित किया जाता है:–

		पूर्व में प्रकाशित	संसोधित
1	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	10/12/2024	13/12/2024
2	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	17/12/2024 up to 02:00 PM	20/12/2024 up to 02:00 PM
3	बिड खोलने की तिथि एवं समय	18/12/2024 at 03:00 P M	21/12/2024 at 03:00 P M

PR 341811 Urban Development and Housing(24-25)#D

अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला सामान्य शाखा)

-: सूचना :-

गिरिडीह जिलांतर्गत चौकीदार संवर्ग नियुक्ति हेतु विज्ञापन संख्या–01/2023, ज्ञापांक–1816/सा0, दिनांक–20.09.2023 द्वारा प्रकाशित किया गया है। उक्त के आलोक में लिखित परीक्षा आयोजित की गई। लिखित परीक्षा का परीक्षाफल 2090/सा0, दिनांक–14.09.2024 के द्वारा प्रकाशित किया गया। माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड, राँची के द्वारा–W.P (S) No-960/2016 में पारित आदेश एवं विभागीय निदेश ज्ञापांक–4998/दिनांक–19.09.2019 के आलोक में एवजी चौकीदारों को कार्यानुभव का लाभ देते हुए निम्न प्रकार पुरक परीक्षाफल प्रकाशित किया जाता है–

सफल अभ्यर्थियों (एवजी चौकीदारों) का रौल नं0–

क्रमांक	रौल नं0
1	0401064
2	0800132
3	1100534

उक्त सभी अभ्यर्थियों को शारीरिक जाँच एवं दौड़ हेतु दिनांक–16.12.2024 को गिरिडीह स्टेडियम गिरिडीह (मुफ्फसिल थाना के बगल) में सुबह 9:00 से 10:00 बजे तक उपस्थित होने हेतु तिथि एवं समय निर्धारित किया जाता है।

अनुमण्डल पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 341887 Giridih (24-25)_D

उपायुक्त,
गिरिडीह

Government of Jharkhand

Urban Development & Housing Department

Chas Municipal Corporation, Chas

Very Short Notice Inviting Tender

Reference No. - UDD/CMC/10/2024-25

Group No.	Name of work	Tender Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period
01	**Shifting and Laying of Rising main D.I. Pipe in the alignment of Dharamshala More towards Banshidih pump house (Near Hanuman Mandir) Under Chas Municipal Corporation for the year 2024-25.**	631376.00	13000.00	5000.00	15 DAYS
A	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	12/12/2024			
B	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	19/12/2024 up to 02:00 PM			
C	बिड खोलने की तिथि एवं समय	20/12/2024 at 03:00 PM			
D	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी	Additional Municipal Commissioner Chas Municipal Corporation, Chas.			
E	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी का टेलीफोन नं0/ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का सं0 प	6206457301			

NOTE :

- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in
- e-Procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, राँची का आदेश ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड राँची का पत्रांक 05/विविध (e-Tender) –12/2023/न0वि– 4847 (अनु॰) दिनांक 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

प्रशासक
–सह– अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम

PR 341814 Urban Development and Housing (24-25)_D

राज्यकर्मी का दर्जा नहीं मिला 8 हजार शिक्षकों को

पटना (एजेंसी): सक्षमता परीक्षा पास लगभग ८००० शिक्षक अब तक राज्यकर्मी नहीं बन पाए हैं. डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन सहित कई तरह की समस्याएं उनके सामने आ रही है. नाम और आधार वेरिफिकेशन में समस्या के चलते उन्हें डाउटफुल बताया जा रहा है.

ये शिक्षक पटना, भोजपुर, अरवल, सारण, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय सहित २२ जिलों में कार्यरत हैं. आधार, नाम, जन्मतिथि, पिता का नाम, मोबाइल नंबर जिला स्तर पर विभागीय लापरवाही के कारण अपडेट नहीं हुआ है. शिक्षा विभाग ने १०,००० से अधिक शिक्षकों की गलतियों को अपडेट करने के लिए २९ अक्टूबर को ही जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया था पर केवल २,००० शिक्षकों का मोबाइल नंबर, नाम, आधार संख्या ही अपडेट हुआ है. शिक्षकों के रिकॉर्ड के अपडेशन के ज्यादातर मामले जिला प्रोग्राम अफसर (डीपीओ) और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के यहां फंसे हुए हैं. ७३ हजार शिक्षकों को अभी नियुक्ति पत्र नहीं मिला है.

इस पर शिक्षक नेता अमित विक्रम ने सवाल खड़े किए हैं. शिक्षक नेता अमित विक्रम का कहना है, सक्षमता परीक्षा पास ४,००० से अधिक शिक्षकों को काउंसलिंग में विभिन्न कारणों से डाउटफुल बताकर उनकी जॉइनिंग रोकी गई.

किसी के नाम की स्पेलिंग में मिस्टेक तो पिता के नाम की स्पेलिंग में मिस्टेक जैसे छोटी-छोटी वजहों से शिक्षकों को डाउटफुल बताकर परेशान किया जा रहा है.

अमित विक्रम ने कहा, विभिन्न जिलों के शिक्षा पदाधिकारी इन छोटी-छोटी समस्याओं को अपने स्तर से दूर नहीं कर रहे हैं. दूसरी ओर, शिक्षा विभाग का स्पष्ट आदेश है ऐसी समस्याओं को अपने स्तर से दूर करके सुधार किया जाए. प्रधान शिक्षक की भी काउंसलिंग में वही स्थिति देखने को मिल रहा है. डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में नाम के स्पेलिंग मिस्टेक को डाउटफुल बताकर रोका जा रहा है. आधार कार्ड का ओटीपी नहीं आ पा रहा है, इसलिए रोका जा रहा है.

उन्होंने कहा, भागलपुर जिले में कैरक्टर सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है. अलग-अलग कारणों से डाउटफुल बताया जा रहा है, जिसका एकमात्र कारण जिला स्तर पर शिक्षकों का दोहन और शोषण करना है. जो निचले स्तर के कर्मचारी हैं, वह पैसे की उगाही करना चाहते हैं.

7 करोड़ के ड्रग्स के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसी): पुलिस ने एनबीसी के साथ संयुक्त अभियान चलाकर पांच तस्करों को धर दबोचा. पुलिस ने छतौनी थाना क्षेत्र से लगभग दो केजी हेरोइन भी बरामद किये. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग ७ करोड़ रुपये बताई जा रही है. पुलिस रामगढ़वा से ब्राउन शुगर बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायन भी बरामद किये. गिरफ्तार तस्करों के नाम रंजीत यादव, रूपेश यादव और सर्वेश यादव हैं. एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पुलिस को इन तस्करों के बारे में सूचना मिली थी. जिसे पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की.पुलिस ने छतौनी से दो और रामगढ़वा से तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया. एसपी ने बताया कि कुल पांच ड्रग्स तस्करों गिरफ्तार किया गया है.

प्रपत्र VII
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू-अर्जन निदेशालय) या समाहर्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा (अधिनियम –30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या–1695 — **दिनांक : 10.12.2024**

असाधारण अंक सं0–26 — **दिनांक : 11.12.2024**

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा टासरा ओपन कास्ट परियोजना (SAIL) हेतु ग्राम–आसनबनी,थाना संख्या–192 अंचल– बलियापुर में कुल–41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश –41.11 एकड़ यानि –16.64 हेक्टेयर है और जो मौजा–आसनबनी, थाना संख्या–192, अंचल–बलियापुर जिला, धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है

क्र0	RS	खाता नं0	प्लाट नं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	प्लाट का रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	उ0	द0	पु0	प0
74	RS	22	729	निजी	बाईद			0.01	चक्रधर महतो पिता स्व.किशन महतो	730	728	784 रास्ता	725
75	RS	22	729	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.01	विरेन्द्र महतो वो राजेन्द्र महतो वो धनन्जय महतो वो पूर्णिमा देवी पिता स्व. बिष्णु महतो, मालती देवी पति बिष्णु महतो अंश समान	730	728	784 रास्ता	725
76	RS	22	729	निजी	बाईद			0.01	षषि महतो पिता स्व.रवि महतो	730	728	784 रास्ता	725
77	RS	22	730	निजी	बाईद	0.05	0.05	0.025	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व.हराधन महतो अंश समान	732	729	784 रास्ता	731
78	RS	22	730	निजी	बाईद			0.025	हरीपद महतो पिता स्व.जोगिन्दर महतो	732	729	784 रास्ता	731
79	RS	26	685	निजी	बहाल	0.10	0.10	0.10	विष्णु मांझी पिता स्व.सुबोध मांझी 1 अंश, कविता कुमारी हेम्ब्रम वो संजू कुमारी पिता स्व. बंकीम हेम्ब्रम 1 अंश समान	679	684	679, 684	686, 688, 689
80	RS	27	703	निजी	बहाल	1.05	1.05	1.05	खकू मांझी वो मंजाराम मांझी माता स्व.चामी मझीयाईन अंश समान	695, 692	711, 712	715	702, 704
81	RS	28	681	निजी	कनाली	0.31	0.31	0.31	खकू मांझी वो मंजाराम मांझी माता स्व.चामी मझीयाईन अंश समान	680	715	719, 720	682
82	RS	28	683	निजी	बहाल	0.02	0.02	0.02	खकू मांझी वो मंजाराम मांझी माता स्व.चामी मझीयाईन अंश समान	682	682	682	684
83	RS	28	684	निजी	बहाल	0.13	0.13	0.13	खकू मांझी वो मंजाराम मांझी माता स्व.चामी मझीयाईन अंश समान	679, 685	689, 690	682, 683	688, 689
84	RS	28	691	निजी	बहाल	0.06	0.06	0.06	खकू मांझी वो मंजाराम मांझी माता स्व.चामी मझीयाईन अंश समान	690	703	682	692, 703
85	RS	28	692	निजी	बहाल	0.04	0.04	0.04	खकू मांझी वो मंजाराम मांझी माता स्व.चामी मझीयाईन अंश समान	693	703	690, 691	695
86	RS	30	307	निजी	कनाली	0.15	0.15	0.15	कालीचरण महतो वो कोकिल महतो पिता स्व. जगतू महतो अंश समान	305, 306	312	337	308, 311
87	RS	31	321	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.02	कालीचरण महतो वो कोकिल महतो पिता स्व. जगतू महतो अंश समान	320	543	322	318
88	RS	31	574	निजी	कनाली	0.08	0.08	0.08	कालीचरण महतो वो कोकिल महतो पिता स्व. जगतू महतो अंश समान	575	573	679	576
89	RS	35	731	निजी	बाईद			0.1525	विभीषन महली वो युद्धिष्ठिर महली पिता स्व. सुखदेव महली 1 अंश, कबीर कुमार महली पिता स्व. मदन महली 1 अंश, जितेन्द्र महली वो राजेन्द्र महली पिता स्व. हरि महली 1 अंश समान	652, 648	725	730, 732	673, 657
90	RS	35	731	निजी	बाईद	0.61	0.61	0.1525	नेहरू महली वो ननकू महली पिता स्व. बाबूराम महली 2 अंश समान, दिलीप महली वो शिवल महली वो मुन्ना महली पिता स्व. आषाढ़ महली, वो झुमरी देवी पति स्व. आषाढ़ महली अंश समान	652, 648	725	730, 732	673, 657
91	RS	35	731	निजी	बाईद			0.1525	आनंद महली पिता स्व. गोपाल महली	652, 648	725	730, 732	673, 657
92	RS	35	731	निजी	बाईद			0.1525	अमृत महली वो सोनाराम महली पिता स्व. दुर्गा महली 1 अंश समान, लखन महली वो श्यामलाल महली पिता स्व. हपना महली 2 अंश समान,	652, 648	725	730, 732	673, 657
93	RS	39	315	निजी	कनाली	0.14	0.14	0.14	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो शिषु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व.ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंष समान	313	316	314, 319	रास्ता
94	RS	39	687	निजी	कनाली	0.09	0.09	0.09	अर्जुन हेम्ब्रम वो सरस्वती कुमारी वो षिषु कुमारी वो शकुन्तला कुमारी पिता स्व.ज्योतिलाल हेम्ब्रम, सुखानी देवी पति स्व. ज्योतिलाल हेम्ब्रम अंष समान	694, 686	688, 694	685	694
95	RS	40	569	निजी	कनाली			0.0475	डादू मांझी पिता स्व.चंदन मांझी	568, 567	570, 571	572, 571	रास्ता
96	RS	40	569	निजी	कनाली	0.19	0.19	0.0475	चुनकू मांझी पिता स्व.सीताराम मांझी	568, 567	570, 571	572, 571	रास्ता
97	RS	40	569	निजी	कनाली			0.0475	सोहागी मझीयाईन वो बोदू मझीयाईन पिता स्व.मनसू मांझी अंष समान	568, 567	570, 571	572, 571	रास्ता
98	RS	40	569	निजी	कनाली			0.0475	सुखलाल मांझी पिता स्व.छोटू मांझी 3 अंश, सुकूरमनी मझीयाईन पति स्व. भादू मांझी 1 अंश	568, 567	570, 571	572, 571	रास्ता
99	RS	40	680	निजी	बहाल			0.1125	डादू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी	676	681, 682	675, 724	679
100	RS	40	680	निजी	बहाल			0.1125	चुनकू मांझी पिता स्व.सीताराम मांझी	676	681, 682	675, 724	679
101	RS	40	680	निजी	बहाल	0.45	0.45	0.1125	सोहागी मझीयाईन वो बोदू मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी अंष समान	676	681, 682	675, 724	679
102	RS	40	680	निजी	बहाल			0.1125	सुखलाल मांझी पिता स्व.छोटू मांझी 3 अंश, सुकूरमनी मझीयाईन पति स्व. भादू मांझी 1 अंश	676	681, 682	675, 724	679
103	RS	40	711	निजी	बाईद			0.16	डादू मांझी पिता स्व.चंदन मांझी	703	798, 708,	703, 712,	704, 705,
104	RS	40	711	निजी	बाईद	0.64	0.64	0.16	चुनकू मांझी पिता स्व.सीताराम मांझी	703	798, 708	703, 712	704, 705
105	RS	40	711	निजी	बाईद			0.16	सोहागी मझीयाईन वो बोदू मझीयाईन पिता स्व.मनसू मांझी	703	798, 708	703, 712	704, 705
106	RS	40	711	निजी	बाईद			0.16	सुखलाल मांझी पिता स्व.छोटू मांझी 3 अंश, सुकूरमनी मझीयाईन पति स्व. भादू मांझी 1 अंश	703	798, 708	703, 712	704, 705
107	RS	41	682	निजी	बहाल	0.33	0.33	0.165	विजय मांझी माता स्व.तुलसी मझीयाईन, पति स्व.जीतू मांझी	679, 680	703	681	683, 684,
108	RS	41	682	निजी	बहाल			0.165	कार्तिक सोरेन पिता स्व.कृष्णा सोरेन 1 अंश, वो रामकृपाल मांझी वो रविन्द्र मांझी पिता स्व.कालीपद मांझी 2 अंश समान	679, 680	703	681	683, 684
109	RS	41	690	निजी	बहाल	0.07	0.07	0.035	विजय मांझी माता स्व.तुलसी मझीयाईन, पति स्व.जीतू मांझी	689, 684	691	682	692, 693
110	RS	41	690	निजी	बहाल			0.035	कार्तिक सोरेन पिता स्व.कृष्णा सोरेन 1 अंश, वो रामकृपाल मांझी वो रविन्द्र मांझी पिता स्व.कालीपद मांझी 2 अंश समान	689, 684	691	682	692, 693
111	RS	41	693	निजी	बहाल	0.04	0.04	0.02	विजय मांझी माता स्व.तुलसी मझीयाईन, पति स्व.जीतू मांझी	694, 689	692	690	695
112	RS	41	693	निजी	बहाल			0.02	कार्तिक सोरेन पिता स्व.कृष्णा सोरेन 1 अंश, वो रामकृपाल मांझी वो रविन्द्र मांझी पिता स्व.कालीपद मांझी 2 अंश समान	694, 689	692	690	695
113	RS	43	706/798	निजी	टांड 2	0.41	0.41	0.1025	राजू ठाकुर वो राजेश ठाकुर वो वीणा कुमारी वो गायत्री देवी वो रेखा देवी वो मीना ठाकुर पिता स्व.दयानंद नापित अंश समान	711	707	708	706 रास्ता
114	RS	43	706/798	निजी	टांड 2			0.3075	रामानंद ठाकुर वो नंदकिशोर ठाकुर वो नारायण ठाकुर पिता स्व. रामशरण ठाकुर अंश समान	711	707	708	706 रास्ता
115	RS	50	308	निजी	कनाली			0.04	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व.देवदास महतो अंश समान	305	311	307	309
116	RS	50	308	निजी	कनाली			0.005	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व. हराधन महतो अंश समान	305	311	307	309
117	RS	50	308	निजी	कनाली			0.005	हरीपद महतो पिता स्व.जोगिन्दर महतो	305	311	307	309
118	RS	50	308	निजी	कनाली	0.08	0.08	0.002	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व. नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व. नेपाल महतो अंश समान	305	311	307	309
119	RS	50	308	निजी	कनाली			0.008	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोड़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, बिलाती देवी पति मोड़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	305	311	307	309
120	RS	50	308	निजी	कनाली			0.020	रंजीत महतो पिता स्व. कैलाश महतो	305	311	307	309
121	RS	50	311	निजी	कनाली			0.05	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व. देवदास महतो अंश समान	308	312	307, 312	309, 310
122	RS	50	311	निजी	कनाली	0.10	0.10	0.00625	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व. हराधन महतो अंश समान	308	312	307, 312	309, 310
123	RS	50	311	निजी	कनाली			0.00625	हरीपद महतो पिता स्व. जोगिन्दर महतो	308	312	307, 312	309, 310
124	RS	50	311	निजी	कनाली			0.0025	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व. नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व. नेपाल महतो अंश समान	308	312	307, 312	309, 310
125	RS	50	311	निजी	कनाली			0.01	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोड़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, बिलाती देवी पति मोड़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	308	312	307, 312	309, 310
126	RS	50	311	निजी	कनाली			0.025	रंजीत महतो पिता स्व. कैलाश महतो	308	312	307, 312	309, 310
127	RS	50	312	निजी	कनाली			0.25	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व. देवदास महतो अंश समान	307	314, 325	326, 337	311, 313
128	RS	50	312	निजी	कनाली			0.03125	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व. हराधन महतो अंश समान	307	314, 325	326, 337	311, 313
129	RS	50	312	निजी	कनाली			0.03125	हरीपद महतो पिता स्व.जोगिन्दर महतो	307	314, 325	326, 337	311, 313
130	RS	50	312	निजी	कनाली	0.50	0.50	0.0125	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व. नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व. नेपाल महतो अंश समान	307	314, 325	326, 337	311, 313
131	RS	50	312	निजी	कनाली			0.05	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोड़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, बिलाती देवी पति मोड़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	307	314, 325	326, 337	311, 313
132	RS	50	312	निजी	कनाली			0.125	रंजीत महतो पिता स्व. कैलाश महतो	307	314, 325	326, 337	311, 313
133	RS	56	713	निजी	टांड 2	0.07	0.07	0.07	चिरूमामिला वेंकटेश्वरलू पिता नरसिम्हा राव चिरूमामिला	712	793, 792	714	711
134	RS	56	720	निजी	पुरानी परती			0.021	रक्षाकर चटट्रोपाध्याय वो दिवाकर चटट्रोपाध्याय पिता स्व.अनिरुध चटट्रोपाध्याय	721	719	725	681
135	RS	56	720	निजी	पुरानी परती			0.063	शुभांकर चटट्रोपाध्याय पिता स्व. सुधीरथ चटट्रोपाध्याय, गौरीशंकर चटट्रोपाध्याय पिता स्व.नोनीगोपाल चटट्रोपाध्याय, शिवशंकर चटट्रोपाध्याय पिता स्व.संकीर्तन चटट्रोपाध्याय अंश समान	721	719	725	681
136	RS	56	720	निजी	पुरानी परती	0.21	0.21	0.0168	अरूण चटट्रोपाध्याय वो अमूल्य चटट्रोपाध्याय पिता स्व.मनोरथ चटट्रोपाध्याय अंश समान	721	719	725	681
137	RS	56	720	निजी	पुरानी परती			0.0084	नेहारी देवी पति स्व.दशरथ चटट्रोपाध्याय	721	719	725	681
138	RS	56	720	निजी	पुरानी परती			0.0168	पतित पावन चटट्रोपाध्याय वो बाघाम्बर चटट्रोपाध्याय पिता स्व. शक्तिपद चटट्रोपाध्याय अंश समान	721	719	725	681
139	RS	56	720	निजी	पुरानी परती			0.084	बरून चटट्रोपाध्याय पिता गुरुदास चटट्रोपाध्याय	721	719	725	681
140	RS	56	793	निजी	टांड 2	0.66	0.66	0.66	चिरूमामिला वेंकटेश्वरलू पिता नरसिम्हा राव चिरूमामिला	713	794	792	710
141	RS	56	788	निजी	टांड	1.45	1.45	1.45	चिरूमामिला वेंकटेश्वरलू पिता नरसिम्हा राव चिरूमामिला	785	788, 790	787, 788 रास्ता	790, 791
142	RS	56	794	निजी	बहाल	0.94	0.94	0.94	कोथापल्ली जयंत पिता श्री श्रीनिवास राव	707, 789	795, 796	790, 788	रास्ता
143	RS	58	314	निजी	कनाली	0.12	0.12	0.12	बबलू प्रसाद महतो पिता स्व.फागू महतो	312	319	325	313, 315
144	RS	64	696	निजी	बहाल	0.13	0.13	0.13	नकूल महतो वो अनिल महतो पिता स्व.बहादूर महतो अंश समान	694, 571	698, 697	694	571, 698
145	RS	64	726	निजी	बाईद	0.12	0.12	0.12	नकूल महतो वो अनिल महतो पिता स्व.बहादूर महतो अंश समान	727, 728	725	784, रास्ता	727
146	RS	65	673	निजी	कनाली	0.42	0.42	0.42	नकूल महतो वो अनिल महतो पिता स्व.बहादूर महतो अंश समान	657, 658	674, 675	725, 731	672, 675
147	RS	67	323	निजी	कनाली			0.01	बांकू मांझी पिता स्व.मोहन मांझी	324	543	541	319, 320
148	RS	67	323	निजी	कनाली	0.03	0.03	0.005	देवनाथ मांझी वो दीपक मांझी वो अनिल मांझी पिता स्व.महेन्द्र मांझी, बहामुनी देवी पति स्व. महेन्द्र मांझी 1 अंश समान,	324	543	541	319, 320
149	RS	67	323	निजी	कनाली			0.005	शिवनाथ मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. गोपाल मांझी 1 अंश समान	324	543	541	319, 320
150	RS	67	323	निजी	कनाली			0.0025	राजेश मांझी वो सुत्तेन मांझी वो विकास मांझी पिता स्व.विनोद मांझी, जानकी देवी पति स्व. विनोद मांझी 4 अंश समान, वंकेश मांझी वो परमिला देवी पिता स्व.परेश मांझी, सुरधनी मझीयाईन पति स्व. परेश मांझी 1 अंश	324	543	541	319, 320
151	RS	67	323	निजी	कनाली			0.0075	मोखो मझीयाईन पति स्व.करण मांझी 1 अंश, प्रकाश मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी, लखी मझीयाईन पति स्व.सीताराम मांझी 1 अंश समान, पंचानन मांझी पिता स्व.भृगू मांझी 1 अंश	324	543	541	319, 320

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किये गए है, जिसका संक्षित विवरण निम्नवत है :– (लागू नहीं है)

कुल प्रभावित परिवारों की संख्या–484 पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र–आसनबनी, मौजा संख्या–192, अंचल–बलियापुर, धनबाद में क्षेत्रफल 41.11 एकड़ यानि 16.64 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन(R&R)योजना के सार नीचे दिए गए है

क्रं.	पुनर्व्यवस्थापन हकदारी के तत्व	हकदारी/उपबंध
1.	वार्षिकी या नियोजन का विकल्प	दो एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवज में प्रभावित कुटुम्ब के एक सदस्य का SAIL में नियोजन। या प्रति प्रभावित कुटुम्ब पांच लाख रूपये का एक बारगी संदाय। या प्रति प्रभावित कुटुंब वार्षिकी के रूप में 2,000 रूपये प्रतिमाह की दर से बीस वर्षों तक संदाय
2.	एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता	प्रत्येक प्रभावित कुटुम्ब को पचास हजार रूपये का एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जायेगा।

परियोजना हेतु स्वीकृत R&R योजना के तहत् पुनर्व्यवस्थापन हकदारियों की गणना कर पुनर्व्यवस्थापन की हकदारियों का चयन किया जा सकता है।

PR.NO.341873 Land Reforms(24-25):D

ह0/– उपायुक्त, धनबाद

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले कांग्रेस नेता राहुल गांधी

हाथरस (ईएमएस): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी गुरुवार को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के दौरे पर पहुंचे। यहां राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से गांव बुलगढ़ी में मुलाकात की। राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद वह हाथरस से निकल गए। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार ने राहुल गांधी से एसडीएम की शिकायत की है।

शिकायत के बाद राहुल गांधी ने एसडीएम को तलब किया, लेकिन एसडीएम नहीं आए। इसके बाद एसडीएम को फोन मिलाकर बात कराई गई। इसके बाद राहुल पीड़ित परिवार से मिलकर हाथरस से निकल गए। इस दौरान राहुल गांधी ने मीडिया से कोई बात नहीं की। जिस समय पीड़ित परिवार से राहुल गांधी मिले, उस दौरान किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाथरस दौरे पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हमला बोला था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोगों को भड़काना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाथरस में कोतवाली चंदपा इलाके के गांव बुलगढ़ी में २०२० में एक युवती की हत्या हुई थी। बहुचर्चित बिटिया कांड के तीन आरोपियों को कोर्ट बरी कर चुका है। अब अचानक राहुल गांधी के आने की सूचना के बाद अफसर गांव पहुंचे।

पटना पुस्तक मेला में कार्यक्रमों की भरमार, साहित्य प्रेमियों का भी जमावड़ा

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में लगे सीआरडी पटना पुस्तक मेले के स्टॉल्स पर पुस्तक प्रेमियों की भीड़ जुट रही है. दिनभर कार्यक्रमों की भरमार है तो साहित्य प्रेमी से लेकर स्कूली बच्चों के विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचने से पुस्तक मेला गुलजार हो रहा है. पाठकों को खुशी है कि विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉल्स पर हर वर्ग के लिए पुस्तकें हैं तो प्रकाशक पाठकों के उत्साह देखकर प्रसन्न हैं. बुधवार को 'जानो जंक्शन एपिक शो' में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन किए. फाइनल में पहुंचे शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक के छात्र-छात्राओं ने कई गाने एकसाथ गाकर अलग अंदाज में पेश किया.शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक को पहला एवं बीडी. पब्लिक स्कूल को दूसरा स्थान दिया गया. वाणी प्रकाशन ग्रुप से प्रकाशित लेखक संतोष सिंह के कविता-संग्रह 'करवट' पर प्रेरक परिचर्चा का आयोजन किया गया. इस दौरान संतोष सिंह ने 'करवट' से कविताओं का पाठ किया.

कार्यक्रम ने साहित्य और समाज के बदलते स्वरूप पर विचार-विमर्श का मंच प्रदान किया. साहित्यकार अरुण कमल ने कहा कि कविता हमेशा खबर बनी रहती है. साहित्यकार प्रेम कुमार मणि ने कहा कि संतोष का संग्रह कविता की परंपरा आगे बढ़ाता है. पुस्तक मेला के पाटलिपुत्र मंच पर अपूर्व के पहले उपन्यास 'इनसेनिटी इज द गिफ्ट' पर चर्चा में मॉडरेटर उमंग ने लेखक अपूर्व और कवि अंचित से संवाद किया. उमंग ने बताया कि यह उपन्यास पटना के एनआईटी घाट के पास रोज मस्ती करने वाले चार दोस्तों की कहानी है. यूनिसेफ के सौजन्य से होने वाले सत्र 'बच्चे जैसे कथा कहानी' में विमलेन्दु ने कहानी सुनाई.

उन्होंने अपने अंदाज में डमरू बजाकर बच्चों का मन मोह लिया और फिर उन्हें 'इमली के पेड़' की कहानी सुनाई. यह भी सिखाया कि पर्यावरण की रक्षा हमारा दायित्व है. इसके बाद बच्चों ने अपनी कहानी लिखी और उन सभी को प्रमाण पत्र दिया गया. इसके अलावा 'मटरगश्ती' कार्यक्रम में सैयद साहेब अली, फूड ब्लॉगर आमितेश सिन्हा और अनुकूल तिवारी ने भाग लिया. आमितेश सिन्हा ने कहा कि मैंने भोजन खोजने के लिए लगभग दस देशों की यात्रा की है. नेचर और ब्रांड बिहार पर काम करने पर ब्लॉगर सोहेब अली ने बताया कि बिहार का नेचर बहुत सुंदर हैं. हमारे यहां इको टूरिज्म की बहुत ही संभावनाएं हैं.

बीसीसीएल BCCL भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अंग)

सूचना

गुड्स, वर्क्स तथा सर्विसेज के प्रोक्यरमेण्ट के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा जारी सभी निविदायें* बीसीसीएल के वेबसाईट www.bcclweb.in, कोल इण्डिया लिमिटेड (सीआईएल) ई-प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in तथा सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रोक्योरमेण्ट GeM पोर्टल https://gem.gov.in द्वारा भी की जायेगी।

* सीआईएल के ई-प्राक्योरमेण्ट पोर्टल के द्वारा जारी सभी ओपन (डोमेस्टिक/ग्लोबल) निविदाओं पर यह लागू है।

सीएम के आदेश पर श्रमिकों का वेतन रोकने और जालसाजी कर कैमरून भेजनेवालों पर प्राथमिकी दर्ज

रांची (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद कैमरून में फंसे झारखंडी श्रमिकों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. मुख्यमंत्री ने कैमरून (मध्य अफ्रीका) में फंसे झारखंड के ४७ प्रवासी श्रमिकों को वेतन भुगतान ना किये जाने के संदर्भ में प्राप्त शिकायत पर श्रमायुक्त को निर्देश दिया है कि वे नियोजकों और मिडिलमैन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई करें.

नियोजकों और मिडिलमैन के विरुद्ध हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह में प्राथमिकी

इस आदेश के बाद श्रमायुक्त ने नियोजकों और मिडिलमैन के विरुद्ध हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह में प्राथमिकी दर्ज करा दी है. प्राथमिकी में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि नियोजकों और मिडिलमैन द्वारा अन्तर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक (नियोजन का विनियमन और सेवा शर्त) अधिनियम, १९७९ के अन्तर्गत बिना प्रवासी मजदूर के रूप में निबंधन कराये एवं बगैर लाइसेंस प्राप्त किये घोखे और जालसाजी से श्रमिकों को मध्य अफ्रीका स्थित कैमरून भेजा गया है,यह गैरकानूनी है.

श्रमिकों का तीन माह का वेतन

लंबित है और वे भारत वापसी की मांग कर रहे हैं

मुख्यमंत्री को पिछले दिनों जानकारी मिली कि कैमरून में कार्यरत झारखंड के श्रमिकों की शिकायत आयी है वे मेसर्स ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड, कैमरून, सेंट्रल अफ्रीका में कार्यरत हैं. इन श्रमिकों का तीन माह का वेतन लंबित है और वे भारत वापसी की मांग कर रहे हैं. मामले की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया.

वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद श्रमायुक्त के दिशा निर्देश में राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क किया। कंपनी ने बताया कि श्रमिकों को १०० (डॉलर) प्रति माह का भुगतान किया गया है और बची हुई बकाया राशि उनके भारतीय खातों में ट्रांसफर की जायेगी.

श्रमिकों ने इस भुगतान की पुष्टि की है. श्रमायुक्त के निर्देश पर राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने कंपनी को अनुबंध की प्रति, वेतन भुगतान की जानकारी और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है.

श्रम विभाग ने पीओई रांची और अन्य संबंधित विभागों को पत्र भेजा है और आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है. खबर है कि कंपनी से कंट्रोल रूम ने पुनः संपर्क कर मामले के शीघ्र निपटारे का आश्वासन दिया है, जिसके तहत उप-कॉन्ट्रैक्टर से बातचीत कर श्रमिकों का बकाया वेतन भुगतान का समाधान किया जायेगा। बकाया राशि उनके भारतीय खातों में ट्रांसफर की जायेगी.

भारत सरकार के उद्धायोग और विदेश मंत्रालय ने सूचित किया है कि मेसर्स ट्रांसरेल श्रमिकों के साथ बातचीत कर रही है और इन फंसे हुए श्रमिकों की सुरक्षित वापसी, उनके लंबित भुगतान और दस्तावेजों का समाधान करेगी. कण्ट्रोल रूम की टीम लगातार ईमेल और फोन के माध्यम से अधिकारियों और श्रमिकों से संपर्क कर सुरक्षित वापसी के प्रयासों में लगी है. यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि ठेकेदार वेतन भुगतान करने में असफल होंगे तो उनके साथ समझौता रद्द किया जायेगा.

हेमंत सरकार की कथनी और करनी में आसमान जमीन का अंतर : बाबूलाल

रांची (एजेंसी) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने छठे विधानसभा के प्रथम सत्र के समापन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधा. कहा कि राज्य सरकार की कथनी और करनी में आसमान जमीन का अंतर है. इनकी घोषणा चुनाव के दौरान कुछ और थी जबकि अब सत्ता पाने के बाद कुछ और हो गई. वोट पाने केलिए बढ़ चढ़कर वादे किए लेकिन अब व्यवहार में कुछ और हो रहा है. १८ से ५० वर्ष की सभी महिलाओं को महिला योजना का लाभ देने की बात करने वाली सरकार अब वादों से मुकर रही है. अब तो महिलाओं से पैसे वापस लेने केलिए पदाधिकारी पत्र जारी कर रहे हैं. सत्ता के बाद नीति में इतना बड़ा यू टर्न राज्य की जनता ने पहले कभी नहीं देखा.

मंईयां योजना की तरह राज्य सरकार ने किसानों को भी धोखा दिया

मरांडी ने कहा कि मंईयां योजना की तरह राज्य सरकार ने किसानों को भी धोखा दिया है. राज्य सरकार ने चुनाव पूर्व घोषणा किया था कि किसानों से धान की खरीदी ३२०० रुपए प्रति क्विंटल होगी जबकि सरकार ने मात्र २४०० रुपए प्रति क्विंटल खरीद का निर्णय लिया है. वह भी १५ दिसंबर के बाद. पता नहीं यह भी लागू होगा या नहीं. बालू की क्लिृत पर कहा कि यह पिछले टर्म से ही होता चला आ रहा. सरकार जानबुझकर ऐसा करवा रही है. प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास के लिए मुफ्त बालू उपलब्ध कराए जाने का राज्य सरकार से आग्रह किया. सीजीएल परीक्षा में हुई धांधली की जांच सीबीआइ से कराए जाने की मांग को फिर से दोहराते हुए युवाओं को न्याय दिलाने की बात कही.

जैसी वृत्ति, वैसे शब्द

आज सदन में हेमलाल मुर्मू द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान पर मरांडी ने कहा कि जिसकी जैसी वृति होती है उसके शब्द भी वैसे ही होते हैं. इतने वरिष्ठ सदस्य से इस प्रकार की भाषा की उम्मीद नहीं थी. हेमलाल के शब्दों में उनके सोच का प्रकटीकरण हुआ है.

राज्य में किसी को भी भूखे मरने नहीं दिया जाएगाः हेमलाल मुर्मू

रांची (एजेंसी) : विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलते हुए झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण सभी विभागों के सर्वांगीण विकास का दर्पण है. शिक्षक नियुक्ति के साथ स्थानीय भाषा को बढ़ावा देने की बात कही गई है. विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनको नजर नहीं वे नजरों की बात करते हैं. ये लोग अभिनय में भी कम नहीं है. इन लोगों ने गायब स्थान को रणक्षेत्र बनाया. वहां बड़े-बड़े नेता आए. आदिवासी और अल्पसंख्यक के बीच लड़ाई कराने गए. दावा ठोंका ६५ पार, पर यहां की जनता को समझ नहीं पाए. खजूर में भी नहीं बबूल पर लटक गए और २१ पर आ गए. अब जनता इनको सत्ता पक्ष की ओर बैठने का मौका नहीं देगी. चुनाव के बीच गोगो दीदी योजना लेकर आए. ठगने के लिए फॉर्म भी भरवाया. पूरी पोटली बांधकर गुवाहाटी चला गया.

जनता की नजर में रिडेक्शन माल हो गया

हेमलाल मुर्मू ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कि ये लोग जनता की नजर में रिडेक्शन माल हो गये. कमल फूल मुरझा गया और पंखुड़ी उड़ गई. चंपाई सोरेन को कौन सा भूत लगा, जो उधर भाग गए. हमको अनुभव है कि उधर क्या है. भाजपा आदिवासियों को समझ नहीं पाती है. आदिवासियों ने इन्हें नकार दिया है. यही गठबंधन की सरकार राज्य को आगे बढ़ा सकती है. आने वाले चुनाव में इन लोगों का नामोनिशान मिट जाएगा. बाबूलाल और चंपाई सोरेन को कहा कि आप अपने गाल बजाना बंद कीजिए. ये सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए काम करेगी.

न पक्ष न विपक्ष सब मेरे लिए सदस्य हैः स्पीकर

रांची (एजेंसी) विधानसभा सत्र के अंतिम दिन सदन की कार्यवाही समाप्त होने से पहले स्पीकर रवींद्र महतो ने कहा कि इस सत्र में सभी नव निर्वाचित माननीय सदस्यों का शपथ ग्रहण सपन्न हुआ. मै समझता हूं कि यह गौरव का क्षण होता है और जनता के प्रति उत्तरदायी होने का एहसास कराता है. यहां पर सभी सदस्य अलग-अलग दलों से, अलग-अलग विचारधाराओं से अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि पूर्व कार्यकाल के भांति मेरे सभी सदस्य एक परिवार जैसा लगे आत्मीक भाव हो. हमेशा मेरे जीवन में अविस्मरणीय हो. न पक्ष, न विपक्ष सब मेरे लिए सदस्य हैं. सदन में राज्यपाल का अभिभाषण हुआ . अभिभाषण के माध्यम से नवगठित सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया. इसके साथ ही राज्य के चहुमुंखी विकास के लिए अपनी नीतियों और दिशा तय करने का प्रयास किया. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में

सरकार ने विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और पोषण आदि पर जोर दिया है. राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में सरकार का वित्तीय प्रबंधन,, रोजगार, संरचनाओं की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया है.

स्पीकर ने कहा कि इस सत्र में वर्तमान वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया गया. इस पर सदस्यों ने सार्थक रचनात्मक चर्चा की. कई सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए. कुछ सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को रेखांकित किया. राज्य के चहुमुंखी विकास के ये सुझाव निःसदेह महत्वपूर्ण है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार से उम्मीद करता हूं कि वे राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए वांछित सुझावों का आकलन कर अपनी सीमा के तहत आने वाले समय में बजट में समाहित करेंगे. राज्य के कल्याण के लिए, यहां की साढ़े तीन करोड़ की जनता के अपेक्षाओं और आंकाक्षाओं को पूरा करने के लिए, राज्य को एक उच्च स्थान पर ले जाने के लिए, पक्ष और विपक्ष दोनों की भावनाएं एक जैसी है. आने वाले समय में यह भावना हमारे बीच कायम रहे, मैं यह कामना करता हूं. आने वाले दिनों में क्रिसमस, नया साल, मकर संक्रांति, सो-हराय, बसंत पंचमी हम मनायेंगे. इन त्योहारों का उल्लास, हर्ष, मिठास झारखण्ड के जनजीवन में सदैव बना रहे.

अंकगणित में भाजपा पीछे रही पर वोट में आगे : बाबूलाल

रांची (एजेंसी) : विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन सदन में भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा अंकगणित में पीछे रही पर वोट में आगे रही. भाजपा के ३७.३७ फीसदी वोट मिले, जबकि कांग्रेस को १५.५६ फीसदी ही वोट मिले. सत्ता पक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिन मुख्यमंत्रियों का नाम ले रहे हैं, उनका खौफ आज भी सत्ता पक्ष में दिखाई दे रहा है. उन्होंने चाईबासा के गुदरी का जिक्र करते हुए कहा कि आज लोग वहां जाने से कतरा रहे हैं. सेंदरा कर लोगों को मारा जा रहा है. कानून को जनता हाथ में ले रही है, पुलिस कोई काम की नहीं है. वहां जाकर देखना चाहिए.

डेमोग्राफी का बदलना चिंता की बात

बाबूलाल ने कहा कि डेमोग्राफी का बदलना चिंता की बात है. संताल परगना सबसे ज्यादा प्रभावित है. झारखंड में एनआरसी करा दें तो पता चल जाएगा कि कौन कहां से आया है. उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में बहाली की चर्चा की गई है, लेकिन सीजीएल रिजल्ट का विरोध हो रहा है. इसकी सीबीआई से जांच कराएं, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. झारखंड की बुनियाद को बर्बाद किया जा रहा है. धान खरीद और मंईयां योजना की चर्चा हो रही है. लेकिन रांची डीसी ने सभी बीडीओ को पत्र जारी कर कहा है कि अयोग्य की पहचान कर पैसा वसूली की जाए. इससे पूरे राज्य की महिलाएं संशकित हैं. सरकार बालू की नीलामी नहीं कर पा रही है. उन्होंने कहा कि बालू घाटों की नीलामी नहीं होने तक गृह निर्माण के लिए बालू फ्री किया जाए. बालू घाट लूटा जा रहा है. अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास के लिए बालू नहीं मिल रहा है.

हाईकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को बड़ी राहत, प्राथमिकी निस्स्त करने का आदेश

रांची (एजेंसी) : झारखंड हाईकोर्ट से गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे को बड़ी राहत मिली है. पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान गचच् का झंडा हटाकर भाजपा का झंडा लगाने से जुड़ी प्राथमिकी को हाईकोर्ट ने रद्द करने का आदेश दिया है. इस संबंध में बुढ़इ थाना में मामला दर्ज है. जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में हुई. निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी जालूका ने बहस की.

जनभावनाओं के अनुरूप सरकार काम करने के लिए संकल्पितः नमन

रांची (एजेंसी) : कांग्रेस विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि सरकार जनभानाओं व जन आकांक्षाओं के अनुरूप काम करने के लिए संकल्पित है. सरकार ने युवाओएं को रोजगार के अवसर देने की घोषणा की है. महिलाओं के सशक्तिकरण की बात कही है. उन्होंने झालको को पुर्नजीवित करने पर जोर दिया. राजद विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है.

नागपुरी काव्य संग्रह पलाश कर फूल का लोकार्पण

रांची (एजेंसी) : रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में प्रो. केदार नाथ दास का लिखित नागपुरी काव्य संग्रह पलाश कर फूल का लोकार्पण सह कृति चर्चा का आयोजन गुरुवार को किया गया. विषय प्रवेश प्राध्यापक डॉ उमेश नन्द तिवारी ने कराया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ रीझू नायक और संचालन डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो ने किया. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ सविता केशरी ने कहा कि भाषा साहित्य समाज का आईना होता है. लेखक साहित्य को नई दिशा देने का काम किया है. नागपुरी भाषा में पुस्तकों की कमी रहती थी. इस भाषा को कोई महत्व नहीं दिया जाता था. नागपुरी को गंवारी भाषा कहा जाता था. आज पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन होने लगा है. आकाशवाणी-दूरदर्शन में स्थान दिया जाने लगा. लेखकों और विद्वानों ने नागपुरी भाषा को ऊचाई पर पहुंचा दिया है. उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ रिजवान अली ने कहा कि नागपुरी एक संपर्क भाषा है. यह सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है. कविता संग्रह 'पलाश कर फूल' की रचना कर नागपुरी समाज को एक तोहफा देने का काम किया गया है. लेखक अपने जीवन के अनुभव, संघर्ष एवं सुख दुख को एक जगह समेटने का कार्य किया है.

मेजर डॉ महेश्वर सारंगी ने कृति चर्चा करते हुए कहा कि नागपुरी में गीत लिखने की परंपरा रहती थी. यह नागपुरी समाज के लिए अच्छा संकेत है. कवि ने समाज में जो देखा, सुना और भोगा है. उसी को कलमबद्ध किया है. यह कविता साहित्य समाज को प्रभावित करती है. रचनाकार लेखक प्रो केदार नाथ दास ने कहा कि कविता संग्रह में अपने जीवन की अनुभवों को समाज के सामने साहित्य के रुप में रखने का प्रयास किया है. किसी व्यक्ति अथवा समाज को खत्म करना है तो उसकी भाषा संस्कृति को खत्म कर दें. वह स्वतः खत्म हो जायेगा.

कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भाषा में साहित्य रचने व गढ़ने की आवश्यकता है. तभी हम और हमारा अस्तित्व बच पायेगा.विभाग के छात्र अशोक कुमार ने 'पहचान' शीर्षक कविता प्रस्तुत किया. मौके पर प्राध्यापक बन्धु भगत, मनय मुण्डा, डॉ गीता कुमारी सिंह, डॉ कुमारी शशि, डॉ अर्चना कुमारी, महामनी कुमारी, डॉ अनुपमा मिश्रा, डॉ दिनेश कुमार, डॉ सरस्वती गागराई, डॉ बन्दे खलखो, अनुराधा मुण्डु, डॉ करम सिंह मुण्डा, ऊषा व आकाश मौजूद थे.

आंदोलनकारी परिवारों को भी मिले पांच फीसदी आरक्षणः जयराम

रांची (एजेंसी) : जेएलकेएम विधायक जयराम महतो ने कहा कि शहीदों का सम्मान होना चाहिए. आंदोलनकारी परिवारों को पांच फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए. उद्योगों को दी गई खाली जमीन को वापस लिया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि एक लाख ३६ हजार करोड़ बकाया मिलना चाहिए. लेकिन राज्य के सभी बैंकों में जो पांच लाख ५५ हजार १७ हजार करोड़ रुपए दो दूसरे राज्यों को दिए गए हैं. उसे अपने राज्य में लाकर समस्याओं का समाधान करना चाहिए. झारखंड की सीडी रेशियो ३६ फीसदी है, जबकि आंध्रप्रदेश का ११० और तामिलनाडू का ११५ फीसदी है.

यह अपनों की सरकार हैः कल्पना सोरेन

रांची (एजेंसी) : झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि यह अपनों की सरकार है. अबुआ सरकार झारखंड को समर्पित है. अभिभाषण में इच्छाशक्ति है, जो खुशहाली देने वाली है. एक-एक शब्द को धरातल पर उतारेंगे.

जनादेश महागठबंधन को मिला है. क्रांतिकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा. केंद्र की योजनाओं में राज्य के गरीब-गुरबों की चिंता नहीं है. किसानों का ऋण माफ किया गया है. झारखंड में झामुमो की अपनी पहचान रही है. ये राज्य झामुमो की उपज है. यह जनादेश आदिवासी-मूलवासियों ने दिया.

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड राज्य है आंदोलन---

राज्य को दलदल में धकेलने का ऐसा प्रयास किया कि दोबारा उबर नहीं सके. किसान आत्महत्या को मजबूर हो गए. भूख से लोग मरे. लोग हाथ में राशन कार्ड लेकर भागते रहे. विपक्ष ने ये स्थिति बना दिया था. २०१९ में गठबंधन की सरकार बनी. इसके बाद भी सत्ता से बेदखल करने के कई हथकंडे अपनाए गए. आज दोबारा सरकार को इस मुकाम में पहुंचाने में जनता की भूमिका है.

मोदी कैबिनेट ने दी बिल---

की सेवा करता है। इससे जीडीपी भी बढ़ेगी इस मुद्दे पर समिति की अध्यक्षता करने वाले कोविंद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को आम सहमति बनानी होगी। यह मुद्दा किसी पार्टी के हित में नहीं बल्कि पूरे देश के हित में है। यह एक बड़ा बदलाव लाएगा, यह मेरी राय नहीं बल्कि अर्थशास्त्रियों की राय है, जो मानते हैं कि इसके लागू होने के बाद देश की जीडीपी में १ से लेकर १.५ प्रतिशत की वृद्धि होगी। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट में इन सिफारिशों को रेखांकित किया गया था। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस निर्णय की प्रशंसा करते हुए इसे भारत के लोकतंत्र को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के---

समेत सात नक्सलियों के शव मौके से बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि मौके से भारी मात्रा में हथियार और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद की गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी सुरक्षित बताए जा रहे हैं और इलाके में अभी भी तलाशी अभियान जारी है। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री साय ने कहा, नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के दक्षिण अबूझमाड़ इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में ७ नक्सली मारे गए। यह निश्चित रूप से सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता है। मैं ऑपरेशन में शामिल सभी सुरक्षा बलों की बहादुरी को सलाम करता हूं और बधाई देता हूं। नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार---

४०,००० रुपये से अधिक नहीं है। इस कानून के मुताबिक स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार की प्रक्रिया के दौरान संबंधित संस्थान की स्थापना के कारण विस्थापितों, संबंधित जिले के स्थानीय उम्मीदवारों और समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व पर ध्यान दिया जाएगा।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट---

केवी विश्वनाथन की स्पेशल बेंच ने गुरुवार को कहा कि जब तक हम इस मामले पर सुनवाई कर रहे हैं, तब तक देश में धार्मिक स्थलों को लेकर कोई नया मामला दाखिल नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार हलफनामा दाखिल करे। एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि जिन जगहों को लेकर केस फाइल किया गया हैं, वहां सर्वे रोका जाए। सीजेआई ने कहा- मथुरा और काशी दो मामलों की मुझे जानकारी है और कितने मामले हैं? वरिष्ठ वकील ने कहा- १० ऐसी जगहें हैं। पहले ५ दिसंबर को ही यह सुनवाई होनी थी। उस दिन सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच सुनवाई से पहले ही उठ गई थी। याचिका दायर करने वालों में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय समेत कई अन्य शामिल हैं। हिंदू पक्ष की तरफ से लगाई गई याचिकाओं में तर्क दिया गया है कि यह कानून हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख समुदाय के खिलाफ है। इस कानून के चलते वे अपने ही पूजा स्थलों और तीर्थ स्थलों को अपने अधिकार में नहीं ले पाते है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने इन याचिकाओं के खिलाफ याचिका दायर की है। जमीयत का तर्क है कि एक्ट के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करने से पूरे देश में मस्जिदों के खिलाफ मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और ज्ञानवापी मस्जिद का रखरखाव करने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद मैनेजमेंट कमेटी ने भी इन याचिकाओं को खारिज करने की मांग की है।

18 से फिर से शुरू होगा झारखंड पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, डीजीपी ने दिया आदेश

रांची (एजेंसी) १८ दिसंबर से फिर से शुरू होगा झारखंड पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम. इसे लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने जिले के एसपी, एसएसपी को आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है, कि आम नागरिकों की शिकायत का त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए सभी जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इस संबंध में दुबारा पूर्व में आयोजित स्थान पर १८ दिसंबर को सभी जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इससे पहले डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत १० सितंबर से हुई थी.

१८ मुद्दों पर पुलिस आम लोगों की सुनेगी समस्या और करेगी समाधान

- क्षेत्र से गुमशुदा बच्चों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना और मामला दर्ज करना.
- क्षेत्र में संचालित विभिन्न संस्थाओं में महिलाओं और छात्रों के सुरक्षा के संबंध में जानकारी को प्राप्त करना.
- आम जनता को विक्टिम

कंपनसेशन स्कीम के बारे में बताना.
- नये आपराधिक कानून और जीरो एफआईआर के बारे में जानकारी देना.
- आम जनता को डायल ११२ के बारे में बताना. - आम जनता को साइबर ठगी होने पर १९३० पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने के बारे में बताना.
- कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए घटनाओं की जांच पूर्ण करने और ऐसे संभावित घटनाओं की जानकारी प्राप्त करना.
- क्षेत्र में होने वाले अपराध, अपराधियों की सूचना, साइबर अपराध की घटना और अवैध रूप से नागरिकों से डिपोजिट प्राप्त करने वाली संस्था चिट-फंड की जानकारी प्राप्त करना.
- क्षेत्र में सामाजिक मुद्दों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना, जिससे भविष्य में विधि व्यवस्था प्रभावित हो सकती है.
- पुलिस थाना और संबंधित कर्मी होमगार्ड व चौकीदार का नागरिकों के साथ व्यवहार और शिकायतों पर उनके रिस्पॉन्स के संबंध में जानकारी प्राप्त करना.
- नये कोई विशेष मामले जो उस समय संज्ञान में लाये जायेंगे.
- ऐसे क्षेत्र जहां मानव तस्करी की घटना घटती है, वहां पर विशेष रूप से मानव तस्करी के पीड़ित के बारे में जानकारी प्राप्त करना और मानव तस्करी में संलिप्त अपराधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना.
- ऐसे क्षेत्र जहां पर डायन प्रथा को लेकर अपराध होते हैं, वहां पर विशेष रूप से डायन से संबंधित अपराध के पीड़ित को आवश्यक सहायता देना और दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई करना.
- ऐसे क्षेत्र जहां पर अफीम की खेती होती है, वहां की जानकारी प्राप्त करेंगे.
- ऐसे क्षेत्र जहां पर ब्राउन शुगर की खपत हो रही है, उसकी जानकारी प्राप्त करना और इसमें संलिप्त व्यक्ति की जानकारी जुटाना.
- ऐसे क्षेत्र (विशेष कर शहरी क्षेत्र) जहां रात में अड्डाबाजी आदि होती है, उसे चिन्हित करने का प्रयास करेंगे और जानकारी प्राप्त करेंगे की अड्डेबाजी हो रही है तो किसके द्वारा हो रही है और उसको कैसे रोका जाये.
- डीएसपी या उसके ऊपर स्तर के पदाधिकारी विशेष रूप से उन शिकायतों पर भी ध्यान देंगे, जहां पर अनुसंधानकर्ता ने किसी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने व किसी दोषी व्यक्ति को बचाने के लिए गलत अनुसंधान किया हो. ऐसे मामलों में सुनिश्चित करेंगे कि पुनः जांच हो और बाद में न्याय हो सके.
- संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा उपाय यथा सीसीटीवी का लगाना, नागरिक सुरक्षा समिति का गठन के लिए प्रेरित करना.

आयुर्वेद के अनुसार सर्दियों में इन वजहों से खाना चाहिए तिल-गुड़

आयुर्वेद सेहतमंद रहने के लिए मौसम, शरीर की प्रकृति और उम्र के हिसाब से खान-पान का चुनाव करने पर जोर देता है। गर्मियों में शरीर को ठंडक देने वाली चीजें खानी चाहिए। वहीं, सर्दियों में उन चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए, जो शरीर को अंदर से गर्मी दे सकें। सर्दियों में तिल-गुड़ खाना आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है। इन दोनों की तासीर गर्म होती है और आयुर्वेद के अनुसार, यह सर्दियों में स्वास्थ्य को कई तरीकों से लाभ पहुंचा सकते हैं। सर्दी के समय पर बनने वाली गजक और लड्डुओं में इन दोनों चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों चीजें टेस्टी ही नहीं, बल्कि हेल्दी भी होती है। सर्दियों में तिल-गुड़ क्यों खाना चाहिए, इस बारे में हमने आयुर्वेदिक डॉक्टर से बात की।

सर्दियों में तिल-गुड़ खाने के फायदे

- तिल और गुड़ दोनों की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्माहट पहुंचाते हैं।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दियों में इन दोनों चीजों को साथ में खाने के कई फायदे हैं।
- खासकर, मकर संक्रान्ति के आस-पास तिल-गुड़ का सेवन सेहत के लिहाज से भी अच्छा है।
- इस समय पर सर्द हवाएं चलती हैं लेकिन साथ ही सूरज की किरणों में भी थोड़ी तेजी आने लगती है। इसकी वजह से शरीर में वात दोष बढ़ने लगता है और स्किन ड्राई हो जाती है।
- इसे दूर करने के लिए तिल और गुड़ खाना फायदेमंद होता है।
- तिल और गुड़ में पाए जाने वाले थर्मोजेनिक गुणों की वजह से ये शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं।
- तिल के बीज बालों की ग्रोथ और स्किन हेल्थ को सुधारते हैं।
- इनमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है।
- गुड़ में मौजूद डाइजेस्टिव एंजाइम्स, तिल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स को अब्जॉर्ब करना आसान बनाते हैं क्योंकि तिल के बीजों को अकेले पचा पाना मुश्किल होता है।
- तिल के बीजों में मैग्नीशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इनसे बीपी कंट्रोल में रहता है और दिल भी सेहतमंद रहता है।
- तिल में बीजों में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम की वजह से ये हड्डियों के लिए बहुत अच्छे होते हैं और सर्दियों में तिल-गुड़ खाने से जोड़ों में दर्द से बचा जा सकता है।
- इन दोनों से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।
- गुड़ खून की कमी को भी दूर करता है। जिन महिलाओं को एनीमिया है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।
- सर्दियों में तिल-गुड़ को डाइट में शामिल कर आप स्वाद के साथ सेहत को भी बेहतर बना सकते हैं।

डीटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

पानी शरीर में डीटॉक्स करने में बेहद कारगर है, जिससे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। दिन भर हमारे शरीर में पर्यावरण एवं भोजन आदि के माध्यम से कई तरह के टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं। मल, मूत्र एवं पसीने के जरिए इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकाला जाता है, इसे डीटॉक्सिफिकेशन कहते हैं। पसीना आने से शरीर का तापमान भी सामान्य बना रहता है। गर्मियों में अक्सर हम ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं, हम एसी में रहते हैं, ऐसे में दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। वे लोग जो कम पानी पीते हैं, उनका यूरीन सैचुरेटेट होता है और कई बार इसमें स्टोन बनने की संभावना भी हो जाती है। यूरीन को डाइल्यूट करने और साथ ही स्टूल्स (मल) को सामान्य बनाए रखने के लिए भी उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, रक्त की सामान्य संरचना को बनाए रखने के लिए भी पानी का सेवन सही मात्रा में करना जरूरी है। रक्त शरीर के सभी अंगों तक पोषक तत्व पहुंचाता है। यह शरीर की उर्जा बढ़ाता है और मैटाबोलिक रेट बढ़ाकर मानसिक थकान दूर करता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलोजी एण्ड मैटाबोलिज्म द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार 500 एमएल पानी पीने से मैटाबोलिज्म की दर 30 फीसदी तक बढ़ जाती है। कुछ शहरों में खारा पानी होता है, ऐसे स्थानों पर पानी को साफ करके पीना चाहिए। पानी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे 10 मिनट के उबालें। जहां पानी उबालना संभव न हो, वहां उपभोक्ता का जागरुक होना जरूरी है। उन्हें पानी की गुणवत्ता की जांच कर सुनिश्चित करना चाहिए वे सुरक्षित पेयजल का ही सेवन करें। इससे आप स्वस्थ, हाइड्रेटेड रहेंगे और अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकेंगे।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

पाचन में करता है मदद

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है। ऐसे में सर्दियों के दिनों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए हल्दी वाले दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। हल्दी वाला दूध सर्दी-जुकाम और संक्रामक रोगों से बचाव में असरदार होता है। लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

जी हां, आपको बता दें कि सर्दियों में अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का खूब सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे है, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की मानें तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउंड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रेशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखती है हल्दी

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबेक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

जर्मनी को 2040 तक हर साल चाहिए लाखों विदेशी वर्कर्स

भारतीयों को कैसे मिलेगी जॉब का मौका

जर्मनी में आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है, जिस वजह से काम करने वाले लोगों की संख्या भी घटती जा रही है। ऐसे में जर्मनी को अपने यहां विदेशी काम्मगारों की जरूरत है। भारत से भी लोग जर्मनी में जाकर काम कर सकते हैं और देश की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। जर्मनी में काम करने वाले लोगों की आबादी तेजी से कम हो रही है, जिस वजह से अब देश को बड़ी संख्या में प्रवासियों की जरूरत है, ताकि लेबर फोर्स को बरकरार रखा जा सके। बर्टेल्समैन स्टिफ्टंग की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रवासियों की भूमिका बहुत ज्यादा अहम है। आसान भाषा में कहें तो विदेशी लोगों के लिए अब जर्मनी में नौकरी पाना आसान हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2040 तक जर्मनी को हर साल औसतन 2,88,000 प्रवासी काम्मगारों की जरूरत होगी। इससे देश में काम करने वालों की संख्या स्थिर रहेगी। अगर जर्मनी में महिलाओं और बुजुर्गों की कामकाजी भागीदारी में इजाफा नहीं होगा, तो हर साल 3,68,000 प्रवासियों की जरूरत पड़ेगी। 2000 के दशक की शुरुआत में जर्मनी में हर साल औसतन कम प्रवासियों को एंट्री मिलती थी। लेकिन पिछले दशक में सीरिया और यूक्रेन में संघर्षों की वजह हर साल लगभग 6,00,000 प्रवासी जर्मनी आए।

लेबर मार्केट पर बढ़ता दबाव

जर्मनी की बूढ़ी होती आबादी आने वाले साल में बड़ी संख्या में रिटायर होने वाली है। इसमें बेबी बूमर (1946 से 1964 के बीच पैदा हुए लोग) जनरेशन में पैदा हुए लोग शामिल हैं। इस वजह से जर्मनी में काम करने वाली आबादी में बड़ी गिरावट होगी। अगर इस समस्या के समाधान को नहीं ढूंढा गया तो देश की आर्थिक विकास दर धीमी हो जाएगा। ऐसा होने पर जर्मनी की अर्थव्यवस्था पर भी सीधा असर दिखेगा।

बर्टेल्समैन स्टिफ्टंग में प्रवासन विशेषज्ञ सुजैन शुल्त्स ने ब्लूमबर्ग को बताया, 卐बेबी बूमर्स के रिटायर होने से आने वाले सालों में लेबर मार्केट के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा होंगी। भविष्य में श्रम की मांग को पूरा करने के लिए इमिग्रेशन जरूरी है, भले ही देश की वर्कफोर्स की भागीदारी अधिकतम हो।卐 आसान भाषा में कहें तो जर्मनी को अपने नागरिकों को काम पर रखने के अलावा अब विदेशी लोगों को भी नौकरी देनी पड़ेगी।

जर्मनी में कैसे नौकरी पाएं?

जर्मनी में हुए लेबर शॉर्टेज की वजह से भारतीयों के पास सुनहरा मौका है कि वे यूरोप के इस देश में जाकर नौकरी कर पाएं। जर्मनी में नौकरी ढूंढना का सबसे आसान तरीका ऑनलाइन जॉब पोर्टल हैं, इन पर वे नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। नौकरी ढूंढने के लिए नेटवर्किंग भी की जा सकती है। जर्मनी में कई सारी कंपनियां लोगों को नौकरी पर रखने के लिए रिक्रूटमेंट एजेंसी की मदद लेती हैं, आप इनसे संपर्क कर नौकरी पा सकते हैं।

बेहतर करियर चाहिए तो इन बातों का रखें ध्यान, कामयाबी कदम चूमेगी!

एक अच्छा करियर ऑप्शन बेहतर भविष्य की सीढ़ी की तरह होता है. अच्छे परफॉर्मेंस की रेस और बोर्ड परीक्षा में स्कोर करने के लिए एक छात्र को कितनी मेहनत करनी पड़ती है, इसका फल तभी मिलेगा जब वह सही करियर का रास्ता चुने, लेकिन इसे कैसे किया जाए, यह एक बड़ा सवाल बन जाता है. आइए आज हम आपको ऐसे जरूरी टिप्स के बारे में बता रहे हैं जो 12वीं क्लास पास करने के बाद एक बेहतर करियर विकल्प चुनने में आपकी मदद कर सकते हैं.

सोचकर रिसर्च करें

12वीं क्लास के बाद अपना करियर चुनने से पहले अपनी रूचि पर ध्यान दें. अब जब आपकी बोर्ड परीक्षा खत्म हो चुकी है, तो उस विशेष विषय के बारे में सोचें जो आपको सबसे ज्यादा पसंद हो. आप साइंस स्ट्रीम, कॉमर्स या ह्यूमैनिटीज में हो सकते हैं लेकिन एक ऐसा विषय होना चाहिए जिसे आप खुद से पढ़ते हों, उस एक विषय को ढूंढते हैं और जानकारी जुटाते हों. सबसे पहले उस विषय के बारे में सोचें और तब भविष्य में उस ऑप्शन के स्कोप पर विचार करें और रिसर्च करें.

सलाह भी जरूरी है

अगर आप किसी खास विषय में करियर बनाने का मन बना रहे हैं. उस विषय में आगे बढ़ने से पहले अपने माता-पिता, दोस्तों, आस-पड़ोस के शिक्षित लोगों और अपने टीचर से बात करें. उनकी सलाह ले सकते हैं. जो भी डाउट्स हैं उन्हें क्लियर करें और तब करियर का चुनाव करें.

कोर्स से जॉब तक के लिए मार्केट रिसर्च करें

करियर का चुनाव करने से पहले मार्केट रिसर्च अच्छा ऑप्शन है. आप जिस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें जैसे उसकी पढ़ाई कहां-कहां से हो सकती है, कहां कितनी फीस ली जा रही है, उस कोर्स के बाद क्या और कहां जॉब ऑप्शन्स हैं, फ्यूचर में इसका कितना स्कोप है आदि.

भेड़ चाल से बचें

अकसर छात्र दोस्तों या परिवार के किसी सदस्य से इन्फ्लुएंस होकर %भेड़ चाल% यानी दोस्तों के पीछे-पीछे बेहतर करियर की तलाश में निकल पढ़ते हैं. कई बार ये आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है लेकिन इससे अच्छा है कि आप खुद पर विश्ववास रखें और अपनी योग्यता, क्षमता, रूचि और ज्ञान के आधार पर सही करियर का चुनाव करें.

पसंद-नापसंद की लिस्ट बनाएं

उन चीजों की लिस्ट बनाएं जिन्हें आप पसंद और नापसंद करते हैं. उदाहरण- आपको कौन से विषय सबसे ज्यादा पसंद हैं, क्या आप आर्ट्स में रुचि रखते हैं, क्या आप साहसी हैं, क्या आप कंप्यूटर और प्रोग्रामिंग आदि में रुचि रखते हैं. अपनी पसंद और नापसंद के आधार पर अपने लिए सही करियर चुनें.

शॉर्ट-टर्म कोर्स कर सकते हैं

अगर आप किसी विषय में परफेक्ट हैं और उसी से संबंधित फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो शॉर्ट टर्म कोर्स भी अच्छा ऑप्शन है. इन दिनों कई टॉप कॉलेज छात्रों के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स में एडमिशन देते हैं. आपको सिर्फ थोड़ा सर्च करने की जरूरत है.

छोटे बच्चे सोने से पहले क्यों रोते हैं

जब बच्चे अक्सर सोने से पहले घंटों तक रोते रहते हैं, तो ऐसे में कई माता-पिता को यह पता नहीं होता है कि उनका बच्चा क्यों इतना रो रहा है और उनको क्या करना चाहिए। आप पूरे दिन अपने बच्चे की देखभाल करते-करते थक जाती हैं और ऐसे में जिस एक पल आपको सोने का मौका मिलता है आप कुछ देर के लिए नैप ले लेती हैं, लेकिन इस मामले में आपका बच्चा आपके जैसा बिलकुल नहीं है। बच्चे ने अपना सारा समय आपके गर्भ में बिताया होता है, जहां उसके लिए सब कुछ अपने आप उसके हिसाब से होता गया था। इसलिए, इस बात का ध्यान रखना हमारा फर्ज है कि बच्चे को बाहर भी एक सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिले जिसके लिए आपको अधिक प्रयास करने की जरूरत पड़ेगी।

आखिर सोने से पहले छोटे बच्चे क्यों रोते हैं?

वैसे तो बच्चे कई कारणों से रो सकते हैं, लेकिन उनमें से कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं जो उन्हें परेशान करते हैं, खासकर जब वह सोने का प्रयास करते हैं।

1. रात में नींद आने असमर्थता

कई शिशुओं को देखकर ऐसा बिलकुल नहीं लगता है कि उनके साथ कोई भी परेशानी है। हालांकि, वे हर बार रात को सोते समय रोने लगते हैं। यह आमतौर पर 3 महीने से कम उम्र के बच्चों में दिखाई देता है। रोना उनके शरीर की स्लीप साइकिल की आदत का एक रिएक्शन है क्योंकि यह शुरुआत में उनके लिए सामान्य नहीं होता है। दिल से लेकर ब्लैडर और डाइजेस्टिव सिस्टम तक कई शारीरिक अंग और प्रक्रियाएं होते हैं, जिन सभी को शरीर की नींद प्रणाली के अनुरूप होना चाहिए। जन्म के 3 महीने पूरे होने के बाद बच्चे के शरीर को धीरे-धीरे उसकी आदत होने लगती है।

2. किसी तरह की शारीरिक परेशानी होना

बच्चों के लिए रोना उनकी बात दूसरों तक पहुंचाने का एकमात्र तरीका है, यही वजह है कि वे हर बार रोने लगते हैं जब भी उन्हें कुछ बताना होता है। और कई बार, जब उन्हें परेशानी या असहजता महसूस होती है तब भी वो ऐसा कर सकते हैं। इसके अलावा यदि उनकी सोने की जगह का माहौल अनुकूल नहीं है तो वे रोने लगेंगे। साथ ही अगर बच्चे को सर्दी या गर्मी लग रही हो तब भी रोएंगे। बच्चों के दांतों का विकास रात के समय में ही ज्यादातर होता है, जिसकी वजह से उनको अधिक दर्द होता है। यही नहीं कभी-कभी डायपर में पॉटी करने या टाइट कपड़े पहनने से भी बच्चों को जलन होती है और तकलीफ के कारण वो रोना शुरू कर देते हैं।

3. जुड़ाव का प्रयास

एक और अहम कारण है जिससे बच्चा सोने के ठीक समय पर रोना शुरू कर देता है, जिसका सीधा संबंध उसके व्यवहार से अधिक होता है। अटेंशन पाने की उसकी जरूरत और सामाजिक संपर्क बनाने के कारण वह जोर-जोर से रोते हुए आपसे बात करने की कोशिश करता है। कुछ बच्चे यह जानते हैं कि सोने के समय का मतलब यह है कि वे अपनी माँ को अब नहीं देखेंगे, जिसके कारण वे रोने लगते हैं। बच्चे जो दिन भर खेलने के बाद थक जाते हैं या जिनमें बहुत अधिक एनर्जी होती है, उनको रात की शांति नहीं भाती है। किसी तरह की बीमारी या भूख भी उन्हें जगाए रखती है या सोने से पहले थोड़ी देर खेलने के लिए उसको आपकी जरूरत होती है।

रोते हुए छोटे बच्चे को शांत करने के टिप्स

जब छोटा बच्चा रोता है खासकर सोने के वक्त तब उसको शांत कराने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत उसके माता-पिता की होती है। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं जो ज्यादातर समय सभी प्रकार के बच्चों पर काम करती हैं।

1. बच्चे के अनुकूल वातावरण बनाएं

बच्चे को आसानी से सुलाने के लिए, उसके कमरे में तापमान ऑप्टिमम लेवल पर होना चाहिए। यह आपके बच्चे के पेट या उसकी पीठ के आसपास के तापमान की जांच करके बहुत अच्छी तरह से पहचाना जा सकता है। मौसम के हिसाब से उसके लिए कपड़े चुनें और उसी के अनुसार उसे पहनाएं। सर्दियों में भी उसे कंबल में लपेटने से बचे, क्योंकि ऐसा करने से उसका दम भी घुट सकता है और एसआईडीएस हो सकता है। सर्दियों के दौरान उन्हें गर्मी पहुंचाने का प्रयास करें और गर्मियों में हवा बनाए रखने के लिए हल्के पंखे का उपयोग करें।

2. बच्चे को सुलाने से पहले अच्छी तरह से स्वैडल करें

नींद में भी, आपके बच्चे को सुरक्षित महसूस कराने की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह जैसे उसे माँ द्वारा गले लगाया और पकड़ा जाता है। ऐसा महसूस कराने के लिए बच्चे को आमतौर पर एक हल्के कंबल में लपेटा जाता है। यह बच्चे के किसी भी तरह के मूवमेंट, खासकर पैरों की गति को नियंत्रण में रखने में भी मदद करता है, जो गलती से उसे नींद से जगा सकता है। हल्के मलमल के कपड़े में उसे इस तरह लपेटें कि उसकी ठुड्डी, कान और सिर खुले रहें। छोटे बच्चों के लिए बने स्लीपिंग बैग को चुनना भी एक अच्छा विकल्प है।

3. सोने के लिए सही कपड़े चुनें

बच्चे अपनी छोटी से छोटी पसंद के प्रति हद से ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। यहां तक ????कि उनमें थोड़ी सी भी गड़बड़ी होना, उनका सोना मुश्किल कर देती है। ऐसे में बच्चे के कपड़े एक अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें उचित रूप से चुनना जरूरी है। आप दिन में बच्चे को फिटिंग के कपड़े पहना सकती हैं, लेकिन रात में सोते समय उसे ढीले-ढाले कपड़े ही पहनाएं। लेकिन चुने हुए कपड़े ढीले होने के साथ इतने मोटे भी होने चाहिए कि उसे गर्माहट और कंफर्ट के साथ रखा जा सके। सिर को कवर तब तक न करें जब तक कि वह बीमार न हो क्योंकि वे इससे काफी असहज महसूस कर सकते हैं या उनकी नींद में खलल पड़ सकता है। ऐसे किसी भी कपड़े से दूर रहें जिसमें फीते या तार हों जो आपके बच्चे के मुंह में जा सके।

यह जानने के बाद कि आखिर में बच्चे रात को सोने से पहले क्यों रोते हैं, आपको इससे कैसे निपटना है, इसमें बहुत मदद मिली होगी और आपको अपने बेबी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। ज्यादातर बच्चे 4 से 6 महीने की उम्र तक रात में लंबे समय तक सोने लगते हैं और उनका रोना भी कम होने लगता है। यदि इन टिप्स के बाद भी बच्चे का रोना अनियंत्रित रूप से जारी रहता है, तो आपको उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

बारहवीं के बाद बेहतर करियर कैसे खोजें

हर साल बारहवीं के बाद करियर संवारने के सैकड़ों हजारों मौके हमारे पास आते हैं लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अक्सर हमारी काबिलियत क्या है। हम क्या और किस क्षेत्र में बेहतर कर सकते हैं। हमारे लिए कौन सा विषय अच्छा रहेगा। हम किस तरह अपनी रूचि के विषय को अपने ड्रीम करियर तक पहुंचने का जरिया बना सकते हैं।

स्कूली शिक्षा 12वीं में ही खत्म हो जाती है। ये उम्र का वो पड़ाव होता है जहां स्टूडेंट्स अपने ड्रीम करियर के सपनों की तलाश में नौजवान निकल पड़ते हैं। इसके बाद युवा कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज का रूख करते हैं। बारहवीं के बाद अगर हमें अपने करियर गोल्स को पाने के लिए एक ठोस रणनीति की आवश्यकता होती है। बिना स्ट्रेटेजी के आगे बढ़ने से करियर में समस्याएं आ सकती हैं। अब देश में नई शिक्षा नीति के हिसाब से ग्रेजुएशन और अन्य कोर्सेज चल रहे हैं। इसके अनुरूप प्रवेश और कोर्स की अवधि वगैरह भी बदली हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि कॉलेजों में एडमिशन लेते वक्त अच्छे से सोच-समझ कर फैसला लिया जाए। अब मल्टीपल एंट्री और एग्जिट है।

ग्रेजुएशन करने के दौरान अगर लगता है कि फर्स्ट ईयर के बाद ही कहीं नौकरी लग जाती है तो सर्टिफिकेट लेकर नौकरी में जा सकते हैं। बाद में कभी भी सेकंड ईयर में दाखिला लिया जा सकता है। इसी तरह सेकंड और थर्ड ईयर में भी होगा। बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के बाद हमारे लिए पूरी दुनिया में बहुत से ऑप्शन खुले होते हैं। बहुत से प्रतिष्ठित संस्थानों में ऑल इंडिया एंट्रेंस की स्कोरिंग के आधार पर एडमिशन होते हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनेक विषयों में उच्च शिक्षा के अच्छे कोर्स उपलब्ध होते हैं। इन संस्थानों में न सिर्फ अच्छा अकादमिक माहौल होता है बल्कि यहां कई तरह की कोचिंग, सेंपोटस और अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। सबसे अच्छी बात है कि इन यूनिवर्सिटीज में फीस बहुत ही कम होती है। देश के अधिकांश केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के जरिए एडमिशन हो रहे हैं।

करियर मंत्रा आप्टर स्कूल

- अपने करियर ऑब्जेक्टिव क्लियर रखें।
- अपने कोर्स सिलेक्शन पर फोकस करें।
- कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने के लिए अच्छे से रिव्यू करें।
- ग्रेजुएशन में इंटर्नशिप जरूर करें।
- फाइनल ईयर में स्पेशलाइजेशन सब्जेक्ट का सलेक्शन बहुत ध्यान से करें।
- सीनियर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से लिंक बनाए रखें।

दरअसल हमें बारहवीं के बाद तुरंत ही अगर कुछ अच्छा करियर पाना है तो हम करियर ओरिएंटेड स्टडी पर फोकस करें। ध्यान रखें कि हम डॉक्टर बनना चाहते हैं या आर्किटेक्ट, डिफेंस सर्विसेज में जाना चाहते हैं या सिविल सर्विसेज में अपना भविष्य तलाशना चाहते हैं, सभी के लिए हमें एक अच्छा से इंस्टिट्यूट और कोर्स में एडमिशन तो लेना होगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि इंजीनियरिंग, लॉ, फैशन डिजाइनिंग, आर्किटेक्चर, मैनेजमेंट, सोशल साइंसेज, मेडिकल और मैथ्स, स्टेटिक्स, एग्रीकल्चर, इकोनॉमिक्स तथा साइंस आदि विषयों में देशभर में अलग-अलग तरह के टेस्ट होते हैं। इनमें अच्छा स्कोर करने से ही हमें अपनी पसंद के किसी अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन मिल सकता है।

एक्सप्लोरेशन एंड कलेक्शन

- देशभर में यूनिवर्सिटीज में अब नई शिक्षा नीति एनईपी के तहत कोर्स चल रहे हैं।
- सब्जेक्ट्स का कॉम्बिनेशन और अपनी रुचियों को ध्यान में रखें।
- कोर्सेज के फ्यूचर को लेकर एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लें।
- स्टडीज के लिए विदेश जाना है तो वहां के इंस्टीट्यूट की जानकारियां जुटाने में सरकारी वेबसाइट्स की मदद लें। एक बात यह भी है कि बारहवीं के बाद एविएशनए हास्पिटैलिटी, रिटेल बिजनेस, सेक्रेटियल प्रैक्टिस एंड ऑफिस मैनेजमेंट, वोकेशनल एजुकेशन जैसे ऑ?शंस भी करियर के नये और अच्छे विकल्प खोलते हैं। हमारे आस-पास ही कई इंस्टिट्यूट्स होते हैं जो इस तरह के सब्जेक्ट्स में स्टडीज के ऑ?शंस देते हैं इसलिए यह कतई जरूरी नहीं कि अब आपको कुछ नया कोर्स करने के लिए अपने कस्बे या शहर से बहुत दूर जाकर ही पढ़ाई करने की जरूरत है। आसपास के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाकर आप पता करेंगे तो वहां पर भी आपकी पसंद का कोई अच्छा कोर्स आपको मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

गूगल ने ओपन-एआई का माइक्रोसॉफ्ट से सौदा तोड़ने को कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। गूगल ने अमेरिकी सरकार से ओपन-एआई तकनीक को अपने क्लाउड सर्वर पर होस्ट करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता तोड़ने को कहा है। यह बातचीत तब हुई जब अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग ने एक जांच के हिस्से के रूप में गूगल से माइक्रोसॉफ्ट की व्यावसायिक प्रथाओं के बारे में पूछा। वार्ता का विवरण चर्चा में शामिल सूत्रों ने दिया।

सैक्स के लिए नर व्हेल ने तीन महासागर किए पार, हजारों किमी यात्रा कर तोड़ा रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी। एक नर हंपबैक व्हेल ने अपने लिए सही मादायानि सैक्स की तलाश में समुद्र की अब तक की सबसे लंबी यात्रा की है। उसने 13,046 किलोमीटर की दूरी तय करके नया रिकॉर्ड बनाया। यह यात्रा प्रशांत महासागर से शुरू होकर हिंद महासागर तक फैली हुई थी, जिसमें उसने तीन महासागर पार किए। यह खुलासा एक नई स्टडी में हुआ, जो मंगलवार (10 दिसंबर, 2024) को रॉयल सोसायटी ओपन साइंस जर्नल में प्रकाशित हुई। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस यात्रा ने हंपबैक व्हेल प्रजाति के लिए दो स्थानों के बीच अब तक की सबसे लंबी ग्रेट-सर्किल दूरी दर्ज की है। ग्रेट-सर्किल दूरी पृथ्वी की गोलाकार सतह पर दो बिंदुओं के बीच की सबसे छोटी दूरी को कहते हैं। यह दूरी सीधी रेखा में न होकर पृथ्वी की वक्रता के अनुसार मापी जाती है।हर जीव के लिए एक सही साथी की तलाश और वंश बढ़ाने का सपना महत्वपूर्ण होता है। ऐसा ही सपना इस नर हंपबैक व्हेल ने देखा। उसने प्रशांत महासागर से अपनी यात्रा शुरू की और सही मादा की खोज में अटलांटिक महासागर से गुजरते हुए हिंद महासागर तक पहुंचा। वैज्ञानिक इस नर व्हेल को कई वर्षों से ट्रैक कर रहे थे। इस नर हंपबैक व्हेल ने उत्तरी प्रशांत महासागर के त्रिबुगा खाड़ी (कोलंबिया) से शुरू होकर हिंद महासागर के जंजीबार चैनल तक की यात्रा की। यह सफर लगभग 13,046 किलोमीटर लंबा था, जो इस प्रजाति के लिए अभूतपूर्व है। यह यात्रा हंपबैक व्हेल प्रजाति की अब तक की सबसे लंबी दूरी तय करने का रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी व्हेल ने इतनी बड़ी यात्रा नहीं की थी। वैज्ञानिक टेड चीसमैन के अनुसार, इस नर व्हेल का मुख्य उद्देश्य सही मादा की तलाश था। शुरुआत में यह कोलंबिया से पूर्व दिशा की ओर बढ़ा और दक्षिणी सागर पहुंचा। वहां से यह अटलांटिक महासागर में गया, जहां उसने कई मादा व्हेल को आकर्षित करने की कोशिश की। हालांकि, अटलांटिक में बात नहीं बनी। इसके बाद इस व्हेल ने हिंद महासागर की ओर अपनी यात्रा जारी रखी। इस पूरी यात्रा में यह हर सामान्य पैटर्न से अलग दिखा, क्योंकि आमतौर पर व्हेल हर साल उत्तर से दक्षिण की ओर 8,000 किलोमीटर तक की यात्रा करती हैं।

ब्रिटेन में चचेरे भाई-बहन की शादी बैन करने की मांग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक कंजर्वेटिव नेता ने संसद में चचेरे भाई-बहनों के बीच शादी पर रोक लगाने की मांग की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड होल्डन ने बुधवार को प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों से हुए बच्चों में बीमारियां और विकलांगता का खतरा बहुत बढ़ गया है। यह पब्लिक हेल्थ सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। सांसद ने ऑक्सफोर्ड जर्नल ऑफ लॉ एंड रिलीजन शोध का हवाला देते हुए कहा कि इन शादियों से होने वाले बच्चों में सामान्य बच्चों की तुलना में आनुवांशिक बीमारियां होने का खतरा दोगुना ज्यादा होता है। यह प्रथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी खतरा है। होल्डन ने कहा कि आधुनिक ब्रिटिश समाज के लिए यह प्रथा बिल्कुल भी सही नहीं है। देश के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि उनके दादा-दादी के वक्त की तुलना में अब हालात ज्यादा खराब हो चुके हैं।

अमेरिका का हाई अलर्ट: यूक्रेन पर सबसे घातक हमले करने की तैयारी में पुतिन, रूस से ओरेश्निक से खतरे में दुनिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने हाई अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध और भी खतरनाक मोड़ पर पहुंच सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस ने अपने नए और अत्याधुनिक मिसाइल ओरेशनिक का उपयोग करने की योजना बनाई है। रूस जल्द ही इस मिसाइल का उपयोग कर सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला युद्ध के परिणाम बदलने से अधिक डराने की रणनीति हो सकती है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के अनुसार, ओरेश्निक मिसाइल एक मध्यम दूरी की मिसाइल है। यह 500 किलोमीटर से 5,500 किलोमीटर तक की दूरी पर हमला करने की क्षमता रखती है। इस प्रकार की मिसाइलें पहले प्रतिबंधित थीं, लेकिन 2019 में अमेरिका और रूस के बीच हुई संधि खत्म होने के बाद इन पर लगी पाबंदी हट गई। रूस ने इस मिसाइल का पहली बार 21 नवंबर 2024 को यूक्रेन के डिनिप्रो शहर पर इस्तेमाल किया। उस हमले में देखा गया कि मिसाइल ने तेजी से जमीन से टकराते हुए जबरदस्त धमाका किया और आग का एक बड़ा गोला बन गया। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि रूस के पास इस मिसाइल की संख्या सीमित है।

रूसियों को यात्रा न करने की सलाह

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस उन देशों के सैन्य ठिकानों पर हमला करने का अधिकार रखता है, जो रूस के खिलाफ हमले की अनुमति देते हैं। पुतिन का यह बयान सीधे तौर पर पश्चिमी देशों और नाटो को चेतावनी देने के उद्देश्य से आया है। रूस ने अपने नागरिकों को अमेरिका, कनाडा, और यूरोपीय देशों की यात्रा से बचने की सलाह दी है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि इन देशों में रूसी नागरिकों को निशाना बनाया जा सकता है। जखारोवा ने यह भी कहा कि रूस और अमेरिका के संबंध अब इतने खराब हो चुके हैं कि वे पूरी तरह से टूटने की कगार पर हैं।

क्यूबा मिसाइल संकट से भी ज्यादा गंभीर हालात

विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और अमेरिका के बीच मौजूदा तनाव 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट से भी अधिक गंभीर हो चुका है। उस समय दोनों देश परमाणु युद्ध के करीब पहुंच गए थे। अब, रूस और पश्चिम के बीच बढ़ते इस तनाव ने वैश्विक शांति को खतरे में डाल दिया है।

यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों का समर्थन

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को हथियार और वित्तीय मदद दी है। यह रूस की नाराजगी का प्रमुख कारण है। दूसरी ओर, रूस ने यूक्रेन पर नए और खतरनाक हथियारों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। रूस के नए मिसाइल हमले यूक्रेन की स्थिति को और खराब कर सकते हैं। इससे नागरिकों की जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव और गहरा सकता है, जिससे वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का माहौल पैदा हो सकता है।

रूस और पश्चिम के बीच बढ़ती इस टकराव की स्थिति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंता में डाल दिया है। अगर जल्द ही इस विवाद का शांतिपूर्ण समाधान नहीं निकला, तो यह तनाव विश्व स्तर पर एक बड़े संघर्ष का रूप ले सकता है। ऐसे में, सभी देशों को मिलकर शांति बहाल करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। इस समय रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की हर गतिविधि पूरी दुनिया पर प्रभाव डाल सकती है। वैश्विक स्थिरता और मानवता की रक्षा के लिए तुरंत कार्रवाई करना जरूरी है।

साउथ कोरियाई प्रेसिडेंट बोले- मार्शल लॉ कानूनी फैसला था

लोकतंत्र बचाने के लिए संसद में सैनिक भेजे, इमरजेंसी लगाई यह विद्रोह नहीं

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून सुक योल ने गुरुवार को टीवी पर संबोधन दिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे पद से नहीं हटेंगे और महाभियोग लगाए जाने के खिलाफ अंत तक लड़ते रहेंगे। यून ने कहा कि संसद में सैनिकों को भेजना विद्रोह नहीं है। लोकतंत्र को खत्म होने से रोकने और संसद में विपक्ष की तानाशाही का मुकाबला करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ लगाने का फैसला लिया। यह पूरी तरह से कानूनी था।

यून ने कहा- चाहे मेरे खिलाफ जांच की जाए या महाभियोग लाया जाए, मैं निष्पक्ष रूप से इसका सामना करूंगा रहूंगा। मैं आखिर तक लड़ता रहूंगा। इससे पहले 7 दिसंबर को राष्ट्रपति यून ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी थी। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा था। तब उन्होंने कहा था कि ये फैसला कानूनी या राजनीतिक वजहों से नहीं बल्कि हताशा में लिया गया था।

राष्ट्रपति बोले- लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा विपक्ष यूं ने विपक्ष पर सरकार के कामकाज को रोकने का आरोप लगाया। दरअसल मार्शल लॉ मामले के बाद साउथ कोरिया में राष्ट्रपति ने 673.3 ट्रिलियन वॉन (करीब 40 लाख करोड़ रुपए) का बजट पारित करने की कोशिश की, लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने इसमें कटौती कर दी। विपक्ष के इस कदम से नाराज राष्ट्रपति ने कहा कि देश की विपक्षी पार्टी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ही बहुमत में है। संसद में 300 सीटों में से मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया को 171 सीटें मिली हुई हैं।

साउथ कोरिया में 4 दशक बाद मार्शल लॉ साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर की रात देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद उन्होंने 6 घंटों के भीतर ही अपना फैसला वापस ले लिया था। यून के इस कदम के बाद दक्षिण कोरिया में उनका काफी विरोध हो रहा है उन्हें पद से हटाए जाने की भी कोशिशें हो रही हैं। राष्ट्रपति की ही पार्टी के नेता अब उन्हें हटाने में जुट गए हैं। सत्ताधारी पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग-हुन ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र सुरक्षित रहे इसके लिए राष्ट्रपति का हटना जरूरी है।

राष्ट्रपति को हटाने के लिए फिर से प्रस्ताव लाएगा विपक्ष पिछली बार शनिवार को राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन जरूरी 200 सांसदों का इसे समर्थन नहीं मिल पाया था। इसे लेकर हान ने कहा कि पिछली बार कई सांसद राष्ट्रपति को हटाने और न हटाने को लेकर भ्रम में पड़ गए थे और उन्होंने वोटिंग नहीं की थी। अब ये भ्रम की स्थिति दूर होनी चाहिए। हान ने कहा कि इसे रोकने का एक ही तरीका ये है कि हर सांसद संसद भवन में आए और अपने विवेक के आधार पर वोट डाले। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ह्यक्रा राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए दूसरी बार महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है।

सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र, इजरायल को सुनाई खरी-खरी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ है। एक यूएन प्रवक्ता ने यह बयान दिया है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद इजरायल ने गोलान हाइट्स में एक बफर जोन पर कब्जा कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि हम सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ हैं। हम इस तरह के हमलों के भी विरोध में हैं।

दुजारिक से उन मीडिया रिपोर्ट्स के बारे में पूछा गया था जो इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के 320 सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हमले को लेकर थी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल-असद की सरकार के पतन के बाद, इजरायल ने सीरिया में अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया और गोलान हाइट्स में एक गैर-सैनिक बफर जोन पर कब्जा कर लिया। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गोलान हाइट्स को सीरिया का कब्जा वाला क्षेत्र मानता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम बफर जोन पर आईडीएफ के कब्जे के बाद हुए 1974 के सीरिया-इजरायल समझौते के उल्लंघन के बारे में बहुत स्पष्ट थे। प्रवक्ता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सीरिया के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इसका इस्तेमाल पड़ोसियों को सीरिया के क्षेत्र पर अतिक्रमण करने के लिए नहीं करना चाहिए। वहीं सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष दूत ने कहा कि सीरिया में इजरायल के सैन्य अभियान बंद होने चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में सभी संघर्षों को तत्काल रोकने की जरूरत है। गेइर पेडरसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एक बहुत ही परेशान करने वाली बात यह है कि हम सीरियाई क्षेत्र में इजरायली गतिविधियों और बमबारी को लगातार देख रहे हैं। इसे रोकने की जरूरत है।

अभिनेत्री नरगिस को बदनाम करने के मामले में 9 पत्रकारों और ब्लॉगर के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी की साइबर अपराध शाखा ने सोशल मीडिया मंच पर अभिनेत्री नरगिस को बदनाम करने के आरोप में नौ पत्रकारों और ब्लॉगर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। एफआईए ने दो नृत्यांगनाओं -मरियम अली हुसैन और निगार चौधरी- के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 500, 109 के साथ पठित इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम (पीईसीए) की धारा 11, 20, 21(डी), 24 के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईए ने जिन पत्रकारों और ब्लॉगर पर मामला दर्ज किया है उनमें सलमान कुरैशी, जवाद शाह, शिराज निसार, जुनैरा महम, आबिदा उस्मानी, माहीन सिम्तैन, बिलाल जफर, आतिफ मलिक और शकील जाहिद शामिल हैं। गजाला इद्रीस उफ़ ??नरगिस (50) ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उपरोक्त लोगों ने उनकी छवि खराब करने, उन्हें बदनाम करने तथा उनकी गरिमा को भंग करने के उद्देश्य से एक अभियान चलाया। नरगिस हाल में तब चर्चा में आई थीं जब उनके पति और पेशे से पुलिस निरीक्षक माजिद बशीर ने लाहौर स्थित अपने आवास में उन्हें कथित यातनाएं दीं थी। नर्गिस ने दावा किया कि था कि संपत्ति पति के नाम करने से इनकार करने पर उन्हें यातनाएं दी गईं।

शेख हसीना ने कहा- मोहम्मद युनूस ही छात्र आंदोलन के मास्टरमाइंड, उनकी वजह से जल रहा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनूस पर आरोप लगाया कि उन्होंने छात्र आंदोलन की साजिश रची, जिसके कारण उनका सत्ता से हटना हुआ। हसीना ने दावा किया कि यह विरोध प्रदर्शन सुनियोजित तरीके से उनकी सरकार को गिराने के लिए किया गया था। यूके अवामी लीग की एक वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा, मोहम्मद यूनूस ने खुद कहा है कि 7 जुलाई 2024 को शुरू हुआ यह आंदोलन छात्रों द्वारा स्वतः शुरू किया गया आंदोलन नहीं था। यह मेरी सरकार को गिराने के लिए सुनियोजित साजिश थी। सभी मांगें पूरी होने के बावजूद देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहे। यह एक सोची-समझी साजिश थी। शेख हसीना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को फासीवादी करार देते हुए कहा कि देश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा, आज बांग्लादेश कठिन दौर से गुजर रहा है। एक फासीवादी सरकार के तहत, बांग्लादेश के लोग अपने अधिकारों से वंचित हो गए हैं। पूरा देश जल रहा है... बांग्लादेश को आज तबाह किया जा रहा है। अपदस्थ प्रधानमंत्री ने इस्कॉन के पूर्व पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण बताते हुए उनकी तुरंत रिहाई की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि दास को कानूनी सहायता देने की अनुमति नहीं दी गई, जो देश में न्याय और कानून के खत्म हो जाने का सबूत है। उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किया और कहा कि कोई भी वकील उनकी पैरवी नहीं कर सकता। हसीना ने कहा कि यह किस तरह का न्याय है? इससे साबित होता है कि बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था नहीं बची है। हसीना ने देश में अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों पर हो रहे हमलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने सभी समुदायों की धार्मिक स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। 5 अगस्त को छात्र नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया। इस आंदोलन और हिंसक झड़पों में 600 से अधिक लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में सड़क दुर्घटना में भारतीय छात्र की मौत, चार लोग घायल

लीसेस्टरशायर, एजेंसी। बयान में कहा गया है, ''पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई तथा वाहन में सवार तीन अन्य यात्री और चालक को अस्पताल ले जाया गया। दो पुरुष यात्री गंभीर रूप से घायल हैं।'' बताया जा रहा है कि ये सभी लोग आंध्र प्रदेश से हैं। पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टरशायर में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। लीसेस्टरशायर की पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार सुबह हुआ जिसमें एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चिरंजीवी पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला, दो पुरुष और चालक घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक (27) को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है। पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''चिरंजीवी पंगुलुरी (32), माजदा-3 तमुरा में सवार होकर लीसेस्टर से मार्केट हार्बरी की ओर जा रहे थे तभी यह वाहन एक खाई में जा गिरा।

ट्रंप को पर्सन ऑफ द ईयर चुन सकती है टाइम मैग्जीन, 2016 में भी मिल चुका है सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। टाइम मैग्जीन साल 2016 में भी ट्रंप को पर्सन ऑफ द ईयर चुन चुकी है। इसके बाद 2020 में राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भी पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रतिष्ठित टाइम मैग्जीन अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पर्सन ऑफ द ईयर चुन सकती है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चयन प्रक्रिया से जुड़े लोगों हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। इस बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव बेहद ध्रुवीकृत माहौल में हुआ और पूरी दुनिया की निगाहें इस चुनाव पर लगीं थी। चुनाव से पहले कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर होने का दावा किया जा रहा था, लेकिन चुनाव के नतीजों में ट्रंप ने आसानी से कमला हैरिस को हरा दिया। टाइम मैग्जीन साल 2016 में भी ट्रंप को पर्सन ऑफ द ईयर चुन चुकी है। इसके बाद 2020 में राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भी पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया था। पिछले साल पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट को इस सम्मान से नवाजा गया था। अब इस साल ये खिताब डोनाल्ड ट्रंप को दिए जाने की चर्चा है। गौरतलब है कि गुरुवार को ट्रंप, न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज की ओपनिंग बेल भी बजाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज न्यूयॉर्क में ट्रेडिंग दिवस की शुरुआत या समापन को दर्शाने के लिए बेल बजाई जाती है। किसी भी व्यक्ति के लिए यह बड़ा सम्मान है। ट्रंप से पहले पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन, नेल्सन मंडेला और आनॉल्ड श्वार्जनेगर जैसी मशहूर हस्तियों को भी ये सम्मान मिल चुका है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने जनवरी में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी न्योता भेजा है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के न्योते को स्वीकार किया गया है या नहीं।

हिजाब नहीं पहना तो मौत की सजा

ईरान का नया कानून और खतरनाक, 2 साल पहले खिलाफत में उठी थी आवाजें

तेहरान, एजेंसी। अपने सख्त कानूनों को लेकर चर्चा में रहने वाले ईरान ने हिजाब को लेकर नए कानून बनाए हैं जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। इन कानूनों के तहत हिजाब नियमों का उल्लंघन करने पर महिलाओं को मौत की सजा तक दी जा सकती है। ईरान के नए कानून के अनुच्छेद 60 के तहत उल्लंघन करने पर महिलाओं को जुर्माना भरने, कोड़े खाने या कठोर जेल की सजा हो सकती है। वहीं एक से ज्यादा बार अपराध करने वालों को 15 साल तक की जेल या फांसी की सजा भी हो सकती है। ईरानी अधिकारियों ने देश में ड्रेस कोड का उल्लंघन करने वाली महिलाओं के लिए विवादास्पद हिजाब क्लीनिक खोलने का भी ऐलान किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी मीडिया या संगठनों में हिजाब विरोधी विचारों को

बढ़ावा देने के आरोपी लोगों को 10 साल तक की जेल की सजा मिलेगी। साथ ही 12,500 पाउंड तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। इसके अलावा कानून का उल्लंघन करने वाली महिलाओं की गिरफ्तारी को रोकने या हस्तक्षेप करने की कोशिश करने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जाएगा। ईरान की सरकार ऐसे लोगों को सीधे जेल में डाल सकती है।

ईरान के मुताबिक नए कानूनों का उद्देश्य हिजाब की संस्कृति की पवित्रता को बनाए रखना है। ईरान ने कहा है कि ढंग से कपड़े ना पहनने, नग्नता को बढ़ावा देने या चेहरे को ढ़कने का विरोध करने पर कठोर से कठोर सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान ने महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर बाल ढ़कने का कानून लागू किया है। 2022 में इन कानूनों के विरोध में देश भर में प्रदर्शन हुए थे। ईरान में 16 सितंबर, 2022 को 22 वर्षीय कुर्द महिला महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। महसा को तेहरान में तैनात मोरल पुलिस ने देश के ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इन प्रदर्शनों में कई सुरक्षाकर्मियों सहित सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

फिडे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024

गेम 13 फिर जीत के करीब जाके चूके गुकेश , आज होगी आखिरी बाजी

सिंगापुर (एजेंसी)। 2024 फिडे वर्ल्ड चैम्पियनशिप के 13 वें राउंड में भारत के डी गुकेश के पास टूर्नामेंट में आखिरी बार सफ़ेद मोहरे थे और गुकेश नें अपनी पूरी ताकत लगाकर एक जीती हुई स्थिति हासिल भी कर ली थी पर डिंग नें गुकेश की एक गलती का फायदा उठाते हुए बाजी ड्रॉ करा ली और गुकेश नें अंतिम राउंड के पहले महत्वपूर्ण बढ़त बनाने का बहुत खास मौका खो दिया और अब उन्हे अंतिम राउंड में डिंग का मुकाबला सफ़ेद मोहरो से करना होगा । आज के खेल में गुकेश नें फ्रेंच ओपनिंग के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया और लगभग पूरे समय डिंग पर दबाव बनाकर मजबूत स्थिति में रहे और 68 चालों के बाद एक प्यादा अधिक होते हुए भी उन्हे बाजी ड्रॉ करनी पड़ी । डिंग नें एक मौके को छोड़कर लगभग हर समय बेहतरीन बचाव किया खासतौर पर 31वीं चाल पर उनकी हाथी की शानदार चाल नें उनका खेल बचा लिया । अब आज अंतिम क्लासिकल मुकाबला खेला जाएगा और अब सब कुछ इसी मुकाबले पर टिका होगा , अगर कोई जीता तो वही विश्व चैम्पियन होगा वहीं अगर परिणाम नहीं आया तो फिर रैपिड टाईब्रेक से विश्व विजेता तय होगा फिलहाल 13 राउंड के बाद दोनों खिलाड़ी 6.5 अंको पर खेल रहे है ।

विश्व कप की मेजबानी में पुर्तगाल का भी नाम

- स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो ने कहा यह टूर्नामेंट बेहद खास है

मैड्रिड (एजेंसी)। पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी मिलने के बाद स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को 2030 और 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबानों की औपचारिक घोषणा की। विश्व कप 2030 के मैच तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे।

यह पहला अवसर होगा जबकि विश्व कप छह देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी सौंपी है।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के बीबीएल में खेलने की संभावना

सप्लीमेंट्री खिलाड़ियों की लिस्ट में आया नाम

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस तथा उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने 15 दिसंबर से शुरू होने वाली बिग बैश लीग (बीबीएल) के लिए पूरक खिलाड़ियों के रूप में अनुबंध किया है। कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड ने टेस्ट क्रिकेट की अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था लेकिन इस सत्र में उनके इस प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता में भाग लेने की संभावना है। क्रिकेट.कॉम.एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 'हेजलवुड और स्टार्क ने लीग के मार्की पूरक खिलाड़ी के नियम के तहत सिडनी सिक्सर्स से जबकि कमिंस ने सिडनी थंडर्स के साथ अनुबंध किया है। यह तीनों तेज गेंदबाज अभी भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की श्रृंखला में खेल रहे हैं जो पहले दो मैचों के बाद 1-1 से बराबरी पर है।

स्मृति मंधाना ने जड़ा साल का चौथा वनडे शतक, बनाया विश्व रिकॉर्ड

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय टीम वाका के मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई टीम से तीसरे वनडे में हार गई लेकिन इस दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना साल का चौथा शतक बनाने में सफल रही। वह अब महिलाओं के एकदिवसीय मैचों में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक शतक बनाने का नया रिकॉर्ड बना चुकी है। मंधाना की पारी तब सामने आई जब ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए एनाबेल सदरलैंड की 99 गेंदों में 110 रन की पारी की बदौलत भारत को 299 रनों का लक्ष्य दिया था। इस दौरान एशले गार्डनर और ताहलिया मैक्ग्रा ने भी अर्धशतक जड़े। जवाब में मंधाना को छोड़कर और कोई भी भारतीय बैटर क्रीज पर टिक नहीं पाई।

जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार 2 शतक और अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 1 और शतक के बाद यह शतक मंधाना का साल का चौथा शतक है। एक ही कैलेंडर वर्ष में 4 शतकों की उनकी उपलब्धि ने महिला वनडे में एक नया रिकॉर्ड बनाया, जिसने 7 खिलाड़ियों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिनमें से प्रत्येक ने 1 वर्ष में 3 शतक बनाए थे। मंधाना के नाम अब 9 वनडे शतक हो गए हैं। वह अब नट साइवर-ब्रंट, चमारी अथापथु और चार्लोट एडवर्ड्स के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। 10 वनडे शतकों वाली टैमी ब्यूमोंट मंधाना का अगला निशाना हैं।

ऐसा रहा मुकाबला

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शतक के बावजूद भारत को तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 83 रन की हार के साथ 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। अरुंधति रेड्डी (26 रन पर 4 विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से भारत ने वाका पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 78 रन कर दिया था लेकिन अनाबेल सदरलैंड (95 गेंद में 110 रन, 9 चौके, 4 छक्के) के शतक से मेजबान टीम 6 विकेट पर 298 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। जवाब में भारतीय टीम 215 रन ही बना पाई। स्मृति के अलावा हरलीन देओल 39, कप्तान हरमनप्रीत कौर 12 रन बनाने में सफल रही। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर 30 रन देकर 5 विकेट लेने में सफल रही।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

- **भारत महिला** - स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, साइमा ठाकोर, रेणुका ठाकुर सिंह, अरुंधति रेड्डी, तितास साधु
- **ऑस्ट्रेलिया महिला** - फोएबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, एलिसे पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एनाबेल सदरलैंड, एशले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ (कप्तान), सोफी मोलिनेक्स, अलाना किंग, किम गर्थ, मेगन शुट्ट

विश्व समुद्र ओपन

अजीतेश सेधू ने 67 का कार्ड खेला, तीन शॉट की बढ़त बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू ने बुधवार को यहां दो करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के विश्व समुद्र ओपन के दूसरे दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेलकर 3 शॉट की बढ़त बनाई। चंडीगढ़ के अजीतेश (69, 67) ने दिन में बोगी मुक्त कार्ड खेला जिससे वह बीती रात संयुक्त दूसरे स्थान से शीर्ष पर पहुंच गए। गुरुग्राम के मनीष ठकरान (69, 70) भी बीती रात संयुक्त दूसरे स्थान पर थे, उन्होंने 70 का कार्ड खेला जिससे वह कुल 5 अंडर 139 के स्कोर से अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। बांग्लादेश के जमाल हुसैन पहले दौर में शीर्ष पर थे, लेकिन वह 4 अंडर 140 के कार्ड से तीसरे स्थान पर खिसक गए।

नीलम भारद्वाज का घरेलू सीरीज में जलवा

दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय बनी

अहमदाबाद (एजेंसी)। उत्तराखंड की 18 वर्षीय बल्लेबाज नीलम भारद्वाज ने अपने राज्य की टीम के लिए खेलते हुए नागालैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाते हुए रिकॉर्ड बना दिया है। वह वनडे में दोहरा शतक लगाने वाली भारत की सबसे युवा महिला क्रिकेटर बन गई हैं। नीलम ने अपनी तूफानी पारी में 137 गेंद खेलते हुए नाबाद 202 रन ठोके जिसमें 27 चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनकी पारी से उत्तराखंड ने 50 ओवर में 371 रन का विशाल स्कोर बनाया जिसके जवाब में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने नागालैंड की टीम को 47 ओवर में 112 रन पर समेट दिया। अंत में नीमल प्लेयर ऑफ द मैच बनीं।

दोहरा शतक लगाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर्स

नीलम भारद्वाज - नाबाद 202 रन, नागालैंड के खिलाफ
स्मृति मंधाना - 224 रन, गुजरात के खिलाफ
श्वेता सहरावत - 242 रन, नागालैंड के खिलाफ

बचपन तंगी में बीता, कोच ने दिया सहारा

- उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में रामनगर रेलवे स्टेशन के पास झुग्गियों में पली- बढ़ी नीलम का बचपन आर्थिक तंगी में बीता। उनके पिता नरेश भारद्वाज प्लाई फैक्ट्री में दिहाड़ी मजदूर थे। लकड़ियां ढोते समय संतुलन खोने से चार साल पहले उनका निधन हो गया।
- इससे नीलम के क्रिकेट करियर पर मुश्किलों के बादल मंडराने लगे। इस मुश्किल वक्त में नीलम के बचपन के कोच मोहम्मद अंसारी ने उन्हें संभाला। उन्होंने कहा, नीलम 8 साल की उम्र में मेरे पास क्रिकेट सीखने आई थी। जब वह 11-12 साल की थी, उसने अंडर-19 टीम में जगह बनाई। वह मेरे लिए गौरवान्वित करने वाला पल था।

युवराज सिंह जन्मदिन विशेष

43 साल के हुए पूर्व भारतीय खिलाड़ी के बड़े रिकॉर्ड्स

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। 12 दिसंबर को चंडीगढ़ में जन्मे युवराज एक खेल-प्रेमी पंजाबी परिवार से आते हैं। इस पृष्ठभूमि ने उनके क्रिकेट करियर को प्रभावित किया। युवराज ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जो अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में कई विजयी प्रदर्शन किए जिससे भारत को जीत हासिल करने में मदद मिली। उनके 17 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में कई रिकॉर्ड दर्ज हैं जिसमें एक ओवर में छह छक्के भी शामिल हैं। अपने लगभग दो दशक के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में युवराज ने 402 मैच खेले और 35.05 की औसत तथा 83.74 के स्ट्राइक रेट से 11,778 रन बनाए। उन्होंने 17 शतक और 71 अर्द्धशतक भी लगाए। उनकी अधिकांश उपलब्धियां 50 ओवर के प्रारूप में आईं। उन्होंने अपने पूरे करियर में 304 वनडे मैच खेले और 36.55 की औसत से 14 शतकों और 52 अर्द्धशतकों की मदद से 8701 रन बनाए। उन्होंने जब जरूरत पड़ी तब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तीन वनडे विश्व कप (2003, 2007 और 2011) में 52.71 की औसत और 90.33 की स्ट्राइक रेट से एक शतक और सात अर्द्धशतक लगाते हुए 783 रन बनाए। आइए इस खास मौके पर कुछ रिकॉर्ड्स पर नजर डाल लेते हैं-

एक वनडे में एक पारी में पचास और पांच विकेट - मार्च 2011 में युवराज ने बेंगलुरु में आयरलैंड के खिलाफ 5/31 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने 75 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाकर भारत को 24 गेंद शेष रहते 5 विकेट से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस दौरान वह विवियन रिचर्ड्स, मार्क वॉ, सौरव गांगुली और शाहिद अफरीदी जैसे कुछ नामों की क्लब में शामिल हो गए।

- **1000 रन, 50 विकेट और 50 कैच** - मध्य क्रम में एक निपुण बल्लेबाज होने और अपनी स्पिन गेंदबाजी से विकेट लेने के अलावा, युवराज भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षकों में से एक थे। उन्होंने अपने करियर में एकदिवसीय मैचों में 94 कैच लिए और 8701 रन और 111 विकेट लिए।
- **5000 रन और फिल्डिंग के दौरान 50 आउट** -युवराज ने अपने करियर के दौरान एकदिवसीय मैचों में 8701 रन बनाए और फिल्डिंग के दौरान 50 आउट किए। इसने उन्हें रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, रिचर्ड्स, जावेद मियांदाद और राहुल द्रविड़ जैसे खिलाड़ियों के क्लब में ला खड़ा किया।
- **टी20 में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी** -

युवराज सिंह ने दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के उद्घाटन संस्करण में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ जो किया, उसे कोई नहीं भूल सकता। छह छक्कों से पहले युवराज की एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ तीखी बहस हुई थी और बाकी सब इतिहास है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए और टी20 में लगातार छह छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

- **तीन आईसीसी नॉकआउट मैचों में एमओटीएम** - भारत के दिग्गज को महत्वपूर्ण मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने के लिए जाना जाता था। सिंह ने आईसीसी नॉकआउट 2000 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीतने वाली 84 रनों की पारी खेली और महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमओटीएम) का खिताब जीता। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तेजी से अर्धशतक बनाया और अपना दूसरा एमओटीएम जीता। आईसीसी वनडे विश्व कप 2011 के क्वार्टर फाइनल में बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने आईसीसी नॉकआउट मैचों में अपना तीसरा एमओटीओएम जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया।
- **आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे तेज अर्धशतक** - आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 में भारत और इंग्लैंड के बीच मैच के दौरान युवराज सिंह ने सबसे तेज अर्धशतक लगाया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया जिसमें स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ एक ओवर में उनके प्रसिद्ध छह छक्के भी शामिल थे। युवराज के तेज अर्धशतक की मदद से भारत ने 218 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और बाद में 18 रन से जीत हासिल की।
- **आईसीसी वनडे विश्व कप 2011 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट** - 2011 का वनडे विश्व कप जीतना भारतीय क्रिकेट इतिहास के यादगार क्षणों में से एक है। भारतीय क्रिकेट टीम घरेलू मैदान पर आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी। उन्होंने मुंबई में ग्रैंड फिनाले में श्रीलंका को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। ??भारत की खिताबी जीत में युवराज ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 90.50 की शानदार औसत से 362 रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक और एक शतक शामिल है। गेंद से युवराज अपनी टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। बाएं हाथ के स्पिनर ने 15 विकेट लिए, जिसमें एक बार पांच विकेट भी शामिल हैं।
- **आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2000 में मैन ऑफ द टूर्नामेंट** - दिग्गज ऑलराउंडर 2000 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में मैन ऑफ द टूर्नामेंट भी रहे। युवराज के शानदार प्रदर्शन ने भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम को चैंपियनशिप जीतने में मदद की। उस टूर्नामेंट के दौरान, युवराज ने 8 मैचों में 33.83 की औसत से 203 रन बनाए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने दो अर्धशतक लगाए। गेंद के साथ, ऑलराउंडर ने 12 विकेट लिए, जिसमें दो बार चार विकेट शामिल हैं।

इतनी बड़ी बात नहीं थी-

सिराज और हेड विवाद पर बोले रिकी पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)। रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड के बीच मैदान पर हुए विवाद में 'शुरुआत में कोई

दुर्भावना नहीं थी' और उन्होंने एडीलेड में दिन-रात्रि टेस्ट के दूसरे दिन हुई इस बहस को 'आकस्मिक' करार दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 82वें ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया। भारतीय तेज गेंदबाज सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू से कहा कि अब पीछे मुड़कर देखने पर मुझे लगता है कि जिस तरह से यह सब हुआ वह आकस्मिक था। मुझे नहीं लगता कि शुरुआत में कोई दुर्भावना थी। हेड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की' लेकिन भारतीय गेंदबाज ने तीसरे दिन खेल शुरू होने से पहले इस दावे से इनकार किया। पोंटिंग ने कहा कि मुझे पता है कि ट्रेविस ने कहा है कि उसने शुरुआत में कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की%। सिराज उस समय डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर छक्का लगने से खुश नहीं था।

क्या घोड़े को भी एथलीट होने पर मिलने चाहिए मैडल? इटली लागू कर चुका है कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्हें एथलीट कहा जाए या उपकरण, या फिर उन्हें वही कहा जाए जो वे हैं, घोड़े। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) उन्हें एथलीटों के साथ जोड़ना चाहता है लेकिन लेकिन घुड़सवारों ने ऐसी किसी चीज के लिए जोर देने के खिलाफ सावधानी बरतने का आग्रह किया है जो आगे चलकर चीजों को 'जटिल' कर सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय असल में ईएफआई के प्रशासन पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उस पर निजी क्लबों और संस्थानों को मतदान का अधिकार देकर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला ईएफआई से मान्यता प्राप्त राजस्थान की इकाई ने दायर किया गया है जो चाहता है कि यह अधिकार केवल राज्य संघों के पास हो। एक सुनवाई के दौरान ईएफआई ने यह असंबंधित दलील दी जिसने खेल का अनुसरण करने वालों के साथ-साथ इसमें शामिल लोगों की भी रुचि जगाई।

एशियाई खेल 1998, 2002 और 2006 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे राजेश पट्टू ने ईएफआई की पूरी दलील को खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घोड़ा एथलीट है या उपकरण क्योंकि वह भारतीय घुड़सवारी महासंघ के चुनावों में मतदान नहीं करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईएफआई इस तरह की अप्रासंगिक दलील देकर अदालत का समय बर्बाद कर रहा है। इसका निर्वाचन मंडल से कोई लेना-देना नहीं है जो कि

मुख्य मामला है। ओलंपिक (टोक्यो ओलंपिक 2021) के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने के पक्ष में हैं लेकिन उन्होंने इस तरह के कदम से आने वाली जटिलताओं के बारे में चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मैं अपने घोड़े को एक एथलीट मानता हूं। मैं अपने घोड़े को एक पेशेवर और उच्च श्रेणी के एथलीट के रूप में देखता हूं। दूसरी ओर यदि आप उन्हें कानूनी चीजों के संबंध में, कानूनी व्यक्ति के रूप में, कानून के माध्यम से, या उन्हें पुरस्कृत करके मानवीय बनाने की कोशिश करते हैं तो यह काफी कठिन और जटिल हो जाता है। मिर्जा ने कहा कि वे आखिरकार जानवर हैं और अगर आप मानवीय चीजों और विचारों तथा कानून को जोड़ने की कोशिश करते हैं तो मुझे लगता है कि यह स्थिति को जटिल बनाता है। मिर्जा और पट्टू दोनों फिलहाल जर्मनी के सारब्लूकेन में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

घुड़सवारी खेल की अंतरराष्ट्रीय संचालन संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) का संविधान एथलीट को 'एफईआई प्रतियोगिता में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। ऐसा व्यक्ति राइडर, ड्राइवर, लंगर या वॉल्टर तक सीमित नहीं हो सकता है। एफईआई के 2023 के कानून में घोड़े की नहीं बल्कि एथलीट की परिभाषा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एफईआई एथलीट और घोड़ों को अलग-अलग सूचीबद्ध करता है। ईएफआई भी एफईआई का एक सदस्य महासंघ है लेकिन ऐसा लगता है कि इसने इटली से सीख ली है जो कानून के माध्यम से घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने वाला पहला देश है।

ब्रिसबेन टेस्ट से पहले सुनील गावस्कर बोले, अब ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में लय है

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के तीसरे टेस्ट से पहले पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि अब ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में लय है। बीजीटी सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच शनिवार से ब्रिस्बेन के प्रतिष्ठित द गाबा में खेला जाएगा। इससे पहले एडिलेड टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से निराशाजनक हार झेली थी।

स्टार स्पोर्ट्स से एक्सक्लूसिव बातचीत में गावस्कर ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत के बाद लय भारत के साथ थी,

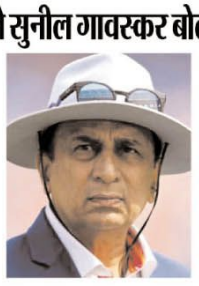

लेकिन 10 दिन के अंतराल ने पर्यटकों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, भारतीय टीम ने पर्थ में जो लय हासिल की थी, वह 10 दिन के अंतराल के दौरान खो गई। अब लय ऑस्ट्रेलिया के साथ है क्योंकि उन्होंने टेस्ट मैच जीता है। एडिलेड टेस्ट के कुछ दिनों बाद आप द गाबा में खेल रहे हैं। इसलिए अब लय ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ है।

गौर हो कि भारत को एडिलेड में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसके शेष पांच विकेट पहले सत्र में ही गिर गए थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को 1-1 से बराबर करने के लिए व्यापक जीत हासिल की। ??भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल कर ली, जिसमें ट्रैविस हेड की 141 गेंदों पर 140 रनों की आक्रामक पारी शामिल थी। इसके बाद भारत अपनी दूसरी पारी में 175 रनों पर ढेर हो गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 19 रनों की जरूरत थी। तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिस्बेन में शुरू होगा।